जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 186 प्रभात चूरू, सोमवार, 3 नवम्बर, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

भारतीय महिलाओं ने क्रिकेट वर्ल्ड कप जीता

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने 52 साल के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए वनडे वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम कर लिया है। कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारत ने शेफाली वर्मा और दीप्ती शर्मा के ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर फाइनल में साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराकर इतिहास रच दिया है। साउथ अफ्रीका की ओर से कप्तान लौरा वोल्वाड्र्ट ने शानदार 101 रनों की पारी खेली, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सकीं। भारत की तरफ से शेफाली वर्मा ने 78 गेंदों पर 87 रन की शानदार पारी खेली और दो विकेट लिए जबकि दीप्ती शर्मा ने 58 गेंदों पर 58 रन बनाए व 5 विकेट लिए।

हरियाणा के पूर्व मंत्री ने कांग्रेस छोड़ी

चंडीगढ़, 02 नवंबर। हरियाणा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री संपत सिंह ने आज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना त्यागपत्र पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेजते हुए कहा कि कांग्रेस अब जनता की नहीं, एक व्यक्ति और परिवार की पार्टी बन चुकी है। छह बार के विधायक, दो बार मंत्री और एक बार नेता प्रतिपक्ष रहे संपत सिंह ने अपने इस्तीफे में लिखा है कि साल 2009 में कांग्रेस जॉइन करने के

■ **संपत सिंह 6 बार विधायक, 2 बार मंत्री व एक बार नेता प्रतिपक्ष भी रहे हैं।**

बाद से उन्हें लगातार नजरअंदाज किया गया और संगठन में किसी प्रकार की जिम्मेदारी नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि पार्टी में गुटबाजी और परिवारवाद ने जड़ों को खोखला कर दिया है।

संपत सिंह ने लिखा कि कांग्रेस में आज निष्ठा का इनाम दासता है और मतभेद की सजा निष्कासन। 2009 से लगातार हार के बावजूद किसी से जवाबदेही नहीं ली गई। जो नेता पार्टी को डुबो रहे हैं, वही शीर्ष पर बने हुए हैं।

संपत सिंह ने कहा कि 2024 के विधानसभा चुनाव कांग्रेस के लिए अध्ययन का विषय होना चाहिए था क्योंकि मीडिया सर्वेक्षणों में जीत की भविष्यवाणी के बावजूद पार्टी बुरी तरह हारी। उन्होंने आरोप लगाया कि टिकट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

टूरिस्ट बस सड़क पर खड़े ट्रेलर में घुसी, 15 श्रद्धालुओं की मौत

जोधपुर के श्रद्धालु कोलायत में पूजा कर लौट रहे थे, जब फलोदी के पास यह हादसा हुआ

■ **पुलिस के अनुसार, बीकानेर के पास कोलायत में कपिल मुनि आश्रम में पूजा-अर्चना कर लौटने वाले श्रद्धालु जोधपुर के सूरसागर इलाके के निवासी थे। मुख्यमंत्री ने दुर्घटना को अत्यंत दुखद व हृदय विदारक बताया।**

जोधपुर, (का.सं.)। प्रदेश में बीते कुछ दिनों से एक के बाद एक सड़क हादसे हो रहे हैं। कभी स्लीपर बस में आग लगी तो कभी स्कूल वैन हादसे का शिकार हुई है। एक के बाद एक लगातार हो रहे सड़क हादसों में कई लोगों की जान जा चुकी है। इस बीच जोधपुर के फलोदी से एक और दुखद खबर सामने आई है। बीकानेर में कोलायत दर्शन करके लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी टेंपो ट्रैवलर (टूरिस्ट बस) भारत माला एक्सप्रेस-वे पर खड़े ट्रेलर में जा घुसी। मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने इस भीषण हादसे में 15 लोगों के मौत की पुष्टि की है, जबकि कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। सूचना मिलने पर मतोड़ा थाना अधिकारी अमानाराम पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से घायलों को बाहर निकाला गया और प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर किया गया।

मतोड़ा थाना अधिकारी अमानाराम ने बताया कि यह हादसा भारतमाला राजमार्ग पर मतोड़ा गांव के पास हुआ। यात्रियों को लेकर जोधपुर की ओर आ रहा एक टैम्पो ट्रैवलर सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकरा गया। जोधपुर पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश ने कहा कि हादसे में 15 यात्रियों की मौत हो गई। जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पहले प्राथमिक उपचार के लिए ओसियां के अस्पताल ले जाया गया और बाद में जोधपुर रेफर कर दिया गया। पुलिस के अनुसार पीड़ित जोधपुर के सूरसागर इलाके के निवासी थे और बीकानेर के पास कोलायत में कपिल मुनि आश्रम में पूजा-अर्चना करने के बाद लौट रहे थे। सभी शवों को ओसियां के सरकारी अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया गया है।

पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश पासवान ने कहा कि घायलों को शीघ्रता से उचित उपचार सुविधा केंद्र तक पहुंचाने के लिए एक ग्रीन कॉरिडोर बनाया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दुर्घटना को अत्यंत दुखद और हृदयविदारक बताया है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन के अधिकारियों को सभी घायलों का समुचित उपचार सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिए गए हैं।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सड़क हादसे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सड़क हादसे की सूचना मिलने के बाद से मैं लगातार प्रशासन के संपर्क में हूँ। अभी हमारा हरसंभव प्रयास है कि घायलों को श्रेष्ठ उपचार मिले, परिजनों को पूरी सहायता दी जाएगी।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने भी एक्स पर लिखा कि फलोदी के मतोडा में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में कई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका ने दूसरे देशों में तख्ता पलटने की नीति त्यागी- तुलसी गबार्ड

अमेरिकी खुफिया विभाग की प्रमुख ने कहा कि अब कूटनीति व आपसी समझौतों को प्राथमिकता दी जाती है

■ **तुलसी गबार्ड ने कहा, सरकारों को उखाड़ फेंकने की नीति ने सहयोगियों से ज्यादा दुश्मन पैदा किये तथा अमेरिकी करदाताओं के खरबों डॉलर बर्बाद किए।**

मनामा, 02 नवंबर। अमेरिकी खुफिया विभाग की प्रमुख तुलसी गबार्ड ने अमेरिका द्वारा दूसरे देशों में सत्ता परिवर्तन करवाने के इतिहास को स्वीकार करते हुए कहा है कि राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के शासन काल में अब यह रणनीति खत्म हो गयी है।

गबार्ड ने शनिवार को बहरीन में 21वें मनामा संवाद में दावा किया कि अपने पूर्ववर्तियों के विपरीत ट्रंप प्रशासन तख्ता पलट की बजाय कूटनीति और आपसी समझौतों को प्राथमिकता देता है। उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि अमेरिका की पुरानी सोच अब पीछे छूट गई है और यही हमें बहुत लंबे समय से पीछे धकेल रही है। दशकों से, हमारी विदेश नीति शासन परिवर्तन या राष्ट्र निर्माण के एक बेकारऔर अंतहीन चक्र में फँसी हुई है।''

उल्लेखनीय है कि अमेरिका को लोकतंत्र को, बढ़ावा देने या राष्ट्रीय हितों की रक्षा के नाम पर सरकारों को उखाड़ फेंकने की नीतियों को अपनाने के लिए लंबे समय से आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। वर्ष 2003 में इराक और 2011 में लीबिया से लेकर 2014 में यूक्रेन में रंगीन क्रांति, यानि अहिंसक तरीके से सत्ता पलटने का समर्थन करने तक, अमेरिका की इस विदेश नीति की तीखी आलोचना हो रही है।

गबार्ड ने कहा कि सरकारों को उखाड़ फेंकने और अमेरिकी मॉडल को थोपने की नीति ने सहयोगियों से ज्यादा दुश्मन पैदा किये हैं। उन्होंने कहा कि इस रणनीति ने अमेरिकी करदाताओं के खरबों डॉलर बर्बाद कर दिए हैं, अनगिनत लोगों की जान ले ली और नए सुरक्षा खतरों को बढ़ावा दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि ट्रंप को इस पर रोक लगाने के लिए ही चुना गया था।

गौरतलब है कि ट्रंप 2025 में अपने शपथ ग्रहण के बाद से ही खुद को बार-बार एक वैश्विक शांतिदूत के रूप में पेश करते रहे हैं। आलोचकों का तर्क है कि वेनेज़ुएला और ईरान पर ट्रंप का दबाव अभियान शासन-परिवर्तन रणनीति की नकल ही है।

उल्लेखनीय है कि ईरान लंबे समय से अमेरिका पर प्रतिबंधों और गुप्त कार्रवाइयों के माध्यम से उसे अस्थिर करने की कोशिश करने का आरोप लगाता रहा है। वहीं वेनेज़ुएला ने भी पिछले महीने अमेरिका पर नशा-विरोधी अभियान की आड़ में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के खिलाफ तख्ता पलट की साजिश रचने का आरोप लगाया था।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बीआरएस कार्यालय पर हमला किया

हैदराबाद, 02 नवंबर। तेलंगाना के खम्मम जिले के मनुगुरु इलाके में रविवार को राजनीतिक हिंसा का मामला सामने आया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बीआरएस (भारत राष्ट्र समिति) के स्थानीय कार्यालय पर धावा बोलकर फर्नीचर जलाया और अपने झंडे

■ **कांग्रेस कार्यकर्ताओं का दावा है कि बीआरएस शासनकाल में उनके कार्यालय पर जबरन कब्जा कर लिया गया था।**

फहराए। इस हमले के दौरान कार्यालय में तोड़फोड़ हुई और दोनों पक्षों में मारपीट की खबरें आईं।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में कांग्रेस कार्यकर्ता बीआरएस कार्यालय में प्रवेश करते हुए नारेबाजी करते दिखाई दिए। वीडियो में लोग कांग्रेस का झंडा थामे हुए कार्यालय में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोकामा से जदयू प्रत्याशी बाहुबली अनंत सिंह 14 दिन की न्यायिक हिरासत में

शनिवार को देर रात पुलिस ने उन्हें दुलारचंद मर्डर केस में गिरफ्तार किया था

■ **पटना में एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रैंस में बताया कि पुलिस ने दुलारचंद हत्या के सिलसिले में तीन लोगों, अनंत सिंह, मणिकांत ठाकुर और रंजीत राम को गिरफ्तार किया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, किसी कठोर व कुंद वस्तु से हृदय और फेफड़ों को चोट पहुँचने से दुलारचंद की मृत्यु हुई है।**

पटना, 02 नवंबर। बाहुबली नेता और मोकामा विधानसभा सीट सेजनता दल यूनाइडेट के उम्मीदवार अनंत सिंह को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। देर रात उन्हें पुलिस ने दुलारचंद यादव मर्डर केस में गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद अनंत सिंह को पटना के सिविल कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

अनंत सिंह को सिविल कोर्ट से बेऊर जेल ले जाया गया है। इससे पहले अनंत सिंह और अन्य आरोपियों की डीआईयू सेल में मेडिकल जांच हुई। मेडिकल जांच के बाद इन्हें पटना सिविल कोर्ट में मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया।

ज्ञातव्य है कि दुलारचंद यादव की 30 अक्टूबर को पटना के मोकामा क्षेत्र में जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार पीयूष प्रियदर्शी के लिए प्रचार करते समय आपसी झड़प के दौरान मौत हो गई थी। दुलारचंद के समर्थकों ने अनंत सिंह और उनके समर्थकों पर हत्या का आरोप लगाया था। घटना भदौर और घोसवारी थानों के पास मोकामा इलाके में हुई थी।

पटना के एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने पटना के जिलाधिकारी त्यागराजन एस एम के साथ देर रात एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, ''पुलिस ने दुलार चंद यादव की हत्या के सिलसिले में तीन लोगों - अनंत सिंह, मणिकांत ठाकुर और रंजीत राम को गिरफ्तार किया है।'' एसएसपी ने बताया कि यादव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, किसी कठोर और कुंद वस्तु से हृदय और फेफड़ों को चोट पहुंचने के कारण हृदय गति रुकने से यादव की मौत हो गई। उन्होंने कहा, ''इसलिए, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि यह हत्या का मामला है।'' शर्मा ने बताया कि जांच में यह भी पता चला है कि घटना के समय तीनों मौजूद थे।

एसएसपी ने कहा, '' दुलारचंद यादव की हत्या के मामले में पुलिस की जांच के तहत उन्हें गिरफ्तार किया गया है। घटना की जांच के लिए पुलिस ने कुल चार प्राथमिकी दर्ज की हैं, जिनमें से एक आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से संबंधित है।'' उन्होंने बताया कि अनंत सिंह का नाम एक प्राथमिकी में शामिल है। कई बार विधायक रहे सिंह की पत्नी नीलम देवी फिलहाल मोकामा सीट से विधायक हैं। सिंह पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का मामला भी दर्ज किया गया है क्योंकि उनके बड़े काफिले के साथ घूमने के मामले सामने आए हैं।

दुलारचंद यादव की हत्या के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने अपने समर्थकों और यादव के बीच झड़प की बात स्वीकार की थी, हालांकि उन्होंने 'अंडरवर्ल्ड' और स्थानीय राजनीति में अपने पुराने प्रतिद्वंद्वी सूरजभान पर दोष मढ़ने की कोशिश की थी। सूरजभान की पत्नी वीणा देवी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के टिकट पर इस सीट से चुनाव लड़ रही हैं।

बिहार में 6 और 11 नवंबर को दो चरण में मतदान होगा और मतगणना 14 नवंबर को होगी।

इसरो ने अब तक का सबसे भारी संचार उपग्रह लाँच किया

इससे नौसेना को समुद्र में बेहतर संचार सुविधा तथा समुद्री क्षेत्र की निगरानी में मदद मिलेगी

■ **इसरो प्रमुख वी. नारायण ने कहा कि उपग्रह को कम से कम 15 वर्षों तक संचार सेवाएं प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है तथा यह आत्मनिर्भर भारत का ज्वलंत उदाहरण है।**

श्रीहरिकोटा, 02 नवंबर। इसरो ने श्रीहरिकोटा से आज अपने शक्तिशाली रॉकेट एलवीएम3-एम5 के जरिए सीएमएस-03 (जीसैट-7आर) संचार उपग्रह को सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया है। यह उपग्रह खास तौर पर भारतीय नौसेना के लिए बनाया गया है।

ज्ञातव्य है कि लगभग 4000 किलोग्राम वजनी यह उपग्रह अब तक का भारत का सबसे भारी संचार उपग्रह है। इसके जरिए नौसेना को समुद्र में बेहतर संचार सुविधा और समुद्री क्षेत्र की निगरानी में बड़ी मदद मिलेगी। इस उपग्रह में देश में विकसित कई अत्याधुनिक तकनीकी उपकरण लगाए गए हैं, जो भारतीय नौसेना की संचालन क्षमता को और मजबूत बनाएंगे।

इसरो ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में एलवीएम3-एम5/सीएमएस-03 मिशन का अपडेट दिया है। इसरो के अनुसार, सीएमएस-03 रॉकेट से सफलतापूर्वक अलग हुआ है, इसरो ने इसे परफेक्ट इजेक्शन बताया है।

इसरो के एलवीएम-एम5 द्वारा सीएमएस-03 संचार उपग्रह के प्रक्षेपण पर, इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने कहा, सीएम-03 उपग्रह एक बहु-बैंड संचार उपग्रह है, जिसकी कवरेज भारतीय भूभाग सहित एक विस्तृत समुद्री क्षेत्र में है, और इसे कम से कम 15 वर्षों तक संचार सेवाएं प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस उपग्रह में कई नई तकनीकों का समावेश है और यह आत्मनिर्भर भारत का एक और ज्वलंत उदाहरण है। मैं देश की संचार क्षमता के लिए इस महत्वपूर्ण, जटिल उपग्रह को साकार करने के लिए कई इसरो केंद्रों में कार्यरत पूरी उपग्रह टीम को बधाई देता हूं। प्रक्षेपण अभियान के दौरान हमें कठिन और चुनौतीपूर्ण समय का सामना करना पड़ा। मौसम उतना अनुकूल नहीं था। लेकिन फिर भी, मैं इस अवसर पर आप सभी की सराहना करता हूं कि इस कठिन मौसम की स्थिति में भी, हम सफलतापूर्वक इस मिशन को भव्य और सफल तरीके से पूरा कर पाए।

इसरो के मुताबिक, करीब 4,400 किलोग्राम वजनी सीएमएस-03 भारतीय धरती से प्रक्षेपित होने वाला और भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में स्थापित होने वाला सबसे भारी उपग्रह है। इसे एलवीएम3-एम5 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया गया है। 4000 किलोग्राम तक के भारी पेलोड ले जाने की क्षमता के कारण एलवीएम3-एम5 रॉकेट को बाहुबली नाम दिया गया है।

मोदी ने पटना में मैगा रोड शो किया

पटना, 02 नवंबर। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर सियासी सरगर्मी तेज है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिनभर बिहार में प्रचार किया। पहले उन्होंने आरा और नवादा में जनसभाएं कीं। इसके बाद पटना में मैगा रोड शो किया। इसके बाद उन्होंने पटना साहिब गुरुद्वारे में मत्था टेका। प्रधानमंत्री मोदी का रोड शो कदमकुआं के दिनकर चौक से शुरू

■ **लोकसभा चुनाव के दौरान रोड शो में शामिल नीतीश कुमार इस बार मौजूद नहीं थे।**

होकर गांधी मैदान के उद्योग भवन तक चला, जिसकी कुल दूरी करीब 2.8 किलोमीटर है। रोड शो के दौरान हजारों की संख्या में लोगों ने अपने अपने घरों के छत से फूल बरसाये और महिलाओं ने आरती उतारी। इस रोड शो का उद्देश्य पटना की 14 विधानसभा सीटों के मतदाताओं को सीधा प्रभावित करना है।

रोड शो से पहले, पीएम मोदी ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लालू यादव व सोनिया गांधी की इच्छा पूरी नहीं होगी- अमित शाह

उन्होंने बिहार में चुनाव रैली में कहा कि न तेजस्वी मुख्यमंत्री बन सकते हैं और न राहुल प्रधानमंत्री

■ **केन्द्रीय गृह मंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी को विकास की गारंटी बताया।**

मुजफ्फरपुर, 02 नवंबर। केन्द्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने रविवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता लालू प्रसाद यादव चाहते हैं कि उनके पुत्र तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनें, जबकि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी चाहती हैं कि उनके पुत्र राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनें, लेकिन बिहार में नीतीश कुमार हैं और दिल्ली में नरेन्द्र मोदी, इसलिये न तेजस्वी मुख्यमंत्री बन सकते हैं, न ही राहुल प्रधानमंत्री।

शाह ने आज मुजफ्फरपुर जिले में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित रैली को संबोधित करते हुये कहा कि लालू यादव और सोनिया गांधी दोनों को देश की नहीं, अपने परिवार की चिंता है।

शाह ने प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी को विकास की गारंटी बताया और कहा कि बिहार को जंगलराज से निकालकर विकास की राह पर लाने का काम मोदी-नीतीश की जोड़ी ने किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि फिर से लालू के बेटे मुख्यमंत्री बनते हैं तो बिहार में तीन नए मंत्रालय खुलेंगे। एक अपहरण, दूसरा रंगदारी और तीसरा हत्या को बढ़ावा देने वाला मंत्रालय खुलेगा।

शाह ने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर हमला करते हुये कहा कि उन्होंने बिहार के लिए

कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि यादव ने सिर्फ घोटाले किए और घोटालों की लाइन लगा दी। उन्होंने चारा घोटाला, लैंड फॉर जॉब घोटाला, होटल बेचने का घोटाला और अलकतरा घोटाला का जिक्र करते हुए कहा कि लालू यादव ने हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार फैलाया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा पर किसी भी घोटाले का आरोप नहीं है।

शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री कुमार और प्रधानमंत्री मोदी की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने बिहार के विकास के लिए अनेक कार्य किए हैं। उन्होंने दावा किया कि नीतीश-मोदी की जोड़ी को न तो बिहार में और न ही पूरे देश में कोई हरा सकता है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव और राहुल गांधी का सपना कभी पूरा नहीं होगा, यह सपना सिर्फ सपना ही रह जाएगा।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस और राजद वालों ने राम मंदिर का विरोध

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

व्यवसाय समय का यन्त्र है। –नेपोलियन

हमारे चुनाव : कुछ दो टूक बातें!

इतनी सारी विविधताएं और इतना बड़ा देश! हमने अपने लिए गणतंत्र का मार्ग चुना और गणतंत्र की रीढ़ है समय-समय पर होने वाले चुनाव। चुनाव आम नागरिक को यह एहसास कराते हैं कि अपनी हैसियत में वह किसी अन्य से कमतर नहीं है, सब समान हैं और यह भी कि उसे यह हक़ है कि वह अपने प्रतिनिधियों का चयन करे। 26 जनवरी 1950 को हमने अपने संविधान को अंगीकार किया और तदनुरूप 25 अक्टोबर 1951 और 21 फरवरी 1952 के बीच देश में पहला आम चुनाव सम्पन्न हुआ। इसके बाद देश के अलग-अलग हिस्सों में समय-समय पर चुनाव होते रहे हैं – कभी लोकसभा के तो कभी राज्यों की विधान सभाओं के, कभी राष्ट्रपति के तो कभी उपराष्ट्रपति के, कभी ज़िला पंचायतों के तो कभी नगर पालिकाओं के। और भी अनेक निकायों के चुनाव होते रहते हैं। कभी पूरी संस्था के चुनाव होते हैं तो कभी कोई उपचुनाव होता है। कुल मिलाकर स्थिति यह है कि देश के किसी न किसी भाग में लगभग हर समय कोई न कोई चुनाव होता रहता है। इधर हमारी सरकार ने एक देश एक चुनाव की आकर्षक लगने वाली बात हवा में उछाली तो है, लेकिन ऐसा हो ही जाएगा, यह कहना कठिन है। वैसे अगर यह मुमकिन हो जाए कि देश की लोकसभा और राज्यों की विधान सभाओं के चुनाव एक साथ हों, तो न केवल बहुत सारा खर्चा बचेगा, समय की भी भारी बचत होगी।

भारतीय चुनाव तंत्र दुनिया का सबसे विशाल चुनाव तंत्र है। देश के पहले आम चुनाव में मात्र 17.3 करोड़ मतदाता पंजीकृत थे, जबकि सन् 2024 में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों में 96.88 करोड़ पंजीकृत मतदाता थे जिनके लिए साढ़े दस लाख मतदान केंद्र बनाए गए और 1.7 करोड़ इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों और 1.8 करोड़ वीवीपेट मशीनों का प्रयोग किया गया। इस चुनाव में मतदान प्रतिशत 67.4 रहा और ख़ास बात यह कि इस बार महिलाओं की भागीदारी पुरुषों से अधिक रही। जहां 67 प्रतिशत पुरुषों ने मतदान किया, मतदान करने वाली महिलाओं का प्रतिशत 67.7 रहा। भारत में चुनाव चुनाव आयोग की देखरेख में संपन्न होता है। 1950 में स्थापित भारतीय चुनाव आयोग अब तक 17 लोकसभा चुनाव, सैंकड़ों विधान सभा चुनाव और हज़ारों स्थानीय निकाय चुनाव सम्पन्न करवा चुका है। 1950 में एकल चुनाव आयुक्त की व्यवस्था थी जो 1989 से बहु सदस्यीय चुनाव आयोग में परिवर्तित हो गई। चुनाव आयोग एक संवैधानिक निकाय है और यह कहा जाता है कि यह स्वतंत्र रूप से कार्य करता है।

जब हमारे यहां चुनाव होने लगे, प्रारम्भ में सब कुछ काफी हद तक ठीक था। हमारा यह पहला अनुभव था इसलिए कुछ चूकें भी हुईं, और उन्हें सुधारा भी गया। 1951 में जब से हमारे देश में चुनाव होने लगे हैं, 2025 तक आते-आते चुनाव प्रक्रिया में बहुत सारे बदलाव हुए हैं। निश्चय ही ये बदलाव प्रक्रिया को अधिक सहज, सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए किए गए हैं। ऐसा नहीं है कि इन बदलावों की आलोचना नहीं हुई है। सबसे बड़ी आलोचना तो इधर के वर्षों में ईवीएम के इस्तेमाल को लेकर हुई है। यह भी कहा गया है कि जब दुनिया के अनेक उन्नत देश भी ईवीएम का प्रयोग नहीं कर रहे हैं तो हम ही क्यों ऐसा करते रहने की ज़िद पर अड़े हुए हैं। स्वाभाविक है कि सरकार इसके पक्ष में है और वह अपनी तरह से इसका बचाव भी करती रहती है। हमारे चुनाव लगातार खर्चीले होते गए हैं। वर्तमान में लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए व्यय सीमा 95 लाख और विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए 40 लाख रुपये है। चुनाव के बाद हर प्रत्याशी अपने खर्च का विवरण प्रस्तुत करता है लेकिन चुनाव प्रचार पर एक नज़र डालते ही यह बात साफ़ हो जाती है कि हर प्रत्याशी इस व्यय सीमा से कई गुना ज़्यादा खर्च करता है। सच तो यह है कि इतनी राशि में तो एक विश्वविद्यालय के छात्र संघ का चुनाव भी शायद नहीं लड़ा जा सकता है। आज जिस तड़क-भड़क के साथ चुनाव लड़े जाते हैं उसे देखते हुए इस बात का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि कोई सामान्य व्यक्ति तो चुनाव लड़ ही नहीं सकता है। उसके जीतने की तो बात ही क्या की जाए! एडीआर की एक रिपोर्ट के अनुसार हमारे देश के 88 प्रतिशत सांसद करोड़पति हैं और सांसदों की औसत संपत्ति पांच करोड़ रुपये है। यह स्थिति उस देश में है जहां अब भी देश की सरकार को 81 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज देना पड़ रहा है। विचारणीय बात यह भी है कि जब करोड़ों रुपये खर्च करके कोई चुनाव लड़ता है तो क्या ऐसा वह केवल जनता की सेवा करने की नीयत से करता है? चुनाव के खर्चों के साथ राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे की भी चर्चा होती है और यह चर्चा राजनीतिक दलों द्वारा अपने चंदा दाताओं को अनुचित लाभ पहुंचाने की हवा में तैरती बातों तक जा पहुंचती है।

हम किसी को नहीं चुनते हैं, और जो चुना जाता है उसे हमसे कोई लेना-देना नहीं होता है! पहले प्रत्याशी कम से कम पांच साल में एक बार मतदाता के द्वार पर तो जाता था, अब तो उस औपचारिकता को भी तिलांजलि दे दी गई है। अब चुनाव वाकई 'लड़े' जाते हैं और आम नागरिक इस लड़ाई से दूर रहने में ही अपनी भलाई समझता है! हमें विचार करना होगा कि यह स्थिति कैसे बदले और कैसे चुनाव में आम जन की भूमिका बढ़े!

हमारे देश के चुनावों को लेकर धनबल की ही नहीं, बाहुबल की भी चर्चा कम नहीं होती है। हमारे लगभग 29 प्रतिशत सांसदों पर हत्या, बलात्कार जैसे गम्भीर अपराधों के आरोप हैं। कम मतदान एक और समस्या है जिसके कारण बहुत सारी विसंगतियां उत्पन्न होती हैं। यह भी देखा गया है कि सम्पन्न जन मतदान प्रक्रिया से प्रायः दूरी बरतते हैं। मतदाताओं को ललचा कर या उन पर दबाव डाल कर मतदान कराने की चर्चा हमेशा ही होती है। चुनाव से ठीक पहले सरकारें अपना ख़ज़ाना खोल देती हैं। पहले जबरन वोट डाल दिए जाते थे, फिर बूथ कैप्चरिंग होने लगी और अब ईवीएम से छेड़छाड़ की चर्चाएं होती हैं। सत्तारूढ़ दल जहां इन चर्चाओं को सिरे से खारिज़ करता है, प्रतिपक्ष अपनी बात के समर्थन में अनेक तथ्य व प्रमाण प्रस्तुत करता है। मतदातासूची में छेड़छाड़, निर्वाचन क्षेत्रों के सीमांकन आदि को लेकर भी अनेक प्रकार की चर्चाएं सदा ही होती हैं। इन सारी चर्चाओं का मूल यही है कि सत्तारूढ़ दल अपना लाभ-हानि देखकर यह सब करता है।

भारत में चुनाव मुख्यतः दलगत आधार पर होते हैं। पहले हर दल चुनाव से पहले अपना घोषणापत्र ज़ारी करता था जिसमें वह बताता था कि अगर उसे सत्ता मिल गई तो वह क्या-क्या करेगा। वैसे तो तब भी किसी दल पर यह बाध्यता नहीं थी कि वह सत्ता में आने पर पहले किए गए अपने वादों को पूरा करे ही, कम से कम प्रतिपक्षी उससे जवाब तलब तो किया ही करते थे। अब आहिस्ता-आहिस्ता दलों ने चुनाव घोषणा पत्रों को अनावश्यक मान लिया है। या तो वे इन्हें ज़ारी करते ही नहीं और अगर करते भी हैं तो न तो वे और न उनके विरोधी इनको कोई ख़ास तवज्जोह देते हैं। चुनाव वादों और घोषणाओं की बजाय व्यक्तियों को केंद्र में रखकर लड़े जाने लगे हैं। अब चुनाव सिद्धांतों और मूल्यों की बजाय चेहरों पर लड़े जाने लगे हैं। यहां तक कि देश का सबसे बड़ा दल भी चुनाव केवल एक चेहरे को आगे करके लड़ता है।जहां तक चुनाव से पहले किए गए वादों की बात है दलों को अपने वादों को नकारने में या उन्हें जुमला कह कर खारिज़ कर देने में कोई झिझक नहीं होती है। यह चालाकी भी बरती जाती है कि मुख्य नेता की बजाय छुटभैया नेताओं से वादे करवाए जाएं और जीत जाने पर बड़े सहज भाव से कह दिया जाए कि हमने तो ऐसा कोई वादा किया ही नहीं था। आज भले ही सोशल मीडिया और सुलभ तकनीक के दम पर हर कहे का रिकॉर्ड रखना और उसे दिखा पाना सम्भव हो गया है, राजनीतिक दलों और राजनीतिक नेताओं ने अपनी चमड़ी इतनी मोटी कर ली है कि वे किसी बात से लज्जित नहीं होते हैं।

अभी जैसा मैंने कहा, अब चुनाव घोषणाओं पर कम और चेहरों पर ज़्यादा लड़े जाने लगे हैं। और ये चेहरे जिस तरह की बातें करते हैं उनसे हम केवल लज्जित ही हो सकते हैं। एक दूसरे के प्रति अपभाषा का प्रयोग करना, फूहड़ भाषा बरतना, मिथ्या इलज़ाम लगाना, चीज़ों को तोड़ मरोड़ कर प्रस्तुत करना अपने पद और हैसियत का अनुचित उपयोग करना अब अपवाद न रहकर आम हो गया है। चुनावी आचार संहिता की खुले आम धज्जियां उड़ाई जाती हैं। भले ही चुनाव आचार संहिता मतदान प्रारंभ होने से 48 घण्टे पहले प्रचार बंद करने की बात कहे, जो सत्तानशीन हैं वे पूरी बेशर्मी से इस व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हैं। उनके सामने बस एक ही लक्ष्य रहता है – जीत हासिल करना। अब नैतिक अनैतिक की सीमा रेखा धूमिल ही नहीं अदृश्य हो गई है।

आज हम निस्संदेह इस बात पर गर्व करते हैं कि हमारा देश दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और हम हर पांचवें साल अपनी सरकार चुनते हैं, यह एक दुखद यथार्थ है कि सच्चे अर्थों में लोकतंत्र अभी हमारी पहुंच से बाहर है। हम किसी को नहीं चुनते हैं, और जो चुना जाता है उसे हमसे कोई लेना देना नहीं होता है! पहले प्रत्याशी कम से कम पांच साल में एक बार मतदाता के द्वार पर तो जाता था, अब तो उस औपचारिकता को भी तिलांजलि दे दी गई है। अब चुनाव वाकई 'लड़े' जाते हैं और आम नागरिक इस लड़ाई से दूर रहने में ही अपनी भलाई समझता है! हमें विचार करना होगा कि यह स्थिति कैसे बदले और कैसे चुनाव में आम जन की भूमिका बढ़े!

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

सत्ता चरित्रम् ....
भगत सिंह का मुकदमा – 2

रामनिवास बैरवा

गतांक से आगे जारी...

जल्दी ही एक पखवाड़े के अन्दर ही 12 जून, 1929 को असेंबली बम के मामले का ड्रामा खत्म हुआ। भगतसिंह और बटुकेश्वर दत्त को उम्रकैद की सजा दी गयी। 'इंडिया लॉ जर्नल' में प्रकाशित एक लेख के अनुसार सरकारी गवाहों को पढ़ाया गया था कि "अदालत में क्या बोलना है जिन्हें भगतसिंह ने गलत साबित कर दिया कि बम फैंकते समय उसके पास कोई पिस्तौल नहीं थी, जबकि सरकारी बवाह कह रहे थे कि भगतसिंह ने दो-तीन राउंड गोलियां चलाई थी।"

भगतसिंह (आजीवन कैदी न. 47) ने लाहौर जेल से एक पत्र जिसमें 26 जून, 1929 से शुरू होने सांडर्स मामले की लाहौर में सुनवाई का हवाला देते हुए कि वे मियांवाली से कैसे अपने बचाव के लिए किसी वकील से बात कर सकेंगे। और दूसरे पत्र में इंस्पेक्टर जनरल जेल, लाहौर को लिखा कि उन्हें जेल में अन्य साधारण अपराधियों के साथ रखा जाकर घटिया खाना, चावल दाल, रोटियां दी जा रही हैं, जबकि उन्हें, एच. एस. आर. ए. के क्रान्तिकारियों को राजनैतिक कैदी का दर्जा देकर अच्छा खाना और अच्छी सुविधाएं दी जानी चाहिए साथ ही पढ़ने के लिए पुस्तकें पत्र पत्रिकाएं उपलब्ध करवाई जाये। इन मागों को लेकर वे 15 जून, 1929 से भूख हड़ताल पर थे।

असेंबली बम केस का फैसला 12 जून, 1929 को ही दिया जा चुका था। अब लाहौर के सांडर्स हत्या के मामले में 24 क्रान्तिकारियों के नाम मुकदमे में लिये गये उनमें से 16 क्रान्तिकारियों पर मुकदमा शुरू किया गया। इनमें प्रमुख नाम थे- सुखदेव, भगतसिंह, किशोरीलाल, देसराज, प्रेमदत्त, जयदेव कपूर, विश्वकर्मा, महावीर सिंह, यतीन्द्रनाथ दास, अजय कुमार घोष, राजगुरू, कुंदनलाल और कमलनाथ तिवारी। बटुकेश्वर दत्त के खिलाफ केस वापस ले लिया गया।

17 दिसम्बर, 1928 को सांडर्स हत्या (लाहौर षड्यंत्र) के मामले में चन्द्र शेखर आजाद, सुखदेव, बटुकेश्वर दत्त, जतीन्द्र नाथ और राजगुरू को शामिल होना बताया गया। उनमें से कुछ को गिरफ्तार किया गया। 08 अप्रेल, 1929 के दिन असेंबली में बम फैंकने के सिलसिले में भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने आत्म-समर्पण करके गिरफ्तार दी। 12 जून, 1929 को बम फैकने के मामले में दोनों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।

लाहौर के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सैफूद्दीन किचलू, मोहम्मद अलम और गोपीचंद भार्गव ने 30 कैदियों की मांगों के समर्थन में जनमत जगाने का काम पूरी लगन से किया। उसके परिणामस्वरूप पूरे हिन्दुस्तान में 30 जून, 1929 को 'भगत सिंह दिवस' के रूप में मनाया गया। लाहौर षड्यंत्र केस में अदालती कार्यवाही शुरू करने से पहले भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त को भी मियांवाली जेल से लाहौर जेल ले जाया गया।

गांधीजी के अहिंसा, असहयोग, बहिष्कार और अनशन के मार्ग से असहमत इन नौजवान क्रान्तिकारियों ने गांधी के अस्त्र ही से अंग्रेज न्याय व्यवस्था को खोखला साबित कर दिया था। उनकी भूख हड़ताल के कारण कैदियों को अदालत में उपस्थित नहीं किया जा सकता था। दूसरी तरफ लार्ड इरविन को जल्दी ही उन नौजवानों को मृत्युदंड देना था। इन दोनों समस्याओं के समाधान के लिए इरविन ने एक अध्यादेश जारी करके क्रिमिनल प्रोसीजर कोड 1898 में नई धारा 540-बी जोड़ी जिससे कैदियों की अनुपस्थिति में भी अदालती कार्यवाही को पूरा किया जा सकता था। जब इन अध्यादेशों के बिल शीतकालीन राजधानी शिमला में केंद्रीय असेम्बली के सामने 12 सितम्बर, 1929 को रखे गये तो तब इसे साधारण जनता ने 'भूख हड़ताल बिल' नाम दिया गया। विट्ठल भाई पटेल सदन के अध्यक्ष थे। बिल विरोध में अन्य सदस्य मदन मोहन मालवीय, मोतीलाल नेहरू, मोहम्मद अली जिन्ना और डॉ. एम. आर. जयकर ने पूरी तैयारी के साथ बोला था।

उक्त अध्यादेश के अन्तर्गत विशेष ट्रिब्यूनल बनाया जिसके सदस्य थे- जस्टिस जे. कोल्डट्रीम (अध्यक्ष), जस्टिस आगा हेदर और जस्टिस जी.सी. हिल्टन। लाहौर के पुंज हाउस में 5 मई, 1930 से ट्रिब्यूनल में मुकदमें की कार्रवाई शुरू की गई। भगतसिंह ने ट्रिब्यूनल की वैधानिकता, उसके गैर-कानूनी होने संबंधी तर्क पेश करने के लिए 15 दिनों का समय मांगा, जो नहीं दिया गया। 12 मई, 1930 को भगतसिंह और उनके साथियों को हथकड़ियां डालकर ट्रिब्यूनल के सामने बस से लाया गया। हथकड़ियां खोलने की मांग पर जस्टिस जी. सी. हिल्टन उन्हें ने जबरदस्ती बस से उतारने के आदेश दिये, जिसकी प्रतिक्रिया में भगतसिंह आदि ने अदालती ट्रिब्यूनल का बहिष्कार कर दिया, तब ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष ने उन्हें लाठियों से पीटने का आदेश दिया। भगतसिंह को उपस्थित जनता और संवाददाताओं के सामने लाठियों और जूतों से मारा गया। भारतीयों को गाली देने पर भगतसिंह ने जस्टिस आगा हैदर से मुखातिब होकर उनके भारतीय होने पर सवाल उठाया और कहा कि "ऐसी मानसिक स्थिति वाले जज कैसे न्याय करेंगे? तब जस्टिस आगा हैदर ने उस दिन की कार्रवाई पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया। उस घटना की दुनियाभर में चर्चा हुई। इसकी प्रतिक्रिया स्वरूप सारे भारत में एक बार फिर 'भगतसिंह दिवस' मनाया गया। इससे बौखलाकर वायसराय ने ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष जस्टिस कोल्डस्ट्रीम को लम्बी छुट्टियों पर भेज दिया तथा ट्रिब्यूनल का एक सप्ताह में ही भंग करना पड़ा। 21 मई, 1930 को ट्रिब्युनल का पुनर्गठन किया गया जिसमें जस्टिस जी. सी. हिल्टन को अध्यक्ष बनाया जो पहले ट्रिब्यूनल में सदस्य थे, तथा दो नये सदस्य जस्टिस जे. के. टैप और जस्टिस अब्दुल कादिर बनाये गये।"

जी. टी. एच. हेमिल्टन हार्डिंग, लाहौर के पुलिस सुपरिंटेंडेंट ने अपने बयान में बताया पंजाब के गवर्नर के मुख्य सचिव के खास आदेशों के अनुसार एफ. आई. आर. लिखी गई थी, जिसके विवरण के बारे में हेमिल्टन हार्डिंग को कोई जानकारी नहीं थी। सरकार मुख्य रूप से सरकारी गवाह एच. एस. आर. ए. से जुड़े कार्यकर्ता पी. एन. घोष, हंसराज वोरा तथा जय गोपाल की गवाहियों पर निर्भर रहा।

30 सितम्बर, 1930 को मुकदमें की कार्रवाई खतम की गई। 07 अक्टूबर, 1930 को 300 पृष्ठों का निर्णय लिखा गया जिसमें भगतसिंह, सुखदेव और राजगुरू को सांडर्स की हत्या का दोषी ठहराया गया। बाकी अभियुक्तों में से अजय घोष, जतीन्द्र नाथ सान्याल और देशराज को बरी किया गया। कुंदनलाल को सात साल की जेल की सजा दी गई तथा अन्य सात, किशोरीलाल, महावीर सिंह, बिजय कुमार सिन्हा, शिव वर्मा, गया प्रसाद, जयदेव तथा कमल नाथ तिवारी को आजीवन कारावास की सजा दी गई।

उल्लेखनीय है कि एक मई, 1930 का अध्यादेश सिर्फ छः महिने तक ही प्रभावी रहने वाला था, यदि उसका बिल केंद्रीय लेजिस्लेटिव असेंबली के द्वारा पारित नहीं किया जाता, और वह सम्भव भीं था, अतः छः माह के अन्दर-अन्दर, यानि कि 31 अक्टूबर, 1930 तक हर हालत में ट्रिब्यूनल को वह मुकदमा खतम करना था, और जल्दबाजी इतनी कि उसी छः माह की अवधि में भगतसिंह को मृत्युदंड भी देना था; सुखदेव और राजगुरू को तो अपने फैसले की दुर्भावना को छुपाने के लिए सरकार के द्वारा शामिल किया गया था।

..... और 07 अक्टूबर, 1930 को ट्रिब्यूनल ने अपना फैसला सुना दिया- भगतसिंह, सुखदेव और राजगुरू को फांसी पर तब तक लटकाया जाये जब तक कि उनकी मृत्यु नहीं हो जाये।

इसी प्रकिया को पूरा करने के लिए ट्रिब्यूनल ने 07 अक्टूबर, 1930 को ही भगतसिंह, राजगुरू और सुखदेव को 17 अक्टूबर, 1930 को फांसी पर लटकाकर मौत की सजा देने का 'डेथ वारंट' भी जारी कर दिया गया था- वह इस प्रकार से था-

मृत्युदण्ड पर अमल का वारंट

अपराध प्रक्रिया संहिता की धारा 381, 1930 के अध्यादेश सं. छ्छ की धारा 8 एवं छ्, 1930 के अध्यादेश सं. छ्छ के तहत गठित लाहौर षड्यंत्र केस ट्रिब्यूनल की अदालत में।

लाहौर सेन्ट्रल जेल के सुपरिण्टेण्डेण्ट के लिए

भगतसिंह वल्द किशनसिंह, निवासी खवासरियां, लाहौर षड्यंत्र केस के कैदियों में से एक है, को 05 मई, 1930 को शुरू होकर 7 अक्टूबर, 1930 को खत्म हुए मुकदमें में भारतीय दण्ड संहिता की धारा 121 और धारा 302 के तहत और विस्फोटक पदार्थ कानून की धारा 5 के साथ पठित उस कानून की धारा 4(बी) और भारतीय दण्ड संहिता की धारा 120 एफ के तहत अपराध का दोषी पाया गया है और एतद्द्वारा मृत्युदण्ड दिया जाता है।

इस आदेश द्वारा आपको, उपरोक्त सुपरिण्टेण्डेण्ट को, अधिकृत किया जाता है और अपेक्षा की जाती है कि इस आदेश पर अमल करते हुए 17 अक्टूबर के दिन लाहौर में उपरोक्त भगतसिंह को गर्दन से तब तक लटकाया जाये तब तक उसकी मृत्यु न हो जाये, और आदेश पर अमल के प्रमाणमात्र के साथ इस वारण्ट को हाईकोर्ट में वापस भेज दें। हमारे हाथों से तथा अदालत की मुहर के साथ आज 7 अक्टूबर 1930 को दिया गया।

ट्रिब्यूनल की मुहर
ह. ट्रिब्यूनल के सदस्य
ह. ट्रिब्यूनल के सदस्य
ह. ट्रिब्यूनल के सदस्य

जब 17 अक्टूबर, 1930 को लाहौर की जेल में फांसी दिये जाने का वारण्ट जारी किया गया था, तो 17 अक्टूबर, 1930 को फांसी नहीं दिये जाने पर उपरोक्त डेथ वारंट अपने आप ही निष्प्रभावी हो गया था। तब उन तीनों को फांसी की सजा दिया जाना कानून-सम्मत नहीं था, जब तक कि 23 मार्च, 1931 को मृत्युदण्ड देने का नया डेथ वारंट जारी कर दिया गया हो और वह जारी भी नहीं किया गया था। लेकिन कांग्रेस के बैरिस्टरों की फौज भी इस बात को जानते हुए भी चुप रही और उनको फांसी दिये जाने का इंतजार करते रही।

भगतसिंह ने अपने मित्रों को 22 मार्च, 1931 को एक पत्र लिखा था जिसमें उन्होंने अपने राजनीतिक महत्व को रेखांकित किया था-

....स्वाभाविक है कि जीने की इच्छा मुझमें भी होनी चाहिये, मैं इसे छिपाना नहीं चाहता। लेकिन मैं एक शर्त पर जिन्दा रह सकता हूँ, कि मैं कैद होकर या पाबन्द होकर जीना नहीं चाहता।

मेरा नाम हिन्दुस्तानी क्रान्ति का प्रतीक बन चुका है और क्रान्तिकारी दल के आदर्शों और कुर्बानियों ने मुझे बहुत ऊंचा उठा दिया है- इतना ऊंचा कि जीवित रहने की स्थिति में इससे ऊंचा मैं हर्गिज नहीं हो सकता।

.... लेकिन दिलेराना ढंग से हँसते-हँसते मेरे फाँसी चढ़ने की सूरत में हिन्दुस्तानी माताएं अपने बच्चों के भगतसिंह बनने की आरजू किया करेंगी और देश की आजादी के लिए कुर्बानी देने वालों की तादाद इतनी बढ़ जायेगी कि क्रान्ति को रोकना साम्राज्यवाद या तमाम शैतानी शक्तियों के बूते की बात नहीं रहेगी। ....

आपका साथी -भगतसिंह

भारत के सरकारी रिकार्ड इतिहास में भगतसिंह आज भी एक आतंकवादी है, आजाद भारत की सरकार भगतसिंह को आज तक राजनीतिक व्यक्ति, राजनीतिक कैदी के रूप में मान्यता नहीं दे रही है।

लेकिन, भारत सरकार की नीतियों के विपरीत भगतसिंह सीमाओं के पार आज भी जनता को प्रेरणा दे रहे है। उसी प्रेरणा से प्रेरित होकर पाकिस्तान के एक वकील इम्तियाज राशीद कुरैशी ने लाहौर हाईकोर्ट में भगतसिंह के खिलाफ गैरकानूनी और अनियमितताओं को दर्शाते हुए एक रिटपिटिशन दाखिल की है। वकील कुरैशी पाकिस्तान के लाहौर में "भगतसिंह मेमोरियल फाउंडेशन" चलाते हैं। अपने निरन्तर प्रयासों के बाद कुरैशी ने भगतसिंह के विरूद्ध सांडर्स मामले के एफ.आई.आर. सहित सभी दस्तावेज प्राप्त कर सके हैं ताकि 87 वर्ष पुराने मामले को हाईकोर्ट में चैलेंज कर सकें। (कुरैशी के प्रयास 2017 के हैं।)

इम्तियाज राशीद कुरैशी को उम्मीद है कि कोर्ट यदि भगतसिंह के खिलाफ दिये गये फैसले को रद्द कर देती है तो ब्रिटिश क्राउन पर दबाव डाला जा सकता है कि 94 साल पहले फांसी दे दिये गये भगतसिंह के खिलाफ शर्मनाक मुकदमें और न्यायिक हत्या के लिए माफी मांगे।

-रामनिवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

बिजयनगर में रेगर समाज का प्रथम सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न

बिजयनगर, (निसं)। देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर अखिल भारतीय रेगर समाज सुधारक समिति परगना मसूदा के तत्वावधान में आयोजित प्रथम सामूहिक विवाह सम्मेलन में 13 जोड़े दांपत्य सूत्र में बंधे।

रेगर समाज के प्रथम सामूहिक विवाह सम्मेलन में 13 जोड़े दाम्पत्य बंधन में बंधे।

- **सम्मेलन में 13 जोड़े दाम्पत्य सूत्र में बंधे, गाजे-बाजे के साथ निकली बिंदौरी**
- **सामूहिक विवाह सम्मेलन के 13 नव विवाहित जोड़ों को तत्काल विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र मिला**

सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन मां गंगा छात्रावास सिंधी कॉलोनी में किया गया। मां गंगा छात्रावास परिसर से रविवार प्रातः वर-वधुओं की सामूहिक बिंदौरी निकाली गई। भारत रत्न बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर और रेगर समाज के आदर्श संत रविदास महाराज के जयकारों के साथ बड़ी संख्या में समाज के युवा बुर्जुग मातृशक्ति बिंदोरी में शामिल हुये। बिजयनगर में रेगर समाज द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में एक अत्यंत सराहनीय पहल की गई, जिसने सरकारी प्रक्रियाओं को आसान बना दिया। सामूहिक विवाह सम्मेलन के 13 नव विवाहित जोड़ों को तत्काल विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र मिला। नवविवाहित जोड़ों ने अनूठी सेवा का लाभ उठाया। सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति ने पूरा खर्च उठाया। इस पूरी प्रक्रिया को सुचारू बनाने में सम्मेलन समिति अध्यक्ष सीताराम पवार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विवाह प्रमाण पत्र से संबंधित सभी दस्तावेजी कार्यवाही, नोटरी और पंजीकरण शुल्क का भुगतान समिति द्वारा किया गया, जिससे जोड़ों पर कोई अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं पड़ा। बिजयनगर नगर पालिका के प्रोग्रामर जयकिशन सोनी ने इस कार्य में मुख्य भूमिका निभाई। उन्होंने समिति और संबंधित अधिकारियों के बीच बेहतरीन सामंजस्य स्थापित कर ई-मित्र के सहयोग से इस पहल को संभव बनाया। लक्ष्य ई-मित्र के संचालक लोकेश पवार ने भी इस नेक कार्य में अपनी सेवाएं पूरी तरह निःशुल्क प्रदान की।

अलवर मं सर्व समाज विवाह समारोह सम्पन्न : गौशाला स्टेशन रोड अलवर पर आयोजित सर्वसमाज विवाह उत्सव कार्यक्रम में आज पूर्व सांसद ओर केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह, विपक्ष के नेता टीकाराम जूली, ट्रस्ट के ट्रस्टी सतीश भाटिया, गौशाला अलवर के प्रमुख गौ सेवक अजय अग्रवाल, अश्वनी अग्रवाल, मनोज विजय, लक्ष्मण ज्वाली, पवन गोयल, विनोद खंडेलवाल, सचिव गौशाला राकेश जैन, संजय निमुचनिया, प्रमोद अग्रवाल, किशोर सैनी, नागेंद्र, राजेंद्र सैनी, के के खंडेलवाल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। गौशाला स्टेशन रोड पर आयोजित इस कार्यक्रम में 12 जोड़ों का विवाह हिन्दू रीति से सम्पन्न हुआ। सभी नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देकर विदा किया गया। विवाह उत्सव में फेरे गायत्री परिवार द्वारा वैदिक रीति से पूर्ण कराया गए। सतीश भाटिया और गौशाला के मुख्य गौसेवक अजय अग्रवाल ने सबका आभार जताया है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 3 नवम्बर, 2025

कार्तिक मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र दिन 3:06 तक, हर्षण योग सायं 6:39 तक, कौलव करण दिन 3:37 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-तुला, चन्द्रमा-मीन, मंगल-वृश्चिक, बुध-वृश्चिक, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग दिन 7:32 से सायं 3:06 से आरम्भ होगा। आज सोम प्रदोष व्रत, राधा वल्लभ पाटोत्सव, पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 8:06 तक, शुभ 9:26 से 10:48 तक, चर 11:33 से 2:55 तक, लाभ-अमृत 2:55 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:42, सूर्यास्त 5:39 तक

मेष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित परामर्श मिलेगा।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कन्या
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक यात्र संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। आज पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

श्याम परिवार के 16वें वार्षिकोत्सव पर जनसैलाब उमड़ा

श्री श्याम सेवा समिति श्याम परिवार का 16वां वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

चूरू (निसं)। स्थानीय भाईजी चौक स्थित बालाजी प्लॉट्स में श्री श्याम सेवा समिति श्याम परिवार का 16वां वार्षिकोत्सव रविवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। आयोजन समिति के कैलाश चंद्र नवहाल ने बताया कि पं. देवकीनंदन व्यास व पंडित नारायण गौड ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना करवायी।

मुख्य यजमान समाजसेवी सुशील बजाज व कुणाल खेमका ने सपत्नीक बाबा श्याम का दीप प्रज्वलित व अखंड ज्योत लेकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। श्री श्याम अखंड ज्योति पाठ का संगीतमय वाचन मेहुल शर्मा, हिमांशु शर्मा व अमित शर्मा ने किया। उन्होंने अखंड ज्योत है अपार माया, श्याम प्रभु की प्रबल छाया सहित अनेक भजनों की सुन्दर प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को परवान चढाया।

- अखंड ज्योत है अपार माया, श्याम प्रभु की प्रबल छाया
- सजीव नृत्य नाटिका और झांकियां रही आकर्षण का केंद्र

इस दौरान कोलकाता की तूलिका बनर्जी डांस ग्रुप ने नृत्य नाटिका के साथ गणेश वंदना की झांकी, शिव पूजा, अहिलावती सखियां मिलन, अहिलावती भिमसेन विवाह, अहिलावती भीमसेन विवाह, अहिलावती द्वारा वीरह गीत की आकर्षक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में श्रद्धालु झूम उठे और एक दूसरे को श्याम जन्मोत्सव की बधाई दी।

मेहुल शर्मा ने बधाई हो बधाई, खाटू वाले मुझे बुला ले, छम-छम नाचे देखों वीर हनुमाना, थारी मोर छडी लहराई रै सहित अनेक भजनों की शानदार प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। इसी क्रम में अहिल्यावती लाल को गोद में उठाकर बर्बरीक को छतरी धर्म की शिक्षा, अहिलावती बर्बरीक शिवपूजन, नारद का आना, महाभारत का समाचार देना, बर्बरीक नीले घोडे पर चढ़के युद्ध में जाना, शीश का दान व खाटू में श्याम प्रकट होना आदि संजीव झांकियों ने सभी का मन मोह लिया। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने सभी का आभार व्यक्त किया।

लाभ संतृप्ति शिविर आयोजित

झुंझुनूं, (निसं)। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे जनजातीय गौरव वर्ष के अंतर्गत एक से 15 नवंबर तक जिलेभर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को आयोजना विभाग द्वारा वित्तीय समावेशन एवं सामाजिक सुरक्षा विषय पर विशेष लाभ संतृप्ति (सैचुरेशन) शिविरों का आयोजन किया गया। सांख्यिकी विभाग की उप निदेशक पूनम कटेवा ने बताया कि इन शिविरों में भारत सरकार द्वारा बैंकों के माध्यम से संचालित राष्ट्रव्यापी संतृप्ति अभियान (सैचुरेशन कैंपेन आफ गवरमेंट आफ इंडिया) के तहत विभिन्न गतिविधियां संपन्न की गई। इनमें प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत नए खाते खोलना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना में नामांकन करना, निष्क्रिय बैंक खातों का पुन: सत्यापन करना तथा बीमा योजनाओं के अंतर्गत दावों का वितरण शामिल रहा। जिले के 333 अटल सेवा केंद्रों एवं ई-मित्र केंद्रों पर जिला प्रशासन तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से यह अभियान संचालित किया गया। इस अवसर पर सांख्यिकी विभाग की उप निदेशक पूनम कटेवा व अग्रणी बैंक प्रबंधक गोपाल प्रसाद ने ई-मित्र कियोस्क पर उपस्थित लोगों को योजनाओं के लाभ और पात्रता की जानकारी प्रदान की।

डॉ. डीएन तुलस्यान का सम्मान किया

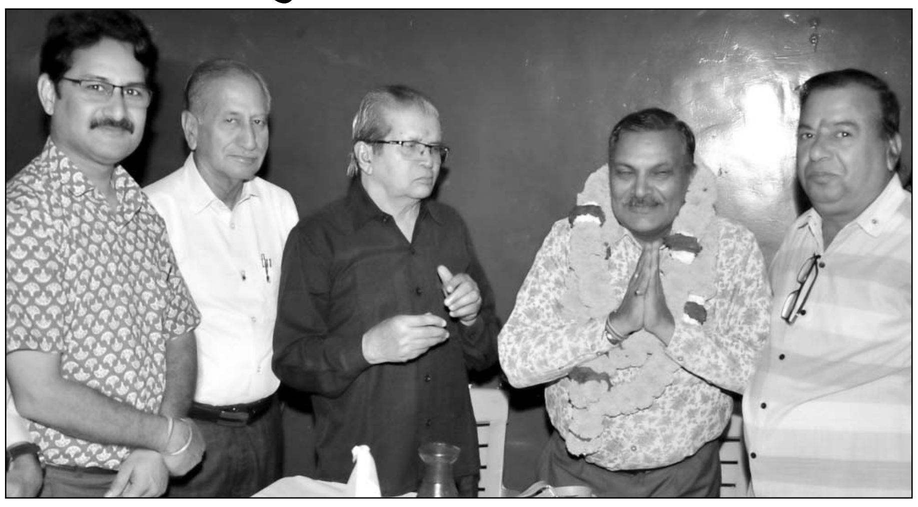

डॉ. डीएन तुलस्यान का लॉयंस क्लब द्वारा सम्मान किया गया।

झुंझुनूं, (निसं)। बगड़ रोड स्थित पंसारी लॉयंस हॉस्पिटल में रविवार दोपहर क्लब की आयोजित सभा में 24 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान रक्तदान शिविर, नेत्र चिकित्सा शिविर, गौशाला में श्री गऊ लड्डू सवामणी एवं इंदिरा रसोई में प्रभुजनों को नि:शुल्क भोजन इत्यादि सेवा कार्यों के सफल आयोजन के लिए प्रायोजक डॉ. डीएन तुलस्यान का लॉयंस क्लब झुंझुनूं की ओर से क्लब संरक्षक एमजेएफ लॉयन एसएन शर्मा एवं लॉयन शिवकुमार जांगिड़ ने माल्यार्पण के साथ सम्मान किया। श्रीमद्भागवत कथा के दौरान कथावाचक संत श्रीहरिशरण जी महाराज से लॉयंस क्लब झुंझुनूं के सदस्यों को महाराजश्री से आशीर्वाद दिलवाया गया। क्लब संरक्षक एमजेएफ लॉयन एसएन शर्मा, कैलाशचंद सिंघानिया एवं ओमप्रकाश जांगिड को कथा में महाराज से आशीर्वाद नहीं मिल पाया। जिनको आज की सभा में डॉ. डीएन तुलस्यान ने दुपट्टा ओढाकर राधा कृष्ण का प्रतीक चिह्न भेंट कर उनसे आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर क्लब क्लब संरक्षक एमजेएफ लॉयन एसएन शर्मा, अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र सिंह शेखावत, सचिव गोपाल कृष्ण गुप्ता, कोषाध्यक्ष भागीरथप्रसाद जांगिड, रीजन चेयरमैन डॉ. एनएस नरुका, अध्यक्षीय सलाहकार परमेश्वर हलवाई, एमजेएफ लॉयन नरेंद्र व्यास, द्वितीय उपाध्यक्ष लॉयन शिवकुमार जांगिड, शकुंतला पुरोहित, एमजेएफ लॉयन डॉ. मनोजसिंह टीकेएन, महिपालसिंह, रघुनाथप्रसाद पोद्दार, कैलाशचंद्र सिंघानिया एवं ओमप्रकाश जांगिड सहित अन्य क्लब सदस्य उपस्थित थे।

चौधरी चरणसिंह विचार मंच प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी से मुलाकात की

चौधरी चरणसिंह विचार मंच प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी से मुलाकात की।

झुंझुनूं, (निसं)। आरएलडी प्रदेशाध्यक्ष जोगिंद्र अवाना एवं कृषि वैज्ञानिक डॉ. हनुमानप्रसाद के मार्गदर्शन में नेशनल यूथ आइकॉन वकील विजयहिंद जालिमपुरा के नेतृत्व में चौधरी चरण सिंह विचार मंच झुंझुनूं के प्रतिनिधि मंडल ने भारत सरकार के केंद्रीय कौशल विकास उद्यिमता एवं शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी से उनके नई दिल्ली स्थित सरकारी बंगले पर भेंट की।

जालिमपुरा ने बताया कि राजस्थान प्रदेश विशेषकर शेखावाटी में युवाओं, सैनिकों, श्रमिकों और किसानों के कौशल विकास, उनकी प्रगति एवं सशक्तिकरण के लिए मंत्रालय तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का विशाल युवा किसान कौशल महोत्सव झुंझुनूं जिले में आयोजित करने, युवाओं के लिए प्रेरणादाई पुस्तक जयहिंद से विजयहिंद कहानी नेशनल यूथ आइकॉन की का विमोचन एवं आठ क्षेत्रों शिक्षा, सुरक्षा, चिकित्सा, साहित्य, संस्कृति/धरोहर, कृषि, पर्यावरण और सेवा में अभूतपूर्व योगदान देने वाले नागरिकों को हिंद गौरवश्री सम्मान प्रदान करने के लिए आमंत्रित किया गया।

- झुंझुनूं में आयोजित होगा युवा किसान कौशल महोत्सव

आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष के अंत में युवा किसान कौशल समारोह झुंझुनूं में आयोजित किया जाएगा। यह जिले के लिए सुंदर सौगात है। इस अवसर पर प्रतिनिधि मंडल के अन्य सदस्य सेवानिवृत्त नेवी कमांडर एवं जिला नवलसंघ अध्यक्ष सुरेंद्र चकबास, साहित्यकार लेखक राजेंद्र कस्वां, वीरवर झुंझारसिंह संस्थान के महेंद्र चौधरी, एक्स नेवी सुशील शर्मा और रवि शर्मा उपस्थित रहे।

इससे पूर्व प्रतिनिधिमंडल द्वारा मंत्री को पौधा तथा लेखक राजेंद्र कस्वां द्वारा लिखित भारत रत्न किसान केसरी चौधरी चरण सिंह, देश की प्रथम महिला मंत्री चंद्रावती और झुंझुनूं संस्थापक वीर झुंझा जाट की किताब भेंट कर अभिवादन किया गया।

सत्संग भवन व सेवाश्रम का शिलान्यास

महंत कानपुरी महाराज ने सत्संग भवन व सेवाश्रम का शिलान्यास किया।

तारानगर (निसं)। तारानगर के निकटवर्ती गाँव पुनसीसर के वार्ड नं.9 में स्थित विश्वकर्मा मंदिर के पास बनने वाले स्वामी रामपुरी सत्संग भवन और स्वामी कानपुरी सेवाश्रम का शिलान्यास वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच सम्पन्न हुआ है। लुकसा जोहडा से आए महंत स्वामी केशवानंद सरस्वती महाराज, करंट बालाजी लाडनू के स्वामी बजरंगपुरी महाराज, गुलर धाम के महंत स्वामी कानपुरी महाराज द्वारा पूजा पाठ के बाद आश्रमों की आधारशिला रखी गई।

इस अवसर पर स्वामी केशवानंद महाराज ने कहा कि धार्मिक गतिविधियां संस्कार युक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित करती हैं। इसलिए पुनसीसर गांव के ग्रामीणों के लिए यह प्रसन्नता का विषय है कि यहां पर आश्रमों का निर्माण होने से धार्मिक कार्यक्रमों, अनुष्ठानों में वृद्धि होगी। महंत स्वामी कानपुरी महाराज ने कहा कि धन की तीन गति होती है, दान, भोग और नाश। भामाशाह कुमाराम जांगिड़ ने आश्रम के लिए जमीन दान की है और दान धन की सर्वश्रेष्ठ गति होती है। उन्होंने कहा कि पुनसीसर के ग्रामीणों का धार्मिक भाव और सनातन संस्कृति की परम्परा अनुकरणीय है। पंडित उमाकान्त लाटा, अर्जुन पारीक, भंवरलाल पारीक ने विधि विधान के साथ भूमि पूजन करवाया। इस अवसर पर भामाशाह इन्द्राज जांगिड ने निर्माण कार्य में 2 लाख 51 की सहयोग राशि प्रदान करने की घोषणा की।

शिलान्यास कार्यक्रम को सफल बनाने में भादरराम जांगिड, भीकाराम जांगिड, बंशीधर बोहरा, देवीलाल जांगिड, अमरसिंह, धर्मपाल, सुभाष, महावीर प्रसाद पांडिया, दीपाराम पांडिया, शिवभगवान, प्रहलाद, सीताराम बोहरा, ब्रह्मानंद, रामकुमार, शंकरलाल सामरिया, बजरंगलाल बोदलिया, सोहनलाल पांडिया, ओंकारमल पांडिया, गजानंद धामू, शिवप्रकाश बोहरा, गोपाल प्रजापत, अशोक प्रजापत, राकेश जांगिड, पवन पारीक, शंकरलाल सैन आदि ने सहयोग किया। शिलान्यास के बाद सैंकडों की संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। महंत स्वामी कानपुरी महाराज ने बताया कि क्षेत्र के भक्तों के सहयोग से ही आश्रम का निर्माण किया जा रहा है। इससे पहले 8 प्रहर का हरीनाम संकीर्तन भी आयोजित किया गया, जिसमें धर्मप्रेमी लोगों ने प्रभु नाम का स्मरण कर पुण्य लाभ कमाया।

बुहाना की बेटी ने सूरत में बजाया डंका

बुहाना, (निसं)। उपखंड के ईस्माइलपुर झारोड़ा गांव की बेटी खुशी चौधरी ने सूरत में आयोजित कूडो इंटरनेशनल फेडरेशन इंडिया कप 2025 में शानदार प्रदर्शन कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है। खुशी ने इस प्रतियोगिता में दो गोल्ड मैडल और एक ब्रॉन्ज मैडल अपने नाम किए हैं। यह प्रतियोगिता 23 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक सूरत (गुजरात) में आयोजित हुई, जिसमें देशभर के सैंकड़ों खिलाड़ियों ने भाग लिया। खुशी चौधरी, जो कि सुनिल बलवदा की पुत्री हैं, ने अपनी मेहनत और लगन के दम पर यह सफलता हासिल की।

खुशी ने कूडो 16 कैटेगरी में मध्य प्रदेश की खिलाडी को हराकर गोल्ड मैडल जीता। वहीं, कूडो छह फैडरेशन मैच में उन्होंने लगातार तीन राज्यों हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और गुजरात की खिलाडियों को पराजित करते हुए दूसरा गोल्ड मैडल अपने नाम किया।

ट्रेनों के ठहराव के लिए भिवण्डी के चूरू जिला अप्रवासी मण्डल ने सांसद को ज्ञापन सौंपा

चूरू (निसं)। वार्ड 17 में भिवण्डी के चूरू जिला अप्रवासी मण्डल के हाजी इस्माईल भाटी के नेतृत्व में हिसार-कोयम्बटूर- हिसार का भिवण्डी रेलवे स्टेशन पर ठहराव, हिसार-बान्द्रा-हिसार, जम्मुतवी बान्द्रा-जम्मु एक्सप्रेस का बसई स्टेशन पर ठहराव के लिए सांसद राहूल कस्वां को अप्रवासियों ने ज्ञापन सौंपा।

हाजी भाटी ने बताया कि चूरू जिले के अलावा सीकर, झुंझुनूं सहित राजस्थान के हजारो नागरिक महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवण्डी क्षेत्र में व्यापार के लिए बड़ी संख्या में रहते है। इसलिए अप्रवासियों ने इन स्टेशनों पर हिसार-कोयम्बटूर- हिसार का भिवण्डी रेलवे स्टेशन पर ठहराव, हिसार-बान्द्रा-हिसार, जम्मुतवी बान्द्रा-जम्मु एक्सप्रेस का बसई स्टेशन पर ठहराव किया जाए। ताकि हम लोगों को कोई परेशानी का सामना न करना पडे।

इस अवसर पर मोहम्मद रफ़ीक चौहान, हाजी इस्माईल भाटी, जमील चौहान, आरिफ पीर्थीसर, सद्दाम हुसैन, शकील चौहान, रफीक चुरुवि, याकूब राजगढ़िया, यूसुफ महबूब भाटी, असगर अली, सलीम मिस्त्री, शौकत चौहान, मुबारक भाटी, गुलाम हुसैन गौरी, सोयल खान डीके, सलीम पिए, सिराज जोइया, काज़ी अब्बास, हारून मलनस, जाफर नूरवाला आदि मौजूद रहे। सांसद के धर्मेन्द बुडानिया, किशोर घांघू, नारायण बालान, योगेश ढाका का भी स्वागत किया।

सत्संग व भंडारा आज होगा

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के सारी गांव स्थित बाबा रामदेव जी मंदिर सारी धाम में संत जोरादास जी की आठवीं पुण्य तिथि पर सत्संग भंडारा सोमवार को होगा। बाबा रामदेव जी मंदिर सारी धाम के वर्तमान पीठाधीश्वर महंत कैलाशदास महाराज ने बताया परम पूज्य संत श्री जोरादास जी महाराज की आठवीं पुण्य तिथि पर बाबा रामदेव जी मंदिर सारी में सत्संग भंडारे का आयोजन किया जा रहा है।

'जानी हुई बुराई छोड़कर हमेशा भगवान का आश्रय लेना चाहिए'

झुंझुनूं, (निसं)। संतश्री हरिशरण जी महाराज की संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन निकटवर्ती ग्राम कालीपहाडी में छह नवंबर तक होग रहा है। यह आयोजन इतिहासकार रघुनाथसिंहजी का निवास स्थान पर किया जा रहा है। जिसमें कथा के तीसरे दिन रविवार को सुबह पांच बजे आयोजित प्रवचन कार्यक्रम में श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था के ट्रस्टी डॉ. डीएन तुलस्यान एवं योगेश तुलस्यान ने उपस्थित होकर महाराज जी के प्रवचनों को सुनकर धर्म लाभ प्राप्त किया। व्यास पीठ से प्रवचन देते हुए महाराजश्री ने बताया कि जानी हुई बुराई को छोड देना चाहिए और भगवान का आश्रय रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि भक्त जिन्हें भगवान कहते हैं। उन पर हमेशा विश्वास करो, कभी भी उनसे अपेक्षा मत रखो। क्योंकि वे सर्वशक्तिवान हैं। वे बगैर मांगे ही आपके लिए जो उपयुक्त है दे देते हैं। उन्होंने समाज में बढ़ रही आपसी ईर्ष्या, द्वेष भाव के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि व्यक्ति को किसी की भी निंदा नहीं करनी चाहिए। हमेशा सद्भाव रखते हुए सकारात्मक भाव से सामाजिक सरोकारों में कार्य करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा काम कर्म करने का है फल की चिंता न करते हुए ईश्वर पर पूरा विश्वास रखना चाहिए। प्रवचन कार्यक्रम के पश्चात महाराज जी के सानिध्य में सभी भक्तजनों ने प्रभातफेरी में भाग लिया। जगह जगह संत श्रीहरिशरण जी महाराज का पुष्प वर्षा से ग्रामवासियों ने स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ. डीएन तुलस्यान एवं योगेश तुलस्यान ने व्यास पीठ पर संतश्री का साफा एवं शॉल ओढाकर माल्यार्पण के साथ स्वागत अभिनंदन किया एवं सभी उपस्थित ग्रामवासियों को भी दुपट्टे ओढाए। इस अवसर पर आयोजक श्री राधा रमण सरकार की ओर से उपस्थित भक्तगण के अलावा ठाकुर साहब मुकुन्द सिंह, लक्ष्मण सिंह, रघुनाथ सिंह, बलबीर सिंह, कैलाश सिंह, प्रयाग सिंह, श्रवण सिंह, अशोक सिंह, सुरेन्द्र सिंह, वीरेन्द्र सिंह, ब्रह्मदेव सिंह, भूपेन्द्र सिंह, गजेन्द्र सिंह एवं गोपाल सिंह सहित बडी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

मधुमेह चिकित्सा शिविर आयोजित

झुंझुनूं, (निसं)। लॉयंस क्लब झुंझुनूं के तत्वावधान में एमजेएफ लॉयन डॉ. मनोजसिंह टीकेएन सेफ्टी फायर के आर्थिक सौजन्य से पंसारी लॉयन अस्पताल बगड़ रोड झुंझुनूं में निशुल्क मधुमेह चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। मधुमेह चिकित्सा शिविर में आए हुए रोगियों की ब्लड, शुगर, बीपी की निशुल्क जांच की गई एवं शिविर में 67 रोगियों का पंजीयन कर परामर्शकर्ता लॉयन डॉ. एनएस नरूका के परामर्श पर लिखी गई दवाइयां रोगियों को एक माह की निशुल्क प्रदान की गई। इस अवसर पर क्लब क्लब संरक्षक एमजेएफ लॉयन एसएन शर्मा, अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र सिंह शेखावत, सचिव गोपाल कृष्ण गुप्ता, कोषाध्यक्ष भागीरथ प्रसाद जांगिड सहित अन्य क्लब सदस्य उपस्थित थे।

सांसद राहुल कस्वां ने लोकसभा क्षेत्र में रेलवे लाईनों पर अंडरब्रिज निर्माण के लिये रेल मंत्री को पत्र लिखा

सांसद राहुल कस्वां

सादुलपुर (निसं)। चूरू सांसद राहुल कस्वां ने रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर चूरू संसदीय क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर जरूरत के मुताबिक अडरंब्रिज निर्माण कार्य करवाने की मांग की है।

अपने पत्र में सांसद कस्वां ने बताया कि चूरू संसदीय क्षेत्र के विभिन्न ग्रामीण इलाकों में रेलवे अंडर ब्रिज निर्माण की महत्ती आवश्यकता है, क्योंकि आरयूबी के अभाव में किसानों को कृषि कार्य हेतु रेलवे लाईनों के पार अनाधिकृत रूप से जाना पड़ता है, जिससे हर समय दुर्घटना की संभावना रहती है। वर्तमान में ट्रैक डबलीकरण हो रहा है जिसके बाद वर्षों पुरानी यह समस्या और भी बढ़ती चली जायेगी।

पूर्व में भारत सरकार व रेल मंत्रालय द्वारा नई नीति के तहत्त राजस्थान प्रदेश में रेलवे अंडरब्रिज बनाये जाने हेतु बजट प्रावधान किया गया, जिसके तहत चूरू लोकसभा क्षेत्र में कुल 48 अंडर ब्रिज दो चरणों मे बनाये जाने प्रस्तावित थे, लेकिन इनका निर्माण कार्य शुरू होने से पहले ही यह नीति वापस ले ली गई।

हाल ही में जयपुर दौरे के दौरान रेल मंत्री ने रेलवे अंडरब्रिज व ओवरब्रिज शत प्रतिशत राशि खर्च कर रेलवे द्वारा बनाने की बात कही है। इसलिए चूरू संसदीय क्षेत्र में पूर्व में स्वीकृत 48 अंडरब्रिज के साथ-साथ हमारी मांग के अनुरूप अन्य स्थानों पर भी अंडरब्रिज निर्माण कार्य करवाया जाए।

रेलवे लाइन के एक और गांव है तो दूसरे और किसान भाईयों के खेत हैं। किसान अपना खेत छोड नहीं सकता, रेलवे क्रोसिंग के अभाव में गांव से खेत एवं खेत से गांव जाना नहीं हो पा रहा है। मजबूरन उन्हें अनाधिकृत रूप से रेलवे लाइन को पार करना पड रहा है, जिससे हमेंशा उनके जीवन को खतरा बना रहता है। अत: चूरू संसदीय क्षेत्र में आरयूबी निर्माण का कार्य प्राथमिकता से करवाया जाए।

बिरला बालिका विद्यापीठ, पिलानी में 10वीं अंतरराष्ट्रीय आर्ट मीट का शुभारंभ

बिरला एजुकेशन ट्रस्ट पिलानी और डायमेंशन-4 के संयुक्त प्रयास से बिरला बालिका विद्यापीठ में 10वीं अंतरराष्ट्रीय कला कार्यशाला का शुभारंभ हुआ।

पिलानी, (निसं)। बिरला एजुकेशन ट्रस्ट पिलानी और डायमेंशन-4 के संयुक्त प्रयास से बिरला बालिका विद्यापीठ में रविवार को 10वीं अंतरराष्ट्रीय कला कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। जिसमें देश-विदेश के प्रतिष्ठित कलाकार विद्यार्थियों को कला के विविध रूपों की बारीकियां सिखाएंगे। इस वर्ष की कला कार्यशाला में भारत, जर्मनी, पोलैंड, क्रोएशिया, लेबनान, सर्बिया, रोमानिया और ताइवान के 14 कलाकार भाग ले रहे हैं। प्रसिद्ध चित्रकार टिंकू दास और बबिता दास के नेतृत्व में यह अंतरराष्ट्रीय आर्ट मीट विभिन्न देशों की कला-संस्कृतियों के आदान-प्रदान का मंच बनी हुई है।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि बिरला शिक्षण संस्थान के निदेशक मेजर जनरल एसएस नायर एवीएसएम रहे। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने 10वीं कला कार्यशाला के आकर्षक ब्रॉशर का विमोचन किया। सभी अतिथियों और कलाकारों का स्वागत किया गया। अतिथियों ने कहा कि यह कार्यशाला संस्थान के विद्यार्थियों के लिए एक सृजनात्मक मंच है। जहां वे अंतरराष्ट्रीय कलाकारों से प्रत्यक्ष रूप से सीखकर अपने कौशल को निखार सकेंगे। उन्होंने कहा कि कला न केवल रचनात्मकता को प्रोत्साहित करती है, बल्कि विद्यार्थियों में संवेदनशीलता, अभिव्यक्ति और नवाचार की भावना भी विकसित करती है। सभी अतिथि कलाकारों का परिचय देते हुए इस सात दिवसीय कला कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि मेजर जनरल एसएस नायर ने कार्यशाला का शुभारंभ करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि कला एक सार्वभौमिक भाषा है जो सीमाओं से परे मानवता को जोडती है। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों और कलाकारों को वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर मिलता है। आधुनिक शिक्षा में कला को शामिल करना विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में अत्यंत आवश्यक कदम है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अंतरराष्ट्रीय कला आयोजनों से विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर पर कला की विविधता, नवीन तकनीकों और विभिन्न शैलियों को समझने का अवसर प्राप्त होता है।

- भारत सहित आठ देशों के कलाकार कला की बारीकियों का प्रशिक्षण देंगे

मेजर जनरल नायर ने सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बिरला एजुकेशन ट्रस्ट की दूरदर्शी शैक्षिणक सोच और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। आठ नवंबर तक चलने वाली इस सात दिवसीय कार्यशाला में बिरला शिक्षण संस्थान के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों बिरला बालिका विद्यापीठ पिलानी, बिरला स्कूल पिलानी, बिरला शिशु विहार पिलानी, बिरला पब्लिक स्कूल पिलानी, बिरला पब्लिक स्कूल किशनगढ़ और बिरला पब्लिक स्कूल गंगानगर के कला शिक्षक और लगभग 100 छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह में जीएस गिल, डॉ. मनोज जांगिड़, मोहित श्रीवास्तव, बिरला एजुकेशन ट्रस्ट के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षकगण, विद्यार्थी और गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

इंडोनेशिया सरकार ने भारत से मूंगफली के आयात पर अस्थाई प्रतिबंध लगाया

इंडोनेशिया की क्वारिन्टाइन अथॉरिटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत से भेजी जा रही मूंगफली में एफ्लाटॉक्सिन की मात्रा तय मानकों से अधिक पाई गई है

- **भारत से इंडोनेशिया को हर साल करीब 2.25 लाख टन मूंगफली जाती है, जिसका बड़ा हिस्सा राजस्थान, खासकर बीकानेर जिले से निर्यात होता है**
- **वर्तमान में बीकानेर की प्रमुख अनाज मंडियों में मूंगफली 4500 से 6500 प्रति क्विंटल तक बिक रही है**
- **इंडोनेशिया की इस रोक के बाद व्यापारियों को डर है कि निर्यात ठप पड़ने से भाव में 10-15 प्रतिशत गिरावट आ सकती है**

बीकानेर, (निसं)। मूंगफली की राजधानी कहे जाने वाले बीकानेर के किसानों और व्यापारियों को बड़ा झटका लगा है। इंडोनेशिया सरकार ने भारत से मूंगफली के आयात पर अस्थाई प्रतिबंध लगा दिया है। यह आदेश 27 अगस्त 2025 को जारी किया गया था और 3 सितंबर से प्रभावी हो गया। अब इस फैसले का सीधा असर बीकानेर की मूंगफली मंडियों पर दिखना शुरू हो गया है, जहां मूंगफली की आवक तो हो रही है, लेकिन भावों में गिरावट का डर मंडराने लगा है।

इंडोनेशिया की क्वारिन्टाइन अथॉरिटी (आईक्यूए) ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत से भेजी जा रही मूंगफली में एफ्लाटॉक्सिन की मात्रा तय मानकों से अधिक पाई गई। इसी के चलते इंडोनेशिया ने मूंगफली के आयात पर अस्थाई रोक लगाते हुए कहा है कि आगामी शिपमेंट्स की दोबारा जांच और सैंपलिंग की जाएगी। भारत से इंडोनेशिया को हर साल करीब 2.25 लाख टन मूंगफली जाती है, जिसका बड़ा हिस्सा राजस्थान, खासकर बीकानेर जिले से निर्यात होता है। यह वही मूंगफली है जो अपने मीठे स्वाद और बड़े दाने के लिए विदेशी बाजारों में लोकप्रिय है। बीकानेर में इस वर्ष 2.90 लाख हेक्टेयर में मूंगफली की बुआई की गई है।

कृषि विभाग के मुताबिक, 8.70 लाख मीट्रिक टन उत्पादन का अनुमान है। वर्तमान में बीकानेर की प्रमुख अनाज मंडियों में मूंगफली 4500 से 6500 प्रति क्विंटल तक बिक रही है, लेकिन इंडोनेशिया की इस रोक के बाद व्यापारियों को डर है कि निर्यात ठप पड़ने से भाव में 10-15 प्रतिशत गिरावट आ सकती है। अगर आने वाले महीनों में भारत ने भंडारण और क्वालिटी जांच प्रणाली को सख्त नहीं किया, तो आने वाले सीजन में वियतनाम और चीन जैसे बाजार भी दूरी बना सकते हैं। सरकार और निर्यात एजेंसियों को चाहिए कि वे किसानों को एफ्लाटॉक्सिन नियंत्रण की तकनीक सिखाएं, जैसे खेतों में जलभराव से बचाव, कटाई के तुरंत बाद सुखाई और वैज्ञानिक गोदामों में भंडारण। एफ्लाटॉक्सिन एक विषैला यौगिक है जो मूंगफली में नमी और गलत भंडारण के कारण बनता है। यह फफूंद से उत्पन्न होता है। यह लीवर कैंसर, पाचन विकार और इम्यून सिस्टम कमजोर करने के लिए जिम्मेदार माना जाता है। बीकानेर की मंडियों में इन दिनों मूंगफली की आवक जोर पर है, लेकिन इंडोनेशिया के फैसले के बाद खरीदारों की सक्रियता घट गई है।

व्यापारी बताते हैं कि पिछले साल जहां मूंगफली का एक बड़ा हिस्सा सीधे निर्यात के लिए खरीदा जाता था, इस बार वह स्टॉक स्थानीय मिलों तक सीमित रह गया है। निर्यात ठप होने से मूंगफली तेल उद्योग और कृषि बाजार दोनों पर असर पड़ने की आशंका है।

विशेषज्ञों का कहना है कि भारत के मूंगफली निर्यात का लगभग एक-तिहाई हिस्सा इंडोनेशिया को जाता है। अब उसके हटने से न केवल कीमतें गिरेंगी, बल्कि किसानों की भुगतान अवधि भी लंबी हो जाएगी, क्योंकि स्टॉक लंबे समय तक मंडियों में फंसा रह सकता है।

नोखा में एटीएम तोड़कर कैश बॉक्स ले गए बदमाश

देर रात कार में आए थे बदमाश, एटीएम में लाखों की नगदी की आशंका जताई

नोखा, (निसं)। जिले के नोखा कस्बे के पीपली चौक के पास स्थित एक एटीएम को शातिर बदमाशों ने निशाना बनाया। बदमाशों ने एटीएम तोड़कर कैश बॉक्स उड़ा लिया और मौके से फरार हो गए। अभी ये मालूम नहीं हो पाया है कि एटीएम में कितने रुपए थे। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। कई जगह नाकाबंदी की जा रही है।

घटना देर रात भीड़भाड़ वाले इलाके में हुई, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। वारदात को अंजाम देने से पहले बदमाशों ने एटीएम के कैमरों पर स्प्रे कर दिया ताकि उनकी पहचान न हो सके। इसके बावजूद एक बदमाश कैमरे में कैद हो गया।

सूचना मिलते ही नोखा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। चोरी हुई रकम का आंकलन किया जा रहा है। बैंक के अधिकारियों को भी मौके पर बुलाया गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, लुटेरे एक कार में सवार होकर आए थे और वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गए। कार में तीन बदमाश थे, जो एटीएम में घुसे, तोड़फोड़ की और कैश बॉक्स निकालकर ले गए। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं और बदमाशों की तलाश में टीमें गठित की जा रही हैं। घटना के बाद से अब तक कुछ भी सुराग नहीं मिला है। नोखा शहर में चोरी की यह कोई पहली घटना नहीं है। हाल ही में शहर के दो मंदिरों में भी चोरी की वारदातें हुई थीं, जिसके बाद अब एटीएम में सेंधमारी से स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ गई है।

जहर खाने से एक व्यक्ति की मौत

चिड़ावा, (निसं)। कस्बे में रविवार को एक व्यक्ति की जहर का सेवन करने से मौत हो गई। अलसीसर इलाके के बास हरिपुरा निवासी 45 वर्षीय राकेश कुमार अपने परिवार के साथ कुछ सालों से चिड़ावा कस्बे की मंड्रेला रोड पर कुम्हारों के मोहल्ले में मकान बनाकर रहता था।

शनिवार को ही देर शाम को वह दिल्ली से वापिस अपने घर लौटा था।

- **शनिवार देर शाम को युवक दिल्ली से अपने घर लौटा था**

रविवार को सुबह उसकी पत्नी सुनिता ने एंबुलेंस को फोन किया और उप जिला अस्पताल में अपनी पति को लेकर पहुंची। चिकित्सकों ने जांच के बाद राकेश को मृत घोषित कर दिया। जहर खाने के कारणों का अब तक खुलासा नहीं हो पाया है। इस मामले में मृतक राकेश के पिता दयाचंद ने पुलिस को लिखित रिपोर्ट दी है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। एएसआई कैलाशचंद ने बताया कि रिपोर्ट के आधार पर मामले की जांच की जाएगी। मृतक कुछ दिनों से ही दिल्ली में काम करने लगा था, जो कल शाम को लौटा था और आज सुबह उसने जहर खाया है। मृतक के एक बेटी और बेटा है।

ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई करने की मांग

पाटन थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े ओवरलोड वाहन गुजरते हैं।

- **ग्रामीणों ने परिवहन आयुक्त को ज्ञापन भेज कार्रवाई करने की मांग की**

पाटन, (निसं)। क्षेत्र में अवैध व ओवरलोड वाहनों के धड़ल्ले से संचालन पर परिवहन विभाग की निष्क्रियता को लेकर आमजन में रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने विभागीय लापरवाही के खिलाफ परिवहन आयुक्त को ज्ञापन भेज कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि पाटन थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े ओवरलोड वाहन बेखौफ होकर गुजरते हैं। ग्रामीणों ने बताया अधिकांश वाहन चालकों द्वारा नंबर प्लेट पर ग्रीस लगा दी जाती है, ताकि वाहन की पहचान न हो सके। इस कारण किसी घटना या दुर्घटना की स्थिति में ऐसे वाहन आसानी से पुलिस कार्रवाई से बच निकलते हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि परिवहन विभाग का निरीक्षक वाहन मालिकों से 'सेटिंग' कर मंथली वसूली करता है, जिसके चलते ओवरलोड वाहनों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही। विभाग की इस उदासीनता के कारण क्षेत्र में दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। नीमकाथाना क्षेत्र में रॉयल्टी का टेंडर नहीं होने से बिना टीपी और रवन्ना के सैकड़ों वाहन प्रतिदिन परिवहन कर रहे हैं, जिससे सरकार को राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है। मामले पर नीमकाथाना विधायक सुरेश मोदी ने कहा कि, अब इस प्रकरण को मैं स्वयं देखूंगा। विधानसभा में इसकी आवाज उठाकर भ्रष्ट अधिकारियों की जांच करवाकर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

प्राइवेट बसों में मनमाने संशोधन पर उपमुख्यमंत्री बैरवा सख्त

उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा अजमेर में विवाह समारोह में शामिल पहुंचे।

- **'लोगों की जान की परवाह हमें है, सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा'**
- **बस मालिकों को सुरक्षा मानकों के अनुसार बसों को दुरुस्त कर लेना चाहिए : बैरवा**

अजमेर, (निसं)। उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि सरकार यात्रियों की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह गंभीर है। प्राइवेट बसों में मनमाने संशोधन पर उन्होंने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि लोगों की जान की परवाह हमें है, सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा। अजमेर के एक होटल में विवाह समारोह में शामिल होने आए उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने मीडिया से कहा कि परिवहन विभाग बसों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। बस मालिकों को सुरक्षा मानकों के अनुसार बसों को दुरुस्त कर लेना चाहिए।

उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने बताया कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय रोडवेज की केवल 600 बसें थीं, जबकि वर्तमान में यह संख्या बढ़कर 3200 हो गई है। रोजाना 400 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए ये बसें ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ रही हैं। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। चुनावी तैयारियों पर बोलते हुए बैरवा ने कहा कि एसआईआर कार्यक्रम से सही मतदाता का नाम सूची में बना रहेगा और फर्जी वोटिंग पर रोक लगेगी। अंता विधानसभा उपचुनाव पर उन्होंने दावा किया कि भाजपा प्रत्याशी की जीत निश्चित है।

भांजी का भात भरने आए मामा का सिर फोड़ा

झुंझुनूं, (निसं)। अपनी भांजी की शादी में भात भरने आए मामा का भांजी के ही चचेरे भाइयों ने सिर फोड़ दिया। शादी का कार्यक्रम देखते ही देखते मारपीट के अखाड़े में बदल गया। जानकारी के अनुसार झुंझुनूं के जीनगर गेस्ट हाउस में छोटी सी बात पर दो पक्ष आमने-सामने हो गए। गेस्ट हाउस में गफ्फार अपनी बहन रहीसा बानो की बेटी की शादी में अपने दामाद मुबारिक व अन्य परिजनों के साथ भात भरने के लिए पहुंचा था। इस दौरान गफ्फार की बहन रहीसा बानो के देवर मुस्तगिन, मुस्तगिन के बेटे शाहिद, मोहसीन, अकील, ननद के बेटे फिरोज और बाबू आदि नकली नोट उछाल रहे थे। गफ्फार ने नकली नोट उछालने के लिए टोक दिया, जिससे तैश में आए इन युवकों ने पहले तो दुल्हन के मामा को ही धक्का मारकर स्टेज के नीचे उतार दिया और बाद में एक साथ सरियों और नुकीले पंच से हमला कर दिया। देखते ही देखते शादी का कार्यक्रम मारपीट के अखाड़े में बदल गया। घायल गफ्फार और उनके दामाद मुबारिक को साथ वाले लोगों ने छुड़वाकर अस्पताल पहुंचाया, जहां पर गफ्फार के सिर पर सात टांके आए हैं। दोनों पक्ष पीपली चौक और इसके साथ लगते इलाके के रहने वाले हैं। इस मामले में कोतवाली में लिखित रिपोर्ट दी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जांच कर रहे हैड कांस्टेबल शब्बीर ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पांच जनों के नामजद सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पैंथर का शव मिला

मसूदा, (निसं)। थाना क्षेत्र के किराप गांव स्थित माना की घाटी में लगभग दस वर्षीय नर पैंथर का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों की सूचना पर ब्यावर वन रेंज अधिकारी ओमप्रकाश मय जाब्ता मौके पर पहुंचे और जांच की। प्रथमदृष्टया पैंथर की मौत बीमारी या उम्र के कारण होना माना गया है, क्योंकि शरीर पर किसी चोट के निशान नहीं मिले। शव का पोस्टमार्टम पशु चिकित्सक डॉ. कुमार विश्वास की टीम ने किया। नायब तहसीलदार रौनक डांगरा, एएसआई इन्द्रसिंह, वन विभाग और चिकित्सकों की मौजूदगी में पैंथर का अंतिम संस्कार किया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही मृत्यु का वास्तविक कारण स्पष्ट होगा।

अवैध हथियार सहित युवक गिरफ्तार

नसीराबाद, (निसं)। पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देशन और आईजी अजमेर रेंज राजेंद्र सिंह के आदेशानुसार चल रहे अवैध हथियारों के विरुद्ध विशेष अभियान के तहत नसीराबाद सदर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया।

शनिवार देर रात पुलिस को सूचना मिली कि रामसर कस्बे में कैटल फार्म के पास एक युवक अवैध हथियार के साथ किसी वारदात की फिराक में है। इस पर थानाधिकारी अशोक बिशु के नेतृत्व में टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर युवक को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अजय सैन उर्फ वासु निवासी साण्ड चौराहा, रामसर बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। पुलिस आरोपी से यह जानकारी जुटा रही है कि हथियार कहां से आया और इसका उपयोग किस वारदात में किया जाना था।

नसीराबाद सदर थाना पुलिस ने युवक को गिरफ्तार किया।

पांच लाख का मुआवजा स्वीकृत

भीलवाड़ा, (निसं)। पूर्वांचल जन चेतना समिति चैरिटेबल ट्रस्ट के नेतृत्व में दिनेश साहनी के द्वारा मनोमय टैक्स लिमिटेड जोजारो का खेरा गंगरार मिल में मौजूदा कर्मचारी रामनरेश प्रजापति मजदूर की मृत्यु के उपरांत मुआवजा के लिए रायशुमारी हुई। गौरतलब कि मनोमय टेक लिमिटेड गंगरार मिल में कार्यरत मजदूर अपनी ड्यूटी पर आते वक्त दुर्घटनाग्रस्त हुआ और इलाज के उपरांत उसकी मौत हो गई। पूर्वांचल जन चेतना समिति चैरिटेबल ट्रस्ट के दिनेश साहनी परिवार को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से मिल पहुंचे। मिल प्रबंधन पर दबाव बनाकर 500000 की राशि मृतक की पत्नी आरती प्रजापति को उपलब्ध कराई गई। वहीं तय हुआ कि मृतक के घर आने जाने तथा क्रिया क्रम में आने वाले खर्च को भी कंपनी वहन करेगी और पीएफ ईएसआई के अंतर्गत आने वाली अतिरिक्त राशि कुछ दिनों में उपलब्ध कराई जाएगी।

एक ही परिवार के तीन सदस्यों की चिता एक साथ जली

तेज रफ्तार थार कार ने बाइक को टक्कर मार दी थी, हादसे में चार जनों की मौत हो गई थी

मृतकों के फाइल फोटो।

- **दो साल के मासूम बच्चे के शव को नम आंखों से दफनाया**

अलवर, (निसं)। अलवर में रविवार दोपहर एक ही परिवार के तीन सदस्यों की चिताएं एक साथ जली, जबकि उनके दो साल के मासूम बच्चे को नम आंखों से दफनाया गया। भीषण सड़क हादसे ने इस परिवार को उजाड़ दिया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। रविवार सुबह जिला अस्पताल में मृतकों का पोस्टमॉर्टम किया गया, जिसके बाद शवों को उनके गांव नांगल खेड़ा भेज दिया गया।

जानकारी के अनुसार शनिवार रात एक तेज रफ्तार थार कार ने आगे चल रही बाइक को पीछे से टक्कर मार दी थी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार ने बाइक को करीब 200 मीटर तक घसीटा। हादसे में नांगल खेड़ा निवासी महेंद्र (35), उनकी पत्नी गुड्डी (35), बेटा पूर्वांश (2) और भतीजी पायल (8) की मौत हो गई थी, जबकि उनकी भतीजी खुशबू (4) गंभीर रूप से घायल है और जिला अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही है। महेंद्र की अब 4 बेटियां बची है, जिनका रो-रोकर बुरा हाल है।

महेंद्र की बड़ी बेटी मोनिका ने बताया कि उनके मम्मी-पापा, भाई और बहनें शनिवार दोपहर 12 बजे के आसपास शादी में गए थे, जबकि वह अपनी दो बहनों के साथ स्कूल में पढ़ने गई थी। घर लौटने पर उन्हें अपने मम्मी-पापा नहीं मिले, लेकिन उन्हें पता था कि वे शादी में गए हैं, क्योंकि सुबह घर में इस बारे में बात हो रही थी। फिर शाम को अचानक घर वालों ने बताया कि पापा-मम्मी का एक्सीडेंट हो गया है, जिसमें उनके छोटे भाई की भी मौत हो गई। अब वे बहनों के अलावा और कोई नहीं है। महेंद्र और गुड्डी के परिवार में अब चार बेटियां बची हैं। छोटी खुशी (11), रेनू (14) और 12वीं कक्षा की छात्रा मोनिका (16), हादसे में उनका एक बेटा भी चल बसा।

गुड्डी (मृतका) की बहन सुनीता ने कहा कि हम दोनों बहनों के पास नौ बच्चे थे। उनमें एक लड़का था, वो भी चला गया। अब हमारे पास कुछ नहीं बचा। हमें तो आसपास के लोगों को हादसे का वीडियो दिखाया तो घटना का पता चला। अब हमारा कोई सहारा नहीं रहा। अब किसके सहारा जिऐंगे। गुड्डी की तो अब घर सिर्फ 4 बेटियां ही बची है। ग्रामीणों ने मृतक की बड़ी बेटी को नौकरी दिए जाने की मांग उठाई है। परिवार के सदस्य करण सिंह ने बताया कि इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, लेकिन प्रशासन और सरकार की तरफ से अभी तक कोई आश्वासन नहीं मिला है। महेंद्र की चार बेटियां अनाथ हो गई हैं और अब उन्हें पालने वाला कोई नहीं है।

महेंद्र का छोटा भाई सुभे सिंह भी इस हादसे में मारा गया और दोनों भाइयों में केवल एक ही लड़का था। करण सिंह ने सरकार और प्रशासन से बच्चियों को सहयोग राशि देने और बड़ी बेटी मोनिका को सरकारी नौकरी देने की मांग की है, जिससे वह अपनी बहनों का भविष्य सुरक्षित कर सके। उन्होंने यह भी बताया कि पुलिस प्रशासन अंतिम संस्कार तक तो रुका, लेकिन किसी तरह के सहयोग का आश्वासन नहीं दिया। वहीं प्रतिपक्ष नेता टीकाराम जूली ने रोड सेफ्टी पर सवाल उठाए।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि यह भयानक हादसा है। एक ही परिवार के चार जनों की मौत हो गई। सरकार बार-बार कहती है कि हम ब्लैक प्वाइंट चिह्नित करते हैं, लेकिन वहां पर सफेद पट्टी तक नहीं है। कोई संकेतक नहीं है। आए दिन प्रदेश में बड़े हादसे होते हैं। केवल मीटिंग-मीटिंग खेलने से काम नहीं चलेगा। एक तरफ एक्सीडेंट जीरो करने की बात करते हैं, दूसरी तरफ बड़े-बड़े हादसे हो जाते हैं।

अवैध खनन और वृक्ष कटाई में लिप्त दस वाहन जब्त

अलवर, (निसं)। राजगढ़ वन विभाग ने अवैध खनन और वृक्ष कटाई के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 वाहन जब्त किए हैं। इनमें 8 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां अवैध खनन सामग्री के साथ पकड़ी गई, जबकि दो वाहन हरे पेड़ों की कटाई और लकड़ी के परिवहन में शामिल थे।

- **8 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां अवैध खनन सामग्री के साथ पकड़ी गई**

क्षेत्रीय वन अधिकारी राहुल फौजदार ने बताया कि यह कार्रवाई राजगढ़ रेंज के नाका सदर और रैणी के डोरोली क्षेत्र में की गई। वन विभाग की टीम ने अवैध खनन और परिवहन पर रोक लगाने के लिए सक्रियता दिखाते हुए मौके पर दह ट्रैक्टर-ट्रॉलियां खनन सामग्री सहित पकड़ी। इससे पहले, पत्थरों का अवैध परिवहन करते हुए दो अन्य ट्रॉलियां भी जब्त की गई थी। इसके अतिरिक्त हरे पेड़ों की कटाई और लकड़ी के अवैध परिवहन में लिप्त दो अन्य वाहनों को भी पकड़ा गया। इस पूरी कार्रवाई में वन विभाग की टीम के सदस्य दिलीप सिंह, जसवंत सिंह, जगदीश प्रसाद और हरीश तिवाड़ी मौजूद रहे। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन और हरियाली को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ उनका अभियान आगे भी जारी रहेगा।

उदयपुर में दूसरे दिन भी घर में घुसा लेपर्ड

बुजुर्ग ने लेपर्ड को कमरे में बंद किया, रेस्क्यू टीम ने चार घंटे बाद ट्रैंकुलाइज किया

उदयपुर, (का.सं.)। उदयपुर के कुराबड इलाके में रविवार को लगातार दूसरे दिन भी लेपर्ड की दहशत रही। सुबह सुबह अचानक खेतों से होता हुआ बस्ती में आया लेपर्ड रिहायशी इलाके में एक घर में जा घुसा। इस दौरान कई लोग मौजूद थे। इसके बाद एक बुजुर्ग ने कमरे को बंद कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। मामला कुराबड क्षेत्र के वसु पंचायत के रूणिचा गांव का है। टीम ने 4 घंटे बाद लेपर्ड को ट्रैंकुलाइज किया गया। बेहोश लेपर्ड को पिंजरे में डालकर टीम उसे उदयपुर ले गई। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें लेपर्ड खेतों की ओर से रिहायशी इलाके में घूमता हुआ दिख रहा है।

ग्रामीण केसर सिंह ने बताया कि कल देर रात करीब दो बजे भी लेपर्ड बस्ती में बने बाड़े में आया था और पशुओं पर हमले की कोशिश की लेकिन लोगों के चिल्लाने पर भाग गया। आज सुबह करीब 6.30 बजे लेपर्ड फिर उसी बाड़े में शिकार के लिए आ रहा था। वह सीधी खेतों की तरफ से आया और बाड़े की तरफ लोगों की आवाज सुनकर कच्चे घर की ओर चला गया।

ग्रामीण केसर सिंह ने बताया कि यह कच्चा घर बुजुर्ग भंवरलाल मीणा का था। लेपर्ड कच्चे घर में घुसा और काफी देर तक खाट पर बैठा रहा। इस दौरान भंवरलाल मीणा बाहर ही था। उसने हिम्मत दिखाते हुए कच्चे कमरे के गेट को बंद कर दिया। भंवरलाल कच्चे मकान के पास में ही बने पक्के कमरे में रहता है। इस बस्ती में 24 मकान हैं जिनके घरों के पास में ही बाड़े बने हुए हैं।

इससे पहले शनिवार को भी इस क्षेत्र के बेमला में लेपर्ड एक घर में आ गया था और एक मां-बेटे पर हमला भी किया। करीब 3 घंटे की मशक्कत के बाद उसे रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया था। जब महिला जोर-जोर से चिल्लाने लगी तो लेपर्ड वहां से एक कमरे में घुस गया। महिला ने बाहर से गेट बंद कर दिया था। करीब तीन घंटे बाद लेपर्ड गेट तोड़कर भाग गया। महिला का शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और करीब 500 मीटर तक लेपर्ड का पीछा किया। इस पर लेपर्ड एक पोल्ट्री फार्म में घुस गया। करीब 3 घंटे की कडी मशक्कत के बाद वन विभाग की रेस्क्यू टीम ने उसे बाहर निकाला।

सर्राफा व्यापारियों ने प्रदर्शन किया

पुलिस द्वारा सर्राफा दुकान मालिक को पकड़ ले जाने का मामला

टोंक, (निसं)। जिला मुख्यालय पर सर्राफा व्यापारियों ने सवाईमाधोपुर में पुलिस द्वारा सर्राफा की दुकान के मालिक बालकिशन सोनी को पकड़कर ले जाने के बाद पुलिस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर पुलिस की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई है। वहीं पुलिस ने आरोपी लगाया है कि बालकिशन ने चोरी का माल खरीदा है।

- **सर्राफा व्यापारियों ने प्रदर्शन कर पुलिस की कार्य प्रणाली पर नाराजगी जताई है**

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को मुख्यालय पर सर्राफा व्यापारी सड़क पर उतर गए तथा सर्राफा व्यापारियों ने अपने-अपने प्रतिष्ठान बंद रखे, फिर घंटाघर पहुंचे और प्रदर्शन करते हुए शहर के मुख्य मार्गो से होकर सवाईमाधापुर की सूरवाल पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए डिपो क्षेत्र तक वाहन रैली निकाली। जिसके बाद व्यापारी सुभाष बाजार पहुंचे, जहां उन्हें सूचना मिली कि सूरवाल थाना पुलिस ने सर्राफा व्यापारी को छोड़ दिया। इस दौरान सर्राफा संघ से जुड़े व्यापारी एकजुट हो गए और दुकानें बंद करके मोटरसाईकिल से सुभाष बाजार से डीपो क्षेत्र तक प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारे लगाये। इस दौरान व्यापार महासंघ के अध्यक्ष मनीष बंसल, महामंत्री आनन्दवर्धन बम सहित अन्य व्यापारी मौजूद थे।

लिवोसेट्रीजीन डाईहाईड्रोक्लोराईड (विनसेट-एल) टेबलेट के स्टॉक पर रोक लगाई

निर्माता कम्पनी का परिसर सील, जल्द न्यायालय में वाद दायर किया जाएगा दवा में सक्रिय घटक पाया गया शून्य

जयपुर। औषधि गुणवत्ता को लेकर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग लगातार सख्त कदम उठा रहा है। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में लगातार प्रदेश में दवा निर्माताओं एवं विक्रेताओं के यहां निरीक्षण कर नमूने लिए जा रहे हैं एवं कमियां पाई जाने पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। इसी कड़ी में प्रदेश में 24 फर्मों का निरीक्षण कर करते हुए लिवोसेट्रीजीन डाईहाईड्रोक्लोराईड (विनसेट-एल) टेबलेट के स्टॉक पर रोक लगाई गई है एवं करीब 20 लाख रूपए की दवाएं जब्त की गई हैं।

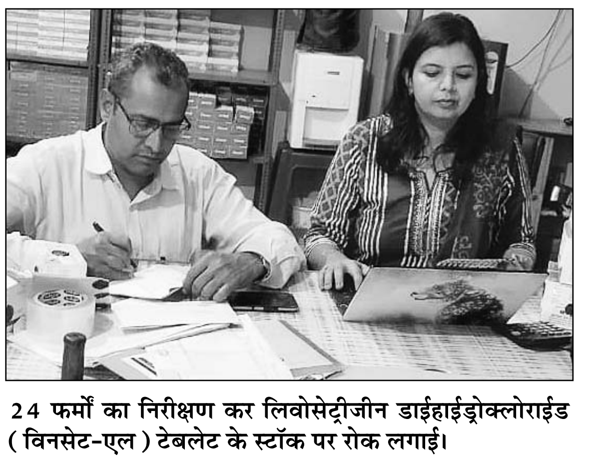

24 फर्मों का निरीक्षण कर लिवोसेट्रीजीन डाईहाईड्रोक्लोराईड (विनसेट-एल) टेबलेट के स्टॉक पर रोक लगाई।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि विगत दिनों देशभर में विभिन्न दवाओं की गुणवत्ता को लेकर सामने आई स्थिति के बाद प्रदेश में औषधि नियंत्रण आयुक्तालय द्वारा दवा निर्माताओं एवं विक्रेता फर्मों का निरीक्षण किया जा रहा है। दवाओं के नमूने लेकर क्वालिटी जांच की जा रही है एवं किसी भी तरह की शिकायत सामने आने पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। आयुक्त डॉ. टी शुभमंगला ने बताया कि विगत दिनों मुखबिर से गोपनीय सूचना मिली थी, जिसके के आधार पर औषधि नियंत्रण अधिकारी, धौलपुर द्वारा वाईएल फार्मा,बद्दी, हिमाचल प्रदेश द्वारा निर्मित लिवोसिट्रीजिन डाईहाईड्रोक्लोराईड(विनसेट-एल) टेबलेट के बैच संख्या वाईएलटी-25023 का नमूना लिया गया। राजकीय विश्लेषक औषधि परीक्षण प्रयोगशाला, जयपुर की जांच में यह दवा नकली श्रेणी की पाई गई। इसमें सक्रिय घटक शून्य पाया गया। इस पर औषधि नियंत्रक डॉ. अजय फाटक को प्रभावी कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए गए थे। औषधि नियंत्रक

■ **करीब 20 लाख रूपए की दवाएं जब्त**

ने राज्य में अलर्ट नोटिस जारी करते हुये विभिन्न जिलों के सहायक औषधि नियंत्रकों के माध्यम से सम्पूर्ण राज्य में विभिन्न 24 फर्मों के निरीक्षण किये गए और उक्त औषधि के बैच पर रोक लगाते हुये शेष बचे स्टॉक को जब्त किया गया।

डॉ. शुभमंगला ने बताया कि वाईएल फार्मा द्वारा निर्मित अन्य औषधियों के अभी तक 44 नमूने व अन्य संदिग्ध निर्माताओं की औषधियों के 9 नमूने लिए गए हैं। साथ ही, करीब 20 लाख रूपए के शेष स्टॉक के विक्रय पर रोक लगा दी गई है। अलर्ट नोटिस जारी होने के उपरान्त कुछ औषधि विक्रेताओं द्वारा नकली औषधि को खुर्द-बुर्द करने का प्रयास किया गया, परन्तु आयुक्तालय के अधिकारियों की सजगता से ऐसे औषधि विक्रताओं को चिन्हित कर औषधि बरामद कर ली गयी।

8 प्रकरणों में 13 कार्मिकों के विरुद्ध की कार्यवाही

जयपुर। राजकीय कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन सुनिश्चित करते हुए राज्य सरकार भ्रष्ट, लापरवाह और अनुशासनहीन कार्मिकों के विरुद्ध निरंतर सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सेवा के अधिकारियों के विरूद्ध 8 प्रकरणों का निस्तारण करते हुए 13 कार्मिकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की हैं। मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम 2018 की धारा 17-ए के अन्तर्गत जल जीवन मिशन की निविदाओं में गड़बड़ी के 1 प्रकरण में 3 अभियंताओं के विरूद्ध विस्तृत जांच एवं अनुसंधान करने का पूर्वानुमोदन किया है। साथ ही, सेवारत अधिकारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के 2 प्रकरणों में वार्षिक वेतन वृद्धियां रोकने के दण्ड से दण्डित भी किया गया है।

गंभीर घायल व सेवानिवृत्त जांबाजों की समस्याओं का करें तत्काल समाधान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देश दिए हैं कि सुरक्षा सेवाओं के दौरान घायल तथा उसके उपरांत सेवानिवृत्त हो चुके वीर सैनिकों की समस्याओं की प्राथमिकता से समीक्षा कर उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र एवं समाज की सुरक्षा में अपना जीवन समर्पित करने वाले ये वीर हमारे गौरव हैं, इनके सम्मान और पुनर्वास के कार्यों में किसी भी स्तर पर विलंब नहीं होना चाहिए।शर्मा ने आतंकवाद निरोधी कार्रवाई में घायल और सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे जांबाजों की समस्याओं के समाधान को विशेष प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जिला कलेक्टर्स को दिए निर्देश**

कहा कि ऐसे सभी मामलों में जिला प्रशासन सक्रिय भूमिका निभाएं और पात्र वीर सैनिकों, शहीद परिवारों और युद्ध में दिव्यांग हुए सैनिकों को सरकारी योजनाओं, पेंशन एवं अन्य प्रावधानों का पूर्ण लाभ मिलना सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि औपचारिकताओं एवं प्रक्रियागत बाधाओं के कारण किसी भी स्तर पर जांबाज वीर सैनिकों को सहायता मिलने में विलंब नहीं होना चाहिए। जिला कलेक्टर अपने-अपने क्षेत्रों में ऐसे सभी प्रकरणों की व्यक्तिगत मॉनिटरिंग करें और जरूरत पड़ने पर विशेष शिविर आयोजित कर जाबांज सैनिकों की समस्याओं का निस्तारण करें। उन्होंने निर्देश दिए कि सुरक्षा बलों, सेना, अर्द्धसैनिक बलों और पुलिस में सेवा दे चुके उन जांबाजों की सूची भी तैयार की जाए, जो अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए गंभीर रूप से घायल हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार वीर सैनिकों एवं सुरक्षा बलों के जवानों के सम्मान और हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आमजन से वीर सैनिकों के मान-सम्मान और सहयोग में आगे आने की अपील की।

राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर मनाया जाएगा राष्ट्रव्यापी उत्सव : सैनी

■ **'7 नवंबर को एसएमएस स्टेडियम में होगा प्रदेश स्तरीय आयोजन, 50 हजार आमजन एक साथ गाएंगे वंदे मातरम्'**

■ **भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार नियुक्त हुई प्रदेश टोली, भूपेंद्र सैनी को बनाया प्रदेश संयोजक**

जयपुर। केंद्र सरकार ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में देशभर में भव्य उत्सवों के आयोजन की घोषणा की है। स्वतंत्रता संग्राम में इस गीत की ऐतिहासिक भूमिका को ध्यान में रखते हुए देश एवं प्रदेश स्तर पर व्यापक जनभागीदारी वाले कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने प्रदेश स्तरीय एवं संभाग स्तरीय टोलियों का गठन किया है। भाजपा प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी को वंदे मातरम् 150वां वर्ष कार्यक्रम का प्रदेश संयोजक नियुक्त किया गया है, जबकि युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश मंत्री प्रेम सिंह बनवासा एवं प्रीति शर्मा को प्रदेश सह-संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सैनी ने बताया कि संभाग स्तरीय टोली में जयपुर संभाग रघुनाथ नरेडी, भरतपुर संभाग भानू प्रताप सिंह,

जोधपुर संभाग महेंद्र बोहरा, अजमेर संभाग अजीत मेहता, बीकानेर संभाग महावीर रांका और उदयपुर संभाग में कमलेश पुरोहित को संयोजक बनाया है।

प्रदेश संयोजक भूपेंद्र सैनी ने बताया कि राज्यभर में देशभक्ति, स्वदेशी भावना एवं राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संगठन और सरकारी स्तर पर वृहद आयोजन किए जाएंगे। 7 नवंबर को एस.एम.एस. स्टेडियम, जयपुर में भव्य प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें लगभग 50,000 से अधिक आमजन एक साथ वंदे मातरम् का सामूहिक गायन करेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर प्रदेश स्तरीय टोली ने प्रदेश संयोजक भूपेंद्र सैनी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से भेंट की और कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आवश्यक सहयोग का आश्वासन देते हुए कार्यक्रम को जनभागीदारी से जोड़ने का आ ान किया।

सैनी ने बताया कि भाजपा प्रदेश कार्यालय में रविवार को एक बैठक आयोजित की गई, इसमें कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की गई और सभी स्तरों पर समन्वय बनाए रखने पर चर्चा की गई। अभियान के तहत संभाग, जिला, नगरीय निकाय, पंचायत राज संस्थान, स्कूल, कॉलेज, छात्रावास, अस्पताल एवं पुलिस थानों सहित राज्यभर में कार्यक्रम किए जाएंगे। वहीं संगठन स्तर पर 150 स्थानों पर 150 कार्यकर्ताओं द्वारा सामूहिक वंदे मातरम् गायन किया जाएगा। सांसदों की उपस्थिति में प्रत्येक जिले के एक कॉलेज में विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसके अतिरिक्त वंदे मातरम् आधारित प्रदर्शनी, सोशल मीडिया जनजागरण अभियान एवं राष्ट्रव्यापी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला भी आयोजित की जाएगी।

अनुकम्पा नियुक्ति के 10 प्रकरणों में दी शिथिलता

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजकीय कार्मिक की मृत्यु के उपरांत आश्रित द्वारा अनुकम्पा नियुक्ति के विभिन्न 10 प्रकरणों में शिथिलता प्रदान की है। शर्मा के इस संवेदनशील निर्णय से मृतक आश्रित परिवारों को संबल मिल सकेगा।

मुख्यमंत्री ने आवेदन में विलम्ब के 6 प्रकरणों में शिथिलता देते हुए मृतक राजकीय कर्मचारियों के आश्रितों को सरकारी नौकरी देने का अनुमोदन किया है।

सचिवालय में अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत व्यक्ति ने लगाया फंदा

जयपुर। करणी विहार थाना इलाके में सचिवालय में अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत एक व्यक्ति ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक ने आत्महत्या से पहले पहले तीन पेज का सुसाइड नोट लिखा। इस सुसाइड नोट की फोटो खींचकर समाज के वॉट्सऐप ग्रुप पर भेजा। इस सुसाइड नोट में पारिवारिक कलह और ससुरालवालों से परेशान होने की बात लिखी है। सुसाइड नोट के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

जांच अधिकारी एसआई कालूराम ने बताया कि करणी विहार के रजनी विहार निवासी घीसालाल शर्मा (56) ने आत्महत्या की है। जो सचिवालय में अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत थे। जिन्होंने शनिवार-रविवार की मध्यरात्रि को फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस की जांच पड़ताल में सामने आया कि मृतक घीसालाल शर्मा ने फंदा लगाने से पहले तीन पेज का सुसाइड नोट लिखा। इस सुसाइड नोट की फोटो खींचकर समाज के वॉट्सऐप ग्रुप पर भेज दी थी। वॉट्सऐप ग्रुप पर सुसाइड नोट की फोटोज के साथ ही सुसाइड करने का मैसेज भी लिखा था। सुसाइड करने का मैसेज पढ़कर रिश्तेदार-परिजन रविवार सुबह उनके घर पहुंचे।

दुग्ध उत्पादन व पशु आहार का वार्षिक टर्नओवर 10,000 करोड़ रु. पहुंचा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री शर्मा की डेयरी क्षेत्र को दी गई विशेष प्राथमिकताओं एवं प्रोत्साहनकारी नीतियों का परिणाम है कि प्रदेश में दुग्ध उत्पादन एवं पशु आहार का वार्षिक टर्नओवर 8,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 10,000 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष तक पहुँच गया है।

दुग्ध उत्पादन एवं प्रोसेसिंग क्षमता में वृद्धि राज्य के डेयरी सेक्टर को राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस उल्लेखनीय प्रगति के फलस्वरूप डेयरी क्षेत्र में वार्षिक मुनाफे में 46 प्रतिशत की ऐतिहासिक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह बढ़ोतरी पिछले 47 वर्षों के इतिहास में सर्वाधिक है। इसके साथ ही, राज्य की 24 दुग्ध संघों में से पहले घाटे में चल

■ **प्रसंस्करण क्षमता बढ़कर हुई 52 लाख लीटर प्रतिदिन**

रहे 15 संघ अब लाभ की स्थिति में आ चुके हैं। यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था और दुग्ध उत्पादक किसानों के विश्वास और योगदान का परिणाम है।

राज्य की डेयरी प्रसंस्करण क्षमता भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है। पिछले वर्ष 48 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता को बढ़ाकर अब 52 लाख लीटर प्रतिदिन कर दिया गया है। वित्तीय वर्ष के अंत तक इसे 65 लाख लीटर प्रतिदिन तक पहुँचाने का लक्ष्य है। यह विस्तार राज्य में दुग्ध उत्पादन, संग्रहण एवं वितरण प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

डेयरी सहकारिता को मज़बूत करते हुए पिछले एक वर्ष में 1,000 नई डेयरी सहकारी समितियों का गठन किया गया है, 2,000 संकलन केंद्र स्थापित किए गए हैं तथा 1 लाख से अधिक दुग्ध उत्पादक किसानों को सहकारी नेटवर्क से जोड़ा गया है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं तथा दूध उत्पादक किसानों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिला है।

पर्यावरण संरक्षण एवं ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए ग्रामीण किसानों के घरों पर 10 हजार फ्लोटैक्सी बायो-गैस प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं, जिसमें से लगभग 2 हजार 500 फ्लोटैक्सी बायो-गैस प्लांट लगाए जा चुके हैं। इससे न केवल स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध होगी, बल्कि पशुपालकों की लागत में भी कमी आएगी।मुख्यमंत्री शर्मा की मंशा के अनुरूप डेयरी क्षेत्र में नवाचार, तकनीकी विकास, किसान हितैषी योजनाओं एवं सहकारिता की भावना के साथ राजस्थान को दुग्ध उत्पादन के राष्ट्रीय केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है।

तुलसी शालिग्राम विवाह आयोजित

जयपुर। श्री गोविंद धाम की कृपा से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 30 अक्टूबर से गोपालपुरा बसंत विहार सिंधी कॉलोनी में हो रहा है व्यास पीठ पर कथा वाचक डॉ प्रशांत शर्मा संगीतमय वाणी से भक्तों को कथा श्रवण करवा रहे हैं कथा के प्रसंग में आज देवउठनी एकादशी के उपलक्ष में नंदोत्सव और तुलसी शालिग्राम विवाह उत्सव मनाया गया। शालिग्राम और तुलसी की पूजा अर्चना कर भगवान शालिग्राम को तुलसी की परिक्रमा करवा कर विधिवत फेरे करवाए गए। देवउठनी एकादशी पर उदियात तिथि के अनुसार छोटी काशी के घर-मंदिरों में तुलसी जी और शालिग्रामजी का विवाह संपन्न करवाया गया । जो दंपत्ति कन्या-दान का अवसर नहीं पा सके। वे तुलसी का कन्यादान करके अत्यंत पुण्य अर्जित कर सकते हैं । एकादशी को दीपदान करने से महान पुण्य की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में देवोत्थान एकादशी का व्रत हजार अश्वमेध यज्ञों और सौ राजसूय यज्ञों के बराबर बताया गया है।

'कांग्रेस शासनकाल में हुई सिर्फ हवाबाजी, भजनलाल सरकार कर रही धरातल पर काम'

जयपुर। डेयरी एवं पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रस सरकार ने पशुपालकों को वास्तविक लाभ पहुंचाने की बजाय सिर्फ चुनावी घोषणाएं की। जबकि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार पशुपालकों के हित में धरातल पर कार्य किया है। कुमावत ने नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता टीकाराम जूली द्वारा लगाए गए आरोपो का जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल के आखिरी दिनों में चुनावी लाभ लेने के लिए महंगाई राहत कैंपों का आयोजन किया था। - इन कैंपों में लगभग 1.10 करोड़ पशुपालकों के लगभग 1.98 लाख पशुओं का पंजीकरण की घोषणा की गई - , मगर जब योजना की शुरूआत की गई तो मात्र 687 पशुपालकों के 1 हजार 64 पशुओं का ही बीमा किया गया। श्री कुमावत ने कहा कि इसके पश्चात योजना पर कोई कार्य नहीं हुआ और उसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। इन बीमित पशुओं में से 21 मृत पशुओं की कुल दावा राशि 7 लाख 3 हजार रुपये का पशुपालकों को भुगतान किया गया। उन्होंने कहा कि इन दावों का निस्तारण भी वर्तमान भाजपा सरकार के कार्यकाल में ही हुआ है। इससे साफ जाहिर होता है कि पूर्व कांग्रेस सरकार की मंशा पशुपालकों के कल्याण की बजाय कागजी खानापूर्ति के माध्यम से राजनीतिक लाभ लेना था।

पशुपालन मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने पशुपालकों को लाभ पहुंचाने के लिए धरातल पर ठोस कार्य किया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के राज्य बजट में मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के अंतर्गत 21 लाख पशुओं का निःशुल्क बीमा किए जाने की घोषणा की गई। उन्होंने कहा कि योजना में दुधारू पशुओं के अलावा भेड़, बकरी एवं ऊंट का भी निःशुल्क बीमा करने का निर्णय लिया गया है, जबकि पूर्व कांग्रेस शासन में गाय और भैंस का ही बीमा किया जाता था।

पशुपालन मंत्री कुमावत ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में 5 लाख 52 हजार 892 पशुपालकों के 10 लाख 60 हजार 520 पशुओं का निःशुल्क बीमा अब तक किया जा चुका है, जो कि देश के किसी भी राज्य में सर्वाधिक पशुओं का निःशुल्क बीमा है।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने मृत पशुओं के मुआवजे हेतु प्राप्त 16 हजार 260 दावों में से 6 हजार 365 दावों का निस्तारण कर दिया है। शेष दावों के भुगतान की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। अब तक पशुपालकों को भुगतान हेतु 9.61 करोड़ रुपये की राशि का अनुमोदन किया जा चुका है। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना का दायरा दुगना करते हुए 21 लाख पशुओं का निःशुल्क बीमा किया जाना प्रस्तावित है। जोराराम कुमावत ने कहा कि उपरोक्त तथ्यों के तुलनात्मक अध्ययन से स्पष्ट होता है कि कांग्रेस नेता भ्रामक बयानबाजी कर प्रदेश की जनता को बरगलाने का असफल प्रयास कर रहे हैं, मगर जनता उनके झूठ को पहचान चुकी है।

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 7 व 8 नवम्बर को

जयपुर। मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के संयुक्त तत्वावधान में सशक्तीकरण क्षमताएँ - दिव्यांगजनों के अधिकारों को आगे बढ़ाना विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आगामी 7 व 8 नवम्बर, 2025 को एक्स-ऑडिटोरियम, सेंट जेवियर्स कॉलेज परिसर जयपुर में आयोजित किया जा रहा है। जिसके पोस्टर का विमोचन जयपुर सांसद श्रीमती मंजू शर्मा द्वारा किया गया, जिन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह आयोजन दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण और अधिकारों की दिशा में एक प्रेरणादायी कदम है। यह सम्मेलन दिव्यांगजनों के अधिकारों, समावेशी नीतियों और सशक्तिकरण के नवीन आयामों पर केंद्रित रहेगा।

ट्रस्ट सदस्य, मीडिया प्रभारी एवं स्वास्थ्य कल्याण होमियोपैथिक कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर के वरिष्ठ आचार्य, प्रो.डॉ. राजीव सक्सेना ने बताया इसमें देशभर से लगभग 250 प्रतिभागी भाग लेंगें जिसमें विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा दिव्यांगजनों के अधिकारों, पुनर्वास, सामाजिक सशक्तिकरण, सीएसआर सहयोग और नीति निर्माण पर अपने विचार एवं अनुभव साझा करेंगें।

जवाहर कला केन्द्र में म्यूज़िकल सिम्फनी कार्यक्रम का आगाज

अलीना ने सजाया गज़ल का गुलदस्ता, अश्विन श्रीनिवासन और ओजस अढ़िया की जुगलबंदी ने मन मोहा

जयपुर। जवाहर कला केंद्र, जयपुर की ओर से आयोजित 'म्यूज़िकल सिम्फनी' कार्यक्रम की रविवार को सुमधुर शुरुआत हुई। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम के पहले दिन सुरों, ग़ज़लों और शास्त्रीय संगीत की जुगलबंदी ने शाम को खास बना दिया। इस दौरान

■ **आज समंदर खान मांगणियार व समूह के कलाकारों की गायन प्रस्तुति**

जयपुर कलेक्टर जितेन्द्र सोनी, केन्द्र की अतिरिक्त महानिदेशक सुश्री प्रियंका राठौड़ व बड़ी संख्या में कलाकार मौजूद रहे।

जवाहर कला केंद्र, की ओर से आयोजित 'म्यूज़िकल सिम्फनी' कार्यक्रम की रविवार को शुरुआत हुई।

कार्यक्रम की शुरुआत गायिका अलीना भारती ने ओल्ड मेलोडी गीतों से की। उन्होंने मेरी आवाज़ ही मेरी पहचान है गीत से माहौल में सुरीले रंग घोले। इसके बाद तू जहाँ जहाँ रहेगा मेरा साया साथ होगा, पिया तोसे नैना लागे रे और दिल चीज़ क्या है आप मेरी जान लीजिए जैसी लोकप्रिय रचनाओं ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने रंजिश ही सही और आज जाने की ज़िद न करो जैसी ग़ज़लों से सुरमयी माहौल को भावनाओं से भर दिया। तबले पर मोहित चौहान, गिटार पर नदीम अली, की-बोर्ड पर ईशान खान, हारमोनियम पर शेर खान ने संगत की।इसके बाद जुगलबंदी की वो मनमोहक प्रस्तुति हुयी जिसके लिए बड़े जज्बा से श्रोता इंतजार कर रहे थे। बांसुरी वादक अश्विन श्रीनिवासन और तबला वादक ओजस अढ़िया की जबरदस्त जुगलबंदी ने महफिल में जान भर दी। उन्होंने सबसे पहले राग पूरियाधनश्री को अपनी प्रस्तुति का आधार बनाया। विलंबित एक ताल में बड़ा ख्याल की प्रस्तुति दी गयी। इसके बाद मध्यलय तीन ताल में बंदिश पायलिया की झंकार से श्रोताओं के मन में सुरीली झंकार उठी। द्रुत तीन ताल में छोटा ख्याल की अश्विन श्रीनिवासन की बंदिश चैन ना आवे के साथ महफिल आगे बढ़ी। राग भूपाली की बंदिश प्रभु मोरी अरज सुनों की प्रस्तुति ने माहौल को आध्यात्मिक बना दिया।

गौरतलब है कि अश्विन श्रीनिवासन ऑल इंडिया रेडियो के ए-ग्रेड कलाकार, सुर-मणि पुरस्कार से सम्मानित और ए.आर. रहमान के बैंड के प्रमुख सदस्य हैं। वहीं देश के सुप्रसिद्ध तबला वादक ओजस अढ़िया, उस्ताद बिस्मिल्लाह ख़ाँ युवा पुरस्कार से सम्मानित हैं और उनका नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भारत के सबसे युवा तबला वादक के रूप में दर्ज है। वहीं अलीना भारती 'सुपर सिंगर प्लस राजस्थान' की विजेता और 'सा रे गा मा पा' की टॉप 30 फाइनलिस्ट रहीं है।

कांस्टेबल ने दहेज में आए ग्यारह लाख रुपये लौटाए

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में तैनात कांस्टेबल जतन सिंह ने अपनी शादी में एक मिसाल पेश की है। उन्होंने दहेज में आए 11 लाख रुपये लौटा दिए। कांस्टेबल जतन सिंह जयपुर की ब्रह्मपुरी थाने में तैनात है। कांस्टेबल जतन सिंह ने कहा कि समाज से दहेज प्रथा हटानी चाहिए। उन्होंने समाज में एक अच्छा संदेश दिया। वह चूरू के रहने वाले हैं और उनकी बारात झुनझुनू के बिजौली गाँव में पहुँची है। उनकी शादी पूनम कंवर से हुई है। कांस्टेबल जतन सिंह के पिता महावीर सिंह सामान्य परिवार से हैं और उन्होंने भी अपने बेटे के निर्णय पर गर्व महसूस किया।

कांस्टेबल जतन सिंह ने बताया कि वह पुलिस में हैं और दहेज के मामले उनके सामने आते रहते हैं। किस प्रकार से दहेज लोभी बेटियों को प्रताड़ित करते हैं। गरीब माता-पिता से लोभी मोटी रकम ली जाती है। पुलिस भर्ती होने के बाद से ही उन्होंने सोचा था कि जब वह शादी करेंगे तो बिल्कुल भी दहेज नहीं लेंगे।

जब उनकी शादी तय हुई थी तो उन्होंने तब भी दहेज के लिए मना किया था, लेकिन जब वह आज बारात लेकर पहुँचे तो बेटी के माता-पिता और परिवार की तरफ से उनको लाख और कुछ जवाहरात दिए गए, लेकिन जतन सिंह ने लेने से इनकार कर दिया।

डायलिसिस सेंटर व कैंसर स्क्रीनिंग मोबाइल वैन शुरू

जयपुर/नागौर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश में कैंसर स्क्रीनिंग सुविधाओं को निचले स्तर तक मजबूत बनाया जा रहा है, ताकि समय पर लक्षणों की पहचान कर आमजन का जीवन बचाया जा सके।

■ **गांव-ढाणी तक बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाना सरकार की प्राथमिकता : चिकित्सा मंत्री**

इसी कड़ी में अब नागौर जिले के गांव-ढाणियों में आमजन को घर के नजदीक ही स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध होगी। इस जांच में विशेष रूप से कैंसर की स्क्रीनिंग की जाएगी, जिसके लिए विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में कैंसर जांच की सुविधा सुलभ कराने के उद्देश्य से कैंसर स्क्रीनिंग मोबाइल वैन का संचालन शुरू किया गया है। रविवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्रसिंह खींवसर ने हरी झंडी दिखाकर इस मोबाइल वैन को रवाना किया।

मंत्री खींवसर ने कैंसर स्क्रीनिंग मोबाइल वैन का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर चिकित्सा मंत्री ने खींवसर के राजकीय जिला अस्पताल में डायलिसिस सेंटर का विधिवत उद्घाटन भी किया। डायलिसिस सेंटर के प्रारंभ होने से अब इस क्षेत्र के किडनी रोगियों को बड़ी राहत मिलेगी। यहां रोगियों के उपचार हेतु दो डायलिसिस मशीनों की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। चिकित्सा मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि ग्रामीण अंचलों में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति तक आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचें। पहले लोगों को बड़ी एवं गंभीर बीमारियों की जांच और उपचार के लिए दूर-दराज के शहरों में जाना पड़ता था, लेकिन अब सरकार ऐसी सुविधाएं गांव-ढाणी तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। चिकित्सा मंत्री ने खींवसर ने कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का समय पर पता लगना ही उपचार का पहला कदम है और इस दिशा में यह मोबाइल वैन ग्रामीण स्वास्थ्य क्रांति का माध्यम बनेगी।

राजस्थान का टॉप-25 वांछित अपराधी धनसिंह उर्फ धन सा गिरफ्तार

दो देसी पिस्टल, एक 12 बोर बंदूक, छह जिंदा कारतूस और तीन हैंड ग्रेनेड बरामद

सराना/सरवाड़, (निसं)। अजमेर पुलिस ने राज्यस्तरीय विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए टॉप-25 वांछित हार्डकोर अपराधी धन सिंह उर्फ धन सा उर्फ धनु प्रताप सिंह को गिरफ्तार किया है।

धनसिंह पर 35 हजार का इनाम घोषित था, जिसमें 25 हजार रुपये अजमेर एसपी और 10 हजार रुपये जयपुर ग्रामीण एसपी द्वारा घोषित किए गए थे। आरोपी के खिलाफ अजमेर, फूलियाकलां, सरवाड़, भिनाय, केकड़ी, जयपुर, मदनगंज, नसीराबाद, बिजयनगर, सराना के थानों में 51 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इनमें फायरिंग, हत्या का प्रयास, फिरौती के लिए अपहरण, अवैध हथियार तस्करी, लूट और धमकी जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं।

पुलिस ने कुख्यात अपराधी धन सिंह को गिरफ्तार कर हथियार बरामद किये।

- धनसिंह पर 35 हजार का इनाम घोषित था, जिसमें 25 हजार रुपये अजमेर एसपी और 10 हजार रुपये जयपुर ग्रामीण एसपी द्वारा घोषित किए थे
- आरोपी के खिलाफ अजमेर, फूलिया कलां, सरवाड़, भिनाय, केकड़ी, जयपुर, मदनगंज, नसीराबाद, बिजयनगर, सराना के थानों में 51 प्रकरण दर्ज हैं

पुलिस के अनुसार धनसिंह सराना थाना का घोषित हिस्ट्रीशीटर और हार्डकोर अपराधी है। गिरफ्तारी के दौरान उसने भागने का प्रयास किया और पुलिसकर्मी को टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद आरोपी को दबोच लिया। तलाशी में दो देसी पिस्टल, एक 12 बोर बंदूक, छह जिंदा कारतूस और तीन हैंड ग्रेनेड बरामद किए गए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आयुध अधिनियम और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि वह हथियारों की खरीद-फरोख्त किस नेटवर्क से कर रहा था। इस कार्रवाई का नेतृत्व आईजी राजेन्द्र सिंह, एसपी वंदिता राणा, एएसपी श्योराजमल मीणा, और डीएसपी हर्षित शर्मा के निर्देशन में किया गया।

खरीदसुदा मकान पर जबरन कब्जा, दो गिरफ्तार

जालोर, (कासं)। जालोर शहर के निकट केशवना गांव में एक व्यक्ति के खरीदसुदा मकान पर कैलाश, उसकी पत्नी व उसकी माता ने अपना हक जताते हुए जबरन ताले आदि तोड़कर कब्जा करने की सूचना पर बाहर राज्य व्यापार कर रहे मकान मालिक नवीन कुमार ने जालोर पहुंचकर चोरी का मामला दर्ज करवाया। मामला दर्ज होने के बाद बिशनगढ़ पुलिस ने जबरन कब्जा करने वालों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज होने पर कैलाश की पत्नी व उसकी माता को गिरफ्तार कर लिया, जबकि कैलाश अभी तक फरार चल रहा है, लेकिन जमानत होने के बाद वापस मकान पर कब्जा कर बैठ गये।

जालोर के निकट केशवना में नवीन कुमार पुत्र चम्पालाल निवासी केशवना के पिता चम्पालाल पुत्र सुमेरमल ने केशवना गांव के आबादी क्षेत्र में 2882 वर्गफीट का आवासीय मकान कानाराम पुत्र सवाराम से 4 जनवरी 2006 को खरीद किया था। उक्त मकान कानाराम का स्वयं पट्टासुदा व कब्जासुदा होने से उन्होंने अपनी स्वैच्छा से चम्पालाल को उक्त मकान बेचान किया। मकान बेचान करने से आज दिनांक तक चम्पालाल के बाद उनके पुत्र नवीन के कब्जे में उक्त मकान है। लेकिन बेचानकर्ता कानाराम की मृत्यु के बाद उनकी पत्नी, उनके पुत्र कैलाश, कैलाश की पत्नी व कानाराम की पुत्रियों के मन में लालच आया कि उक्त मकान उनके पिता द्वारा बेचान करने के बाद खरीददार नवीन कुमार से उक्त मकान के बदले रुपये हड़पने की नियत से दिपावली महोत्सव के दौरान करीब 18 व 20 अक्टूबर के दौरान उक्त लोगों ने मकान के ताले तोड़कर मकान में रखा सामान चोरी कर ले गये तथा उक्त मकान पर कब्जा कर लिया। इसकी सूचना उक्त मकान मालिक के नजदीकी जर्नादनसिंह उर्फ जनकसिंह ने नवीन कुमार को दी। उसने जालोर आकर पुलिस थाना बिशनगढ़ में रिपोर्ट दी कि उनके पिता का खरीदसुदा मकान के ताले तोड़कर जबरन अंदर घुस कर सामान आदि चुराकर ले गये तथा उनके मकान पर कब्जा कर लिया। उक्त रिपोर्ट पर पुलिस चोरी के आरोपियों को गिरफ्तार करने गई। उस दौरान कैलाश फरार हो गया तथा उसने माता, पत्नी व अपनी बहनों को पुलिस के आगे किया। पुलिस ने चोरी की अभियुक्ता ललिता पत्नी कैलाश कुमार व उसकी माता शांतिदेवी पत्नी कानाराम को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों को न्यायालय में पेश किया, लेकिन न्यायालय से जमानत मिलने के बाद पुनः उक्त लोगों ने जबरन उक्त मकान पर कब्जा जमा लिया।

- मकान मालिक ने जालोर पहुंचकर मामला दर्ज करवाया

मकान मालिक ने बताया कि केशवना गांव के आबादी क्षेत्र में मेरे पिता चम्पालाल ने कानाराम से आज से करीब बीस साल पहले मकान जरिये रजिस्ट्री के खरीद किया था। धनतेरस के दौरान अवकाश का फायदा उठाते हुए मेरे उक्त मकान को हथियाने के लिए कानाराम के पुत्र कैलाश, उसकी माता, उसकी पत्नी ने मकान में रखा सामान चुराकर ले गये। जिसकी रिपोर्ट मैने पुलिस थाना बिशनगढ में दी। उक्त मकान मेरे पिताजी चम्पलाल ने खरीद किया, तब डीडी से राशि का भुगतान किया है। वहीं रजिस्ट्री के गवाह भी कह रहे है कि उक्त मकान कानाराम ने चम्पालाल को बेचान कर दिया। इसके बाद भी उक्त लोग मेरे मकान को हथियाने के लिए जबरन कब्जा जमाये बैठे हुए है।

पुलिस थाना बिशनगढ़ के थानाधिकारी निम्बसिंह ने बताया कि केशवना में एक बंद मकान में चोरी होने की रिपोर्ट प्राप्त होने पर गिरफ्तार करने गये थे। मौके पर कैलाश मौजूद नहीं था, उसकी पत्नी, माता व बहनों ने चोरी के अभियुक्त ललिता पत्नी कैलाश व शांतिदेवी पत्नी कानाराम को गिरफ्तार करने के दौरान विरोध किया। जिसके बाद पुलिस चोरी की अभियुक्त को गिरफ्तार का न्यायालय में पेश किया। पुलिस द्वारा किसी प्रकार से जबरन कब्जा खाली करने का प्रयास नहीं किया गया है। वहीं रजिस्ट्री दस्तावेज के आधार पर मकान नवीन कुमार का है। महिलाओं के साथ मारपीट करने का सोशल मीडिया पर जारी वीडियो भ्रामक है।

कोटपूतली : सैनी विकास संगठन के तत्वाधान में कस्बे के ढाणी दीपावाली स्थित श्री शिव मंदिर में रविवार को देवउठनी एकादशी पर 6वां सामूहिक विवाह सम्मेलन हुआ। इस अवसर पर 9 जोड़ों का विवाह करवाया गया। जिलाध्यक्ष बबलू बबेरवाल ने बताया कि समारोह में माली महासभा प्रदेशाध्यक्ष ताराचंद गहलोत, भाजपा जयपुर देहात उत्तर के जिलाध्यक्ष सुरेश बादलीवाल, भवानी शंकर माली व पुखराज आदि ने अतिथि के रूप में शिरकत की। प्रधान संरक्षक देवीसहाय सैनी ने बताया कि राजमार्ग स्थित मोरीजावाला धर्मशाला में गौरवा कार्यक्रम कर बारात विवाह स्थल पहुंची, जिसके बाद पण्डितों द्वारा 9 जोड़ों का मंत्रोच्चार के साथ विवाह सम्पन्न करवाया।

जालोर में कैंडिडेट्स के मेटल लगे बटन काटे

जालोर, (कासं)। ग्रामीण विकास अधिकारी के पद को लेकर रविवार को जालोर जिले में 11 सेंटरों पर परीक्षा आयोजित हुई। परीक्षा में 2052 अभ्यर्थी बैठे। वहीं परीक्षा केन्द्र पर बायोमैट्रिक के बाद ही प्रवेश दिया गया। कई केंद्रों पर अभ्यर्थियों को मेटल बटन लगे कपड़ों के कारण रोका गया, जिन अभ्यर्थियों के कपड़ों में मेटल बटन थे, उन्हें बटन काटने के बाद ही प्रवेश दिया गया। 10 बजे के बाद सेंटर के गेट पूरी तरह बंद कर दिए गए। जालोर जिले में शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा सम्पन्न हुई। राजस्थान में ग्रामीण विकास अधिकारी के 850 पदों के लिए रविवार को एक ही पारी में परीक्षा आयोजित हुई। परीक्षा सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक हुई।

मंगरोप एनीकट स्थल का निरीक्षण

भीलवाड़ा, (निसं)। बनास नदी में प्रदूषण संबंधी शिकायत प्राप्त होने पर जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, क्षेत्रीय कार्यालय भीलवाड़ा के अधिकारियों ने मंगरोप एनीकट स्थल का निरीक्षण किया, ताकि वास्तविक स्थिति का आंकलन किया जा सके।

इस निरीक्षण में क्षेत्रीय अधिकारी दीपक धनेटवाल, अधीक्षण वैज्ञानिक अधिकारी महेश कुमार सिंह एवं सहायक पर्यावरण अभियंता जितेन्द्र सिंह मीणा सम्मिलित रहे। क्षेत्रीय अधिकारी दीपक धनेटवाल ने बताया कि मौका निरीक्षण के दौरान मंगरोप एनीकट में पानी का बहाव काफी तेज पाया गया। सामान्यतः किसी इकाई द्वारा छोड़े गए दूषित जल में टी.डी.एस. का मान 40,000 से 1,00,000 पी.पी.एम. के आसपास रहता है तथा साफ पानी में घुलने के पश्चात भी यह मान 3,000 पी.पी.एम. से कम नहीं होता। इसके अतिरिक्त, दूषित जल के साफ पानी में मिलने से पानी का रंग सामान्यतः गहरा भूरा अथवा काला हो जाता है। निरीक्षण के समय मंगरोप एनीकट पर बहते पानी का रंग मटमैला पाया गया। टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर पानी के टी.डी.एस. मान की जांच की गई, जो सामान्यतः 350 से 400 पी.पी.एम. से अधिक किसी स्थान पर नहीं पाया गया। अतः प्रथमदृष्टया पानी के रंग एवं टी.डी.एस. मान के आधार पर यह प्रतीत होता है कि उक्त पानी में औद्योगिक अपशिष्ट नहीं है।

बनास नदी में युवक डूबा

टोंक, (निसं)। जिले के अरनिया नील गांव के पास बनास नदी में एक युवक के डूबने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना पर पंहुची एसडीआरएफ टीम द्वारा तलाश कार्य प्रारम्भ कर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक राकेश निवासी थली गांव की अरनियाल नील स्थित बनास नदी में डूबने की सूचना पर एसडीआरएफ टीम व पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। टीम ने बताया कि बीसलपुर बांध के गेट खुले होने के कारण नदी का बहाव काफी तेज है, जिससे तलाश में दिक्कतें आ रही हैं। फिलहाल एसडीआरएफ टीम लगातार लापता युवक की तलाश में जुटी हुई है।

डिजिटल कांटे से छेड़छाड़ करने का आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। मंडाना पुलिस टीम ने डिजिटल कांटे से छेड़छाड़ कर वजन बढ़ाकर ठगी करने के दर्ज मामले में आरोपी को उत्तरप्रदेश से गिरफ्तार किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 23 जुलाई को फरियादी ध्याता जैन ने मंडाना थाने में रिपोर्ट दी।

फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि मंडाना में उसकी तन्मय ध्याता स्टील कोनकास्ट लिमिटेड नाम की फैक्टरी है, जिसमें सरिया बनाने का काम होता है। रिपोर्ट में कहा कि फैक्टरी में आने वाले ट्रको का वजन अंदर लगे कांटे पर ही किया जाता है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि रिपोर्ट में कहा कि 22 जुलाई की रात्रि को एमपी नम्बर का एक ट्रक फैक्टरी में आया, जिसमें ट्रक चालक कमल लाधी उर्फ गुड्डू व उसके साथ तीन अन्य व्यक्ति थे, जिसमें से दो व्यक्ति फैक्टरी के गेट के बाहर ही उतर गये, अंदर ट्रक चालक कमल और मेघराज दोनों ट्रक लेकर फैक्टरी में आये तथा ट्रक चालक ट्रक को कांटे पर खड़ा करके तोल करवा रहा था लेकिन रसीद लिये बिना ही चालक ने ट्रक को नीचे उतारकर साईड में लगा दिया।

रिपोर्ट में कहा कि तोल कर्मचारी की जब नजर पड़ी तो देखा कि एक व्यक्ति तोल करने वाले कांटे के नीचे था तथा कांटे से छेड़छाड़ कर रहा था। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए टीम गठित की गई। गठित टीम ने मामले में अनुसंधान करते हुए आरोपियों के संभावित स्थानो पर दबिश दी और जिला बुलंदशहर उत्तरप्रदेश के कल्याणपुर निवासी मेघराज सिंह (25) को जिला बुलंदशहर के उत्तरप्रदेश से डिटेन कर प्रकरण में गिरफ्तार किया गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि मामले में फरार चल रहे आरोपी मोहम्मद शेरू, आमिन एवं विक्रम योगी की तलाश जारी है।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान मामले में सामने आया कि आरोपियों द्वारा स्क्रैब को ट्रक में लोड करके स्टील प्लांटों में भिजवाया जाता है तथा आरोपी जिस भी स्टील प्लांट में स्क्रैब का माल भिजवाते हैं, उसमें प्लांनिग करके प्लांट में लगे हुए तोल कांटे में चिप लगाकर उसके वजन को बढ़ाकर प्लांट मालिक को नुकसान पहुंचा कर धोखाधड़ी करते हैं। ग्रामीण एसपी ने बताया कि मामले में सामने आया कि आरापियों द्वारा मंडाना मे स्थित तन्मय ध्याता स्टील प्लांट में लगे तोल कांटे में चिप लगाकर उनके द्वारा लाये गये स्क्रैब से भरे हुए ट्रक का वजन रिमोट के माध्यम से बढ़ाकर ठगी की गई थी। मामले में फरार चल रहे शेष आरोपियों की तलाश जारी है।

महासंघ की संघर्ष चेतना यात्रा पांच से

बीकानेर, (निसं)। 5 नवंबर से संघर्ष चेतना यात्रा शुरू बीकानेर अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ जिला इकाई की बैठक रविवार को जिला अध्यक्ष पृथ्वीराज लेघा की अध्यक्षता संपन्न हुई। बैठक में महासंघ की 11 सूत्री मांग पत्र के समर्थन में प्रांतीय नेतृत्व द्वारा प्रदेश में संचालित संघर्ष चेतना यात्रा को सफल बनाने पर चर्चा की। संघर्ष चेतना यात्रा प्रांतीय महामंत्री महावीर सियाग के नेतृत्व में सीकर, झुंझुनू, हनुमानगढ़ , गंगानगर, सूरतगढ़ होते हुए 7 नवंबर को बीकानेर पहुंचेगी तथा 8 नवंबर को बीकानेर से नागौर के लिए प्रस्थान करेगी। जिला मंत्री मनोज सुथार ने बताया कि 8 नवंबर को कर्मचारी महासंघ की बैठक आयोजित की जाएगी जिसे प्रांतीय कर्मचारी नेता महावीर सिहाग, प्यारेलाल चौधरी , तेजसिंह राठौड़, महावीर बुरड़क, धर्मेंद्र फोगाट, अशोक कलवानिया आदि नेता संबोधित करेंगे।

विवाहिता से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

नवलगढ़, (निसं)। स्थानीय पुलिस ने इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर विवाहिता के अश्लील फोटो और वीडियो को वायरल करने के नाम पर दुष्कर्म करने और ब्लेकमेल करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है।

नवलगढ़ सीआई राधेश्याम सांखला ने बताया कि मुकुंदगढ़ थाने में एक विवाहिता ने मामला दर्ज करवाया था कि उसकी शादी राजस्थान के ही एक दूसरे जिले में हुई थी। उसकी इंस्टाग्राम पर 22 वर्षीय मोहम्मद शोयब अली पुत्र वासिद अली के साथ दोस्ती हुई थी। दोस्ती होने के बाद दोनों ईमो एप पर बातचीत करने लगे। इस दौरान ही आरोपी ने उसके अश्लील फोटो और वीडियो बना लिए। जिन्हें वायरल करने की धमकी देता रहा। जिस वक्त दोस्ती हुई, उस वक्त मोहम्मद शोयब दुबई में था। कुछ महीने पहले वह दुबई से आया और उसने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। बाद में इन्हीं फोटो और वीडियो को उसके ससुराल में रिश्तेदारों में वायरल कर दिए। एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने मामले की जांचसीआई राधेश्याम सांखला को सौंपी।

नशा मतलब-परिवार के सुखों का अंत : चम्पालाल महाराज

राजगढ़ धाम पर नशा मुक्ति हेतु चलाए गए सात दिवसीय विशेष अभियान का समापन, रैली निकाली

अजमेर, (निसं)। जिले के सुप्रसिद्ध सर्वधर्म धार्मिक स्थल श्री मसाणिया भैरव धाम राजगढ़ पर रविवारीय मेले में नशा मुक्ति को लेकर राज्य सरकार के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम व मसाणिया भैरव धाम के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को नशा मुक्ति हेतु चलाए गए सात दिवसीय विशेष अभियान का समापन रैली के साथ हुआ।

धाम के प्रवक्ता अविनाश सेन ने बताया कि मुख्य उपासक चम्पालाल महाराज, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला के ओएसडी राजीव दत्ता व मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ज्योत्सना रंगा ने हरी झंडी दिखाकर नशामुक्ति महाअभियान रैली की शुरुआत की। रैली चक्की वाले बाबा के मंदिर से शुरू होकर राजगढ़ गांव में से तेजा चौक होते हुए मुख्य मन्दिर पहुंची। रैली में श्रद्धालुओं ने 'नशा मुक्ति के नारों नशा मुक्त देश बनाना है, नशे को जड़ से मिटाना है और जन-जन तक यह संदेश पहुंचाना है, नशे को हाथ नहीं लगाना है' से भैरव धाम को गुंजायमान कर दिया।

- नशा मुक्ति अभियान के तहत हजारों श्रद्धालुओं ने नशा नहीं करने की शपथ ली

भैरव धाम राजगढ़ पर सात दिवसीय विशेष अभियान के तहत रैली निकाली।

रैली को सम्बोधित करते हुए धाम के मुख्य उपासक चंपालाल महाराज ने कहा कि राजस्थान सरकार के स्वास्थ्य विभाग समाज में सामाजिक चेतना जगाने का कार्य कर रहा है। महाराज ने कहा कि नशा करने वाला परिवार व समाज पिछड़ जाता है। नशा काल व विनाश का कारण बनता है। नशे का अत्यधिक सेवन परिवार को सर्वनाश की ओर ले जाता है। नशे के ज्यादा सेवन से दुर्घटनाओं व कैंसर जैसी बीमारियों से अधिकतर लोग असमय अकाल मृत्यु को प्राप्त होते हैं। युवा पीढ़ी के कई युवा जिनको नशे की लत लग चुकी है, जिससे उनका भविष्य अंधकारमय है। दुर्घटनाओं में अपंगता व मृत्यु, समाज में गरीबी व भयंकर बीमारियों से अकाल मृत्यु का मूल कारण नशा ही होता है, इसलिये नशे का त्याग अवश्य ही करना चाहिये।

नशामुक्ति महाअभियान रैली को सम्बोधित करते हुए राजीव दत्ता ने श्रद्धालुओं से कहा कि नशामुक्त समाज को बढ़ावा देने के लिए चम्पालाल महाराज द्वारा पिछले कई वर्षों से नशामुक्ति महाअभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत श्रद्धालुओं को नशा मुक्त करने हेतु प्रेरित किया जाता है व उनसे संकल्प दिलाया जाता है तथा नशे से मुक्त किया जाता है और नशामुक्ति महाअभियान राजगढ़ भैरव धाम की पहचान बन चुका है। चम्पालाल महाराज द्वारा चलाए जा रहे महाअभियान की जितनी प्रशंसा की जाए कम हैं। उन्होंने इस महाअभियान को राष्ट्रीय स्तर पर शुरू करने की जरूरत बताई। उन्होंने देश के युवा, महिलाओं व समाज के सभी जिम्मेदार नागरिकों को आव्हान करते हुए कहा कि हम सभी चम्पालाल महाराज के नशामुक्ति महाअभियान की मुहिम व सामाजिक सरोकार में भागीदारी निभानी चाहिए। रैली को डॉ. ज्योत्सना रंगा, डॉ. चरण सिंह व डॉ. पूनिता जैफ ने भी नशे से होने वाली बीमारियों के बारे में जानकारी देकर समझाया। इस अवसर पर पूर्व अति पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह भाटी व पूर्व सभापति सुरेन्द्र सिंह शेखावत भी उपस्थित रहे। नशामुक्ति महाअभियान में हजारों श्रद्धालुओं ने अपने दोनों हाथ उठाकर जीवन में दोबारा नशा नहीं करने की शपथ ली। इस रैली व महाअभियान में अजमेर मेडिकल कॉलेज के नशामुक्ति विशेषज्ञ डॉ. चरण सिंह, डॉ. रामस्वरूप, जिला सलाहकार डॉ. पूनिता जैफ, जिला महामारी रोग विशेषज्ञ मुकेश खोरवाल, कुलदीप तंवर तथा भैरव भक्त मण्डल के ओमप्रकाश सेन, रमेश सेन, राहुल सेन, अविनाश सेन, पदमचन्द जैन, अनिल कटारिया, सुनील रांका, दिलीप राठी, राजकुमार चावड़ा, सतीश सेन, कमल शर्मा, विजय भवानीखेड़ा आदि का विशेष सहयोग व योगदान रहा।

बुजुर्ग के साथ पड़ोसी ने मारपीट की

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के भैंरूजी मंदिर के पास खटीकों का मोहल्ला में एक 82 साल के बुजुर्ग के साथ पड़ौसी युवक ने ही शराब के नशे में बेरहमी से मारपीट की। घायल बुजुर्ग अब दो दिनों से बैड पर है, लेकिन उसे संभालने वाला भी कोई नहीं है। यही नहीं बुजुर्ग की हालत इतनी खराब है कि वह कहीं जाकर अपनी पीड़ा भी बयां नहीं कर सकता।

- घायल बुजुर्ग अब दो दिनों से बैड पर है, संभालने वाला भी कोई नहीं है

बुजुर्ग की पत्नी सरस्वती ने बताया कि दो दिन पहले उनके पति बनवारीलाल घर के बाहर ही कुर्सी पर बैठे थे। तभी पड़ोसी मुखराम आया और शराब के नशे में बनवारीलाल से पैसे मांगने लगा, लेकिन बनवारीलाल ने मना किया तो बनवारीलाल को कुर्सी से गिरा दिया और फिर लातों से ही बुरी तरह मारपीट की। पास के लोगों ने छुड़वाया। तब जाकर बनवारीलाल की जान बची। सरस्वती ने बताया कि पड़ोसियों ने पुलिस को दो-तीन फोन किए, लेकिन पुलिस ने फोन नहीं उठाया। बाद में मोहल्ले में ही कंपाउडरी का काम करने वाले एक व्यक्ति ने आकर चोटों पर पट्टी की। तब से दोनों पति-पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। सरस्वती ने बताया कि चार बेटे हैं। एक का निधन हो चुका है। तीन बेटों में कोई भी संभालने नहीं आता। हालत बहुत बुरी हो चुकी है। क्षेत्र के लोगों ने भी इस मामले में कार्रवाई की मांग की है।

कोलासर में शौर्य जाट शोध संस्थान का उद्घाटन

समाज के इतिहास से जुड़ी पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई

समारोह में अतिथियों को बुक्स भेंट की गई।

सुजानगढ़, (कासं)। निकटवर्ती कोलासर में रविवार को शौर्य जाट शोध संस्थान का उद्घाटन हुआ। संस्था के संस्थापक रामनिवास जाट, लेखक व क्रान्तिकारी विचारक भीमसिंह आर्य, राष्ट्रीय जाट महासभा प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र किलक, भारतीय किसान संघ (सरपंच) प्रदेश अध्यक्ष तुलछाराम कुकना, गौरवशाली सैनानी संघ अध्यक्ष रतनलाल ढाका, पूर्व अध्यक्ष नेमीचन्द जाट ने दीप प्रज्वलन के बाद फीता काटकर संस्थान का उद्घाटन किया। इस अवसर पर जाट समाज से जुड़ी इतिहास की पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

- कार्यक्रम में समाज से कुरीतियां मिटाने का किया आव्हान

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि संस्थान समाज के उत्थान में मील का पत्थर साबित होगा। सभी ने इस प्रयास की सराहना की। जाट महासभा प्रदेश अध्यक्ष धमेन्द्र किलक ने शेखावाटी क्षेत्र का पहला संस्थान स्थापित करने के लिए रामनिवास जाट की सराहना करते हुए कहा कि इन दुर्लभ पुस्तकों से समाज के युवाओं को समाज और आज महान हस्तियों के बारे में सटीक जानकारियां मिलेगी। तुलछाराम राम कूकणा ने लोगों से संस्थान में अपना पूरा योगदान देने का आव्हान किया। संस्थान के संस्थापक रामनिवास जाट ने उद्देश्यों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि संस्थान का मुख्य कार्य जाट समाज के गौरवशाली इतिहास की जानकारी देना है। साथ ही शोध को बढ़ावा देना, शोधकर्ताओं को किताबों सहित तकनीक से जोड़कर सुविधाएं मुहैया करवाना, विश्वविद्यालयों में जाट शोध संस्थान विभाग स्थापित करवाना, पाठ्य पुस्तकों में जाट इतिहास शामिल करवाना, समाज में फैली कुरुतियों मिटाना संस्थान का मुख्य उद्देश्य रहेगा।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा 50 स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में भारत के विराट कोहली को पीछे छोड़ा।

बाबर आजम

बाबर आजम टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा 50 स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

खेल जगत

अपने भावनात्मक संदेश में बोपन्ना ने कहा, यह अलविदा नहीं है, यह धन्यवाद है। इन शब्दों ने उनके पूरे करियर की आत्मा को बयां कर दिया। उन्होंने अपने साथियों, परिवार, प्रशंसकों और कोचों को धन्यवाद दिया जिन्होंने उनकी इस यात्रा में योगदान दिया।

भारतीय टेनिस की सबसे प्रतिष्ठित हस्तियों में से एक, रोहन बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस से अपने संन्यास की घोषणा की है। यह घोषणा उनके करियर की आखिरी पारी का संकेत थी, लेकिन बोपन्ना ने इसे अलविदा नहीं कहा, बल्कि उन्होंने इसे एक धन्यवाद का रूप दिया।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय महिला टीम 2004 , 2005-06 , 2006 , 2008 में 4 बार एकदिवसीय एशिया कप जीता है।

भारत ने रचा इतिहास, जीत लिया विमेंस वनडे वर्ल्ड कप:साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराकर चैंपियन बने

मुबंई। भारत की बालिकाओं ने 47 साल के इंतजार के बाद इतिहास रच ही दिया। इंडिया विमेंस ने रविवार को फाइनल में साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीता।

पाटील स्टेडियम में साउथ अफ्रीका ने बॉलिंग चुनी। भारत ने 7 विकेट खोकर 298 रन बनाए। शेफाली वर्मा ने 87, दीप्ति शर्मा ने 58, स्मृति मंधाना ने 45 और ऋचा घोष ने 34 रन बनाए। साउथ अफ्रीका से आयाबोंगा खाका ने 3 विकेट लिए।

बड़े टारगेट के सामने साउथ अफ्रीका टीम 246 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। कप्तान लौरा वोल्वार्ट ने लगातार दूसरा शतक लगाया, लेकिन टीम को जीत दिलाने से पहले ही आउट हो गईं। भारत से पार्ट टाइम ऑफ स्पिनर शेफाली वर्मा ने 2 विकेट लेकर मैच पलटा। वहीं दीप्ति शर्मा ने 5 विकेट लेकर टीम को जीत दिला दी।

बन गए वर्ल्ड चैंपियन:46वें ओवर की तीसरी बॉल दीप्ति शर्मा ने फुल टॉस फेंकी। नदिन डी क्लर्क शॉट खेलने गईं, लेकिन कवर्स पोजिशन पर भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर के हाथों कैच हो गईं। क्लर्क के विकेट के साथ साउथ अफ्रीका 246 रन पर ऑलआउट हुई और भारत ने विमेंस वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया।

दीप्ति ने एक ओवर में पलटा मैच: लौरा वोल्वार्ट शतक लगाने के ठीक बाद आउट हो गईं। दीप्ति शर्मा ने 42वें ओवर में फाइनल को भारत की झोली में डाल दिया। उन्होंने पहली गेंद पर शतक लगा चुकीं कप्तान लौरा वोल्वार्ट को कैच कराया। वोल्वार्ट 101 रन बनाकर आउट हुईं, अमनजोत कौर ने 3 बार में उनका कैच पकड़ा। दीप्ति ने फिर ओवर की चौथी गेंद पर क्लो ट्रायोन को भी कर दिया।

केन विलियमसन ने अंतरराष्ट्रीय टी-20 से संन्यास लिया

वेलिंग्टन 02 नवंबर (वार्ता) न्यूजीलैंड के बल्लेबाज केन विलियसमन ने आगामी टी20 विश्वकप से पहले अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया है।

विलियसमन ने अपने संन्यास की घोषणा करते हुए कहा, ''मैं लंबे समय से इस टीम का हिस्सा रहा हूं और इसके लिए बहुत आभारी हूं। यह मेरे और टीम दोनों के लिए सही समय है। इससे टीम को आगे की सीरीज और टी-20 विश्व कप के लिए स्पष्ट दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि मिच शानदार कप्तान हैं और टीम को आगे ले जाने का यह उनका समय है। मैं अब दूर से उनका समर्थन करूंगा।''

न्यूजीलैंड के कोच रॉब वॉल्टर ने कहा, ''यह फ़ैसला पूरी तरह समझ में आता है। क्रिकेट बहुत कुछ मांगता है और केन ने काफी योगदान दिया है। वह एक शानदार टीम मैन हैं और उनका अनुभव व शांत स्वभाव टीम के लिए अमूल्य है।''

अक्टूबर 2011 में पर्दापण करने के बाद से उन्होंने 93 टी-20 मैचों में 33.44 की औसत से 18 अर्धशतक लगाते हुए 2575 रन बनाए, इसमें 95 का सर्वोच्च स्कोर शामिल है। विलियमसन ने न्यूजीलैंड को 2021 टी-20 विश्वकप के फाइनल तक पहुंचाया था, लेकिन उस दौरान उनका बेहतरीन 85 रन का योगदान भी टीम को जीत नहीं दिला सका। उन्होंने 75 मैचों में कप्तानी भी की।

उन्होंने इस महीने की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज से स्वयं को अलग रखा था और इंग्लैंड के खिलाफ 1-0 की हार में भी जांघ की चोट के कारण नहीं खेले। टी-20 से संन्यास के बाद अब उनका पूरा ध्यान दिसंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज पर रहेगा।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बयान में कहा कि विलियमसन अब संभवतः 26 नवंबर से शुरू होने वाले प्लंकेट शील्ड मैच में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट के लिए खेलेंगे, जो वेस्टइंडीज के खिलाफ दो दिसंबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट की तैयारी होगी।

उन्नित हुडा की सेमीफाइनल में हार के साथ भारतीय चुनौती समाप्त

सारब्रुकन (जर्मनी) 02 नवंबर (वार्ता) उन्नित हुडा के महिला एकल के सेमीफाइनल मैच में इंडोनेशिया की दुनिया की नंबर सात खिलाड़ी पुत्री कुसुमा वरदानी से हारने के बाद हाइलो ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई।

शनिवार को खेले गये सेमीफानइल मुकाबले में 18 साल की उन्नित हुडा को वरदानी से 21-7, 21-13 से हार का सामना करना पड़ा। महिला एकल बैडमिंटन रैंकिंग में 34वें नंबर पर मौजूद उन्नित हुडा की शुरुआत धीमी रही जबकि वरदानी ने शुरू में ही लय पकड़ ली।

पंत की जबर्दस्त पारी, इंडिया ए ने दक्षिण अफ्रीका ए को तीन विकेट से हराया

बेंगलुरु, 02 नवंबर (वार्ता) कप्तान ऋषभ पंत (90) की जबर्दस्त पारी और तनुष कोटियान (चार-चार विकेट) के शानदार प्रदर्शन के दम पर इंडिया ए ने पहले अनौपचारिक टेस्ट मैच के चौथे दिन रविवार को दक्षिण अफ्रीका ए को तीन विकेट से हरा दिया।

इंडिया ए ने कल के चार विकेट पर 119 के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह के सत्र में ऋषभ पंत के साथ आयुष बदोनी ने धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए स्कोर आगे बढ़ाया। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 53 रनों की साझेदारी हुई। टियान वैन वुरेन ने शतक की ओर बढ़ रहे ऋषभ पंत को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। ऋषभ पंत ने 113 गेंदों में 11 चौके और तीन छक्के लगाते हुए 90 रन बनाये। 53वें ओवर में टियान वैन वुरेन ने आयुष बदोनी (34) को भी अपना शिकार बना लिया। तनुष कोटियान (23) सातवें विकेट के रूप में आउट हुये। इसके बाद इंडिया ए ने 73.1 ओवर में सात विकेट पर 277 रन बनाकर मुकाबला तीन विकेट से जीत लिया। मानव सुथार और अंशुल काम्बोज के बीच आठवें विकेट के लिए 62 रनों की अविजित मैच विजयी साझेदारी हुई।

दक्षिण अफ्रीका ए के लिए टियान वैन वुरेन ने तीन और शेपो मोरेकी ने दो विकेट लिये। ओकुहले सेले और लुथो सिपामला ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। दक्षिण अफ्रीका ए ने पहली पारी में 309 रनों का स्कोर बनाया था। भारत की ओर से तनुष कोटियान ने चार, गुरनूर बरार और मानव सुथार ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया था। इंडिया ए की टीम अपनी पहली पारी में 234 के स्कोर पर सिमट गई थी। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका ए को दूसरी पारी में तनुष कोटियान ने चार विकेट, अंशुल काम्बोज ने तीन विकेट और गुरनूर बरार ने दो विकेट लेकर 199 के स्कोर पर ढेर कर दिया था।

विदेश में हो सकती है आईपीएल नीलामी

नयी दिल्ली, 02 नवम्बर (वार्ता) आईपीएल नीलामी स्थल को लेकर सोच में बदलाव होता दिख रहा है, जिसके अब विदेश में आयोजित होने की संभावना है। हालांकि फ्रेंचाइजियों को अभी तक आधिकारिक तौर पर शहर के बारे में सूचित नहीं किया गया है, लेकिन उन्हें इसके बारे में संकेत जरूर दिए गए हैं। हमेशा की तरह, संभावित स्थल खाड़ी क्षेत्र में कहीं माना जा रहा है। संयुक्त अरब अमीरात में अबू धाबी एक मजबूत संभावना है, लेकिन ओमान और कतर जैसे अन्य मध्य पूर्वी स्थानों पर भी विचार किया जा रहा है।

यह घटनाक्रम पहले की योजना से बिल्कुल अलग है, जब ऐसा लग रहा था कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) भारत में ही नीलामी आयोजित करने का इच्छुक है। हालांकि, अब एक आदर्श स्थान हासिल करने में चुनौतियाँ नजर आ रही हैं।

जीतकर काफी अच्छा लग रहा है : सूर्यकुमार

होबार्ट, 02 नवम्बर (वार्ता) भारत की ऑस्ट्रेलिया पर तीसरे टी 20 मुकाबले में पांच विकेट की सीरीज बराबर करने वाली जीत हासिल करने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि मैच में जीत हासिल कर अच्छा लग रहा है। सूर्यकुमार ने मैच जीतने के बाद प्रेजेंटेशन में कहा, हमारे लिए टॉस जीतना काफ़ी अच्छा रहा, लगातार टॉस हार के सिलसिले को तोड़ना अच्छा रहा। जीतकर अच्छा लग रहा है।

यह बढ़िया कॉम्बिनेशन था। वॉशिंगटन एक लचीले बल्लेबाज हैं। शुभमन और अभिषेक आग और बर्फ़ जैसे हैं, कुछ ऐसी ही स्थिति बुमराह और अर्शदीप के साथ भी है। बुमराह ने अपना काम बखूबी किया और अर्शदीप अपनी योजनाओं को लेकर काफ़ी स्पष्ट थे।

प्लेयर ऑफ द मैच बने अर्शदीप सिंह ने कहा, मैं बस प्रक्रिया पर ध्यान देने और अपने कौशल पर भरोसा करने की कोशिश कर रहा हूं, मुझे लगता है कि जब कोई बल्लेबाज आप पर आक्रमण करता है तो उसे आउट करने की संभावना बन जाती है। मुझे भारत के लिए खेलने में मज़ा आता है, जब भी गेंदबाजी मिलती है तो गेंदबाजी का लुत्फ उठाता हूं।

मैं सिर्फ़ उन चीज़ों को अमलीजामा पहनाने का प्रयास करता हूं जिनका मैंने अभ्यास किया है।

22 राज्यों के 700 से ज्यादा मैराथन धावकों ने 19,000 फीट ऊंचे आदि कैलाश पर 60 किमी लंबी अल्ट्रा मैराथन दौड़ लगाई

देहरादून, 02 नवंबर (वार्ता) उत्तराखंड की पहली उच्च-ऊंचाई वाली अल्ट्रा मैराथन दौड़, हिमालय की 19,000 फ़ीट से अधिक ऊंचाई पर आयोजित की गई, जिसमें पूरे भारत से 700 से ज़्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

राज्य में शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य के रजत जयंती समारोह के एक हिस्से के रूप में, शून्य से 15 डिग्री सेल्सियस कम तापमान में 60 किलोमीटर लंबी मैराथन का आयोजन किया गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य के पवित्र आध्यात्मिक धरोहर आदि कैलाश की छाया में आयोजित उच्च-ऊंचाई वाली अल्ट्रा मैराथन दौड़ उत्तराखंड की साहसिक खेलों की संभावनाओं, प्राकृतिक विरासत और पर्यटन के लिए एक नया आयाम स्थापित करेगी। राज्य पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 60 किलोमीटर लंबी दौड़, शून्य से 15 डिग्री नीचे तापमान में, आदि कैलाश से सुबह-सुबह शुरू हुई, जिसमें देश भर के 22 राज्यों के 700 से ज़्यादा धावकों ने भाग लिया।

प्रतिभागियों ने लगभग 20,000 फीट ऊंचे हिमालय क्षेत्र में अत्यधिक ऊंचाई, कठोर मौसम और अत्यधिक चुनौतीपूर्ण हिमालयी ट्रैक के बीच दौड़ने के लिए अपने अदम्य साहस, दृढ़ता और तंदुरुस्ती का प्रदर्शन किया।

आदि कैलाश जैसे स्थान पर हिमालयी राज्य की पहली अल्ट्रा मैराथन दौड़ में प्रतिभागियों के प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए, मुख्यमंत्री धामी ने कहा, ''यह आयोजन उत्तराखंड के लिए गौरव का क्षण है। आदि कैलाश जैसे पवित्र और आध्यात्मिक धाम में आयोजित यह ऐतिहासिक अल्ट्रा रन न केवल साहस और समर्पण का एक उदाहरण है, बल्कि राज्य में साहसिक पर्यटन और खेल संस्कृति को एक नई दिशा भी प्रदान करेगा। राज्य के गठन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित यह अल्ट्रा रन, उत्तराखंड के उज्ज्वल भविष्य और असीम संभावनाओं का प्रतीक है।''

पीएम मोदी ने एशियाई युवा खेलों में भारत के रिकॉर्ड तोड़ पदक जीतने की सराहना की

नई दिल्ली, 02 नवंबर (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के युवा एथलीटों को एशियाई युवा खेल 2025 में उनके ऐतिहासिक प्रदर्शन के लिए आज बधाई दी, जहां देश ने रिकॉर्ड 48 पदक हासिल किए।

अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर मोदी ने उनके जुनून, धैर्य और समर्पण की सराहना की और उन्हें निरंतर सफलता की कामना की। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, ''हमारे युवा एथलीटों ने एशियाई युवा खेल 2025 में अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ 48 पदक जीतकर इतिहास रच दिया है।''

उन्होंने आगे कहा, ''दल को बधाई। उनका जुनून, दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत साफ दिखाई दे रही है। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएँ।''

भारत की पदक तालिका में विभिन्न खेलों में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक शामिल हैं, जो देश के बढ़ते प्रतिभा भंडार और मजबूत होते खेल पारिस्थितिकी तंत्र को दर्शाता है। इस उत्कृष्ट उपलब्धि से नई पीढ़ी के एथलीटों को ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करने और अंतर्राष्ट्रीय खेल जगत में भारत के बढ़ते कद में योगदान देने की प्रेरणा मिलने की उम्मीद है।

एशियाई युवा खेल 2025 युवा खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुए हैं और भारत का एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरना एथलेटिक प्रतिभाओं को निखारने पर बढ़ते ज़ोर को दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा राष्ट्रीय गौरव से ओतप्रोत है और भारत के व्यापक विकास में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करती है।

टी-20 सीरीज के लिए जैमीसन और सोढी को वापस बुलाया

वेलिंगटन, 02 नवंबर (वार्ता) कई अहम खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण न्यूजीलैंड ने तेज गेंदबाज काइल जैमीसन और स्पिनर ईश सोढ़ी को वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू पांच मैचों की अंतरराष्ट्रीय टी-20 सीरीज के लिए 14 सदस्यीय टीम में वापस बुलाया है। ऑलराउंडर मिशेल सेंटनर की अगुवाई में बुधवार को ऑकलैंड में इस सीरीज का पहला मैच खेलना जायेगा। फिन एलन (पैर), लॉकी फर्ग्यूसन (हैमस्ट्रिंग), एडम मिल्ने (टखना), ग्लेन फिलिप्स (ठोइन) और बेन सियर्स (हैमस्ट्रिंग) चोट के कारण बाहर हैं।

राजस्थान - मुंबई रणजी मैच के दूसरे दिन राजस्थान मजबूत

राजस्थान के बल्लेबाज दीपक हुड्डा का नाबाद शतक , सचिन यादव शतक से चुके

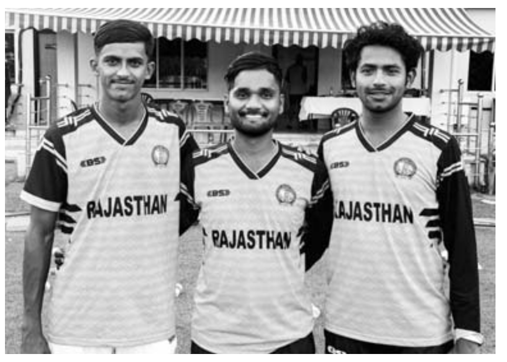

जयपुर 2 नवम्बर , राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में जयपुर में सवाई मान सिंह स्टेडियम पर खेले जा रहे राजस्थान - मुंबई रणजी मैच के दूसरे दिन राजस्थान के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुंबई के विरुद पहली पारी में बढ़त प्राप्त की। राजस्थान के दीपक हुड्डा का शानदार नाबाद शतक व अपना पदार्पण रणजी मैच खेल रहे सचिन यादव शतक से चुके।

राजस्थान - मुंबई रणजी मैच (दूसरे दिन का स्कोर)

मुंबई पहली पारी 254 आल आउट

राजस्थान पहली पारी 339 / 4

दूसरे दिन राजस्थान के बल्लेबाजों ने उत्कृष्ट बल्लेबाजी करते हुए टीम को पहली पारी में महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई। टीम के लिए दीपक हुड्डा नाबाद 121 , अपना पदार्पण रणजी मैच खेल रहे सलामी बल्लेबाज सचिन यादव शतक से चुके , सचिन यादव 92 , महिपाल लोमरोर 41 , कुणाल सिंह राठौड़ 31 व कार्तिक शर्मा नाबाद 26 रन बनाकर खेल रहे हैं।

मुंबई के गेंदबाज तुषार देशपांडे 50 / 2 विकेट।

राजस्थान - बंगाल अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी मैच (पहले दिन राजस्थान के गेंदबाज चमके) कल्याणी , बंगाल में आज से राजस्थान - बंगाल टीमों के मध्य शुरू हुए अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी मैच के पहले दिन राजस्थान के गेंदबाज गणेश सुथार , अनिरुद्ध सिंह चौहान व मोहित चांगरा की शानदार गेंदबाजी की सहायता से राजस्थान ने बंगाल को पहली पारी में सस्ते में सिमटा।

बंगाल पहली पारी 146 आल आउट

टीम के लिए मिलिंद 40 रन

राजस्थान के गेंदबाज गणेश सुथार 25 / 4 , अनिरुद्ध सिंह चौहान 8 / 3 व मोहित चांगरा 39 / 3 विकेट प्राप्त किये।

राजस्थान पहली पारी 17 / 0

बीसीसीआई अंडर 19 वीमेन टी 20 ट्रॉफी

राजस्थान ने चंडीगढ़ को हराया

राजस्थान पारी 119 /6

राजस्थान की बल्लेबाज तनिका शर्मा ने ट्रॉफी मैच शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली।

टीम के लिए तनिका शर्मा नाबाद 51 , प्रतीक्षा 22 व प्रियांशी 14 रन

चंडीगढ़ की गेंदबाज आहन वैद 20 / 3 विकेट

चंडीगढ़ पारी 97 / 9

राजस्थान की गेंदबाज ऐ ऍन चौधरी 14 / 2 , मैना सियोल 15 / 2 निशिता , हैप्पी 1 - 1 विकेट।

एनटीपीसी नेशनल रैंकिंग तीरंदाजी टूर्नामेंट के मेडल मुकाबले सम्पन्न

जयपुर। जगतपुरा शूटिंग रेंज स्थित तीरंदाजी एरिना पर चल रहे एनटीपीसी नेशनल रैंकिंग तीरंदाजी टूर्नामेंट में आज सीनियर कैटेगरी के मेडल मुकाबले सम्पन्न हुए। राजस्थान तीरंदाजी संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि सीनियर वर्ग में रिकर्व एवं कंपाउंड दोनों श्रेणियों में बालक-बालिकाओं के मेडल मुकाबले खेले गए। खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर की खूबसूरत पोडियम व्यवस्था पर प्रतिस्पर्धा करते हुए शानदार प्रदर्शन किया।

मेडल मुकाबलों के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में राज्य निर्वाचन आयुक्त डॉ. राजेश्वर सिंह (पूर्व आईएएस) उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया एवं प्रतियोगिता में सहयोग देने वाले तकनीकी अधिकारियों को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि राजस्थान में इस प्रकार की प्रतियोगिताएं प्रदेश को खेलों के क्षेत्र में नई दिशा देती हैं। जब युवा खेलों से जुड़ेंगे, तभी प्रदेश और देश प्रगति करेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह ने की। उन्होंने कहा कि राजस्थान के खिलाड़ियों को आगे बशत्रढ़ाने में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी, संघ खिलाड़ियों के विकास के लिए हरसंभव प्रयास करेगा। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में राजस्थान एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव देवनारायण गुर्जर उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन राजस्थान में खेलों को मजबूत बनाते हैं और नई पीढ़ी को प्रेरित करते हैं।

भारतीय तीरंदाजी टीम के कोच अनिल जोशी ने बताया कि प्रतियोगिता का संचालन भारतीय तीरंदाजी संघ द्वारा नियुक्त तकनीकी अधिकारियों की देखरेख में किया जा रहा है, जिससे प्रतियोगिता पूरी तरह निष्पक्ष और उच्च स्तरीय बन पाई है। यह टूर्नामेंट राजस्थान तीरंदाजी संघ द्वारा भारतीय तीरंदाजी संघ के सहयोग से आयोजित कि गई

आज के परिणाम इस प्रकार हैं:
/एनटीपीसी नेशनल रैंकिंग तीरंदाजी टूर्नामेंट (सीनियर वर्ग)

सीनियर रिकर्व पुरुष वर्ग
1. सुखचैन सिंह - एसएससीबी ( )
2. नीरज चौहान - एआईपीएससीबी ( )
3. यमन कुमार - हरियाणा

सीनियर रिकर्व महिला वर्ग
1. अंकिता भकत - झारखंड
2. संगीता - दिल्ली
3. सिमरनजीत कौर - पंजाब

सीनियर कंपाउंड पुरुष वर्ग
1. ओजस प्रवीन देवटाले - महाराष्ट्र
2. उदय कम्बोज - पंजाब
3. चिट्टिबोम्मा जिग्नस - एसएससीबी

सीनियर कंपाउंड महिला वर्ग
1. राज कौर - एआईपीएससीबी ( )
2. मुस्कान किरार - मध्यप्रदेश
3. अदिति गोपिचंद स्वामी - महाराष्ट्र

अजय रोहेरा के शतक से पुड्डुचेरी सुखद स्थिति में

नयी दिल्ली, 02 नवम्बर (वार्ता) सलामी बल्लेबाज अजय रोहेरा (नाबाद 107) के शानदार शतक से पुड्डुचेरी दिल्ली के खिलाफ रणजी ट्रॉफी एलीट ठ्रुप डी मैच में रविवार को चार विकेट पर 240 रन बनाकर सुखद स्थिति में पहुंच गया।

पुड्डुचेरी अभी दिल्ली के पहली पारी के 294 रन के स्कोर से 54 रन पीछे है और उसके छह विकेट शेष हैं। अजय रोहेरा ने 139 गेंदों पर नाबाद 107 रन में 16 चौके लगाए हैं। संतोष रत्नपारखे ने 43 और आनंद बैस ने 48 रनों का योगदान दिया।

इससे पहले दिल्ली ने कल के छह विकेट पर 248 रन से आगे खेलना शुरू किया और उसकी पहली पारी 294 रन पर समाप्त हुई। पुड्डुचेरी की तरफ से सागर उदेशी ने चार और अबिन मैथ्यू ने तीन विकेट लिए।

राजस्थान के खिलाडी ने ब्रान्ज मेडल जीतकर राजस्थान को किया गौरवान्वित

जयपुर, 2 नवम्बर । इंडिया ओपन कम्पटीशन-शॉटगन पटियाला में आयोजित की जा रही 07 दिवसीय (दिनांक 30.10.2025 से 05.11.2025 तक) शॉटगन शूटिंग चैम्पियनशिप में राजस्थान के खिलाड़ी अभिषेक मीना ने शॉटगन ट्रैप यूथ मेन प्रतियोगिता में ब्रान्ज़ मेडल अपने नाम कर, राज्य का नाम रोशन किया। उक्त खिलाड़ी जयपुर में स्थित ओएसिस शूटिंग रेंज , जगतपुरा, जयपुर में अभ्यासरत है। जगतपुरा शूटिंग रेंज ने राज्य व देश को कई राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय एवं ओलम्पिक स्तर के उत्कृष्ठ खिलाड़ी दिये है।

आगे भी राजस्थान राईफल एसोसिएशन का प्रयास रहेगा की आगामी प्रतियोगिताओं में भी राज्य व देश को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक दिलाकर राज्य व देश को गौरवान्वित करेंगे। राजस्थान राईफल एसोसिएशन पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई देती है साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

जिलों में नई अदालतों का सृजन व नए जजों की नियुक्ति जल्दी होगी-भजनलाल

मुख्यमंत्री ने जोधपुर में बार काउन्सिल ऑफ इंडिया के नये भवन के उद्घाटन समारोह में वीसी से भाग लिया

जयपुर, 2 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि न्यायपालिका लोकतंत्र का वो मजबूत स्तम्भ है जो समाज में न्याय और समानता की अलख जगाता है। सशक्त न्याय व्यवस्था से ही नागरिकों में सुरक्षा का भाव आता है। उन्होंने कहा कि देश में लागू किए गए तीन नए आपराधिक कानूनों ने न्याय की परिभाषा को बदलने का काम किया है। प्रदेश में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को जमीनी स्तर पर लागू किया जा रहा है। जिससे न्याय प्रक्रिया में तेजी आई है और आने वाले समय में देश में अठाणी राज्य होगा।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर वीसी के माध्यम से जोधपुर में आयोजित बार काउन्सिल ऑफ़ राजस्थान के नवनिर्मित भवन के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि बार काउन्सिल ऑफ़ राजस्थान के लिए नवनिर्मित भवन लोकतंत्र को और भी मजबूत करने का काम करेगा। बार काउन्सिल आमजन की न्याय की आकांक्षाओं को पूरी करने का एक माध्यम है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आवश्यकता अनुसार जिला स्तर पर नई अदालतों का सृजन कर रही है। साथ ही नए जजों की नियुक्ति भी तीव्र गति से की जा रही है। उन्होंने कहा कि जनता के हित के कार्य हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अधिवक्ता कल्याण एवं बार कौंसिल के सुदृढ़ीकरण में सहयोग के लिए हमारी सरकार पूरी तरह से तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिवक्ता समाज के शिल्पकार होने के साथ ही न्याय व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। अधिवक्ता, लोगों के भरोसे के जीत की प्रतिमूर्ति हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

■ जोधपुर में आयोजित समारोह में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संदीप मेहता, जस्टिस विजय बिश्नोई, राजस्थान हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा, न्यायाधीश जस्टिस पुष्पेन्द्र सिंह भाटी, महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल भरत व्यास, बार काउन्सिल ऑफ राजस्थान के चेयरमैन व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। बार काउन्सिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा वीसी के माध्यम से जुड़े।

जोधपुर में आयोजित मुख्य समारोह में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संदीप मेहता, जस्टिस विजय बिश्नोई, राजस्थान हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा, न्यायाधीश जस्टिस डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह भाटी, महाधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल भरत व्यास, बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के चेयरमैन भुवनेश शर्मा व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा वीसी के माध्यम से जुडे।

राहुल गांधी ने बेगूसराय में मछुआरों के साथ मछली पकड़ी

उन्होंने चुनाव सभा में आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति ट्रंप से डरते हैं

बेगूसराय, 02 नवंबर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र सिर्फ अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड से नहीं डरते हैं, बल्कि वह उद्योगपति अडाणी और अंबानी के चंगुल में भी हैं। गांधी ने आज यहां चुनावी सभा में प्रधानमंत्री मोदी पर हमला करते हुये कहा कि 56 इंच की छाती वाले मोदी डरपोक हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी की छाती बड़ी नहीं थी, लेकिन वो किसी से डरते नहीं थे। मोदी से ज्यादा दम इंदिरा गांधी में था। मोदी ट्रम्प से डरते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कई बार बोला है कि उन्होंने नरेंद्र मोदी को डराकर ऑपरेशन सिंदूर बंद कराया है। ट्रम्प कहते हैं मैंने मोदी को फोन लगाया कि ऑपरेशन सिंदूर रोको और फिर ऑपरेशन रुक गया। उन्होंने कहा कि वह मोदी को चुनौती देते हैं कि वह बिहार आकर कहें कि ट्रम्प झूठ बोल रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि मोदी सिर्फ अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप से नहीं डरते हैं, उनका कंट्रोल अडाणी और अंबानी के भी हाथ में हैं। चुनाव के दिन तक आप जो भी कहेंगे मोदी वो करेंगे। चुनाव के बाद न आएंगे, न कुछ करेंगे।

■ राहुल गांधी ने बेगूसराय में चुनाव सभा में कहा कि चुनाव के दिन तक आप जो भी कहेंगे, मोदी वो करेंगे। चुनाव के बाद न आएंगे और न कुछ करेंगे।

बेगूसराय में सभा के बाद राहुल गांधी विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) प्रमुख मुकेश सहनी, कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार और बेगूसराय से कांग्रेस उम्मीदवार अमिता भूषण के साथ लगभग तीन किलोमीटर की दूरी तय करके पास के एक तालाब तक गये, जहाँ सुबह से ही तैयारियाँ चल रही थीं। जब राहुल गांधी वहां पहुंचे, तो ग्रामीणों ने उन्हें पारंपरिक तरीके से स्वागत किया।

गांधी, सहनी और कन्हैया के साथ वे एक नाव में चढ़ गए और तुरंत बाद बिना किसी हिचकिचाहट के पानी में कूद गए। स्थानीय मछुआरों के साथ मिलकर उन्होंने जाल खींचने और मछलियाँ पकड़ने में मदद की। बाद में गांधी ने ग्रामीणों द्वारा तैयार किए गए स्थानीय व्यंजनों का स्वाद भी चखा और उनके साथ भोजन भी किया।

गांधी ने अपनी इस यात्रा का वीडियो शेयर करते हुये सोशल मीडिया पर लिखा, बेगूसराय, में आज वीआईपी पार्टी के अध्यक्ष मुकेश सहनी के साथ वहां के मछुआरा समुदाय से मिलकर बहुत अच्छा लगा।

उन्होंने कहा कि उनका काम जितना दिलचस्प है, उससे जुड़ी उनकी समस्याएं और संघर्ष उतने ही गंभीर हैं लेकिन हर परिस्थिति में उनकी मेहनत, जज़्बा और व्यवसाय की गहरी समझ प्रेरणादायक है।बिहार की नदियां, नहरें, तालाब और उनमें जीवन बसाते मछुआरे, प्रदेश की अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा हैं।

एसआईआर प्रक्रिया नहीं रोकी तो तमिलनाडु अदालत में जाएगा- स्टालिन

मुख्यमंत्री स्टालिन की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक में यह प्रस्ताव पारित किया गया

चेन्नई, 2 नवंबर। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन ने चुनाव आयोग पर केंद्र सरकार के अधीन काम करने का आरोप लगाते हुए आयोग से तमिलनाडु में 4 नवंबर से शुरू होने वाले प्रस्तावित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को रोकने की मांग की।

स्टालिन की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक में सर्वसम्मति से पारित इस प्रस्ताव में कहा गया कि अगर चुनाव आयोग इस प्रक्रिया को नहीं रोकता है, तो तमिलनाडु के पास देश की शीर्ष अदालत में जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। स्टालिन ने एसआईआर को लोगों के मताधिकार छीनने वाली प्रक्रिया कहा।

गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया की घोषणा ऐसे समय में की है जब तमिलनाडु में 2026 के अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव होने हैं। बैठक में आरोप लगाया गया कि इसका उद्देश्य भाजपा और उसकी गठबंधन सहयोगी अन्नाद्रमुक को लाभ पहुंचाना और मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाना है।

■ प्रस्ताव में कहा गया है कि एसआईआर की आड़ में तमिलनाडु के लोगों के मताधिकार को छीनने की साजिश रची जा रही है।

इसमें बिहार में एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ देश की शीर्ष अदालत में लंबित एक ऐसी ही याचिका का भी उल्लेख किया गया है, जहां 65 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए थे। एसआईआर के प्रति अपने कड़े विरोध को दोहराते हुए सर्वदलीय बैठक इस प्रक्रिया का विरोध करने हेतु रणनीति तैयार करने के लिए बुलाई गई थी क्योंकि उनके अनुसार चुनाव आयोग की कार्रवाई न केवल विवादास्पद है बल्कि संदिग्ध और एकतरफा भी है।

प्रस्ताव में कहा गया कि एसआईआर की आड़ में तमिलनाडु के लोगों के मताधिकार को छीनने की साजिश रची जा रही है। बिहार में मुसलमानों, दलितों और महिलाओं को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम काटे गए।

प्रस्ताव के मुताबिक चुनाव आयोग की कार्रवाई न केवल विवादास्पद है बल्कि संदिग्ध भी है। बिहार इसका एक उदाहरण है कि कैसे चुनाव आयोग मनमाने आदेशों के जरिए चुनाव करा रहा है और उस राज्य में एसआईआर असली मतदाताओं को हटाने की साजिश साबित हुई। इसमें आरोप लगाया गया है कि केंद्र सरकार की शह पर चुनाव आयोग ने शीर्ष अदालत के आदेशों का भी पालन नहीं किया।

मदरसे से 20 लाख के नकली नोट बरामद

खंडवा, 02 नवंबर। मध्य प्रदेशके खंडवा जिले के जावर थाना क्षेत्र के ग्राम पैठिया स्थित एक मदरसे से नकली नोटों का बड़ा जखीरा मिला है। भारी मात्रा में नकली नोट मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। पेठिया मदरसे के इमाम के कमरे से 19 लाख 78 हजार रुपये जब्त किए गए हैं। यह खुलासा उस वक्त हुआ जब महाराष्ट्र के मालेगांव से शुरू हुई एक कार्रवाई में पाया गया कि इस नेटवर्क का तार खंडवा से जुड़ा है।

मालेगांव पुलिस ने पैठिया मस्जिद के इमाम जुबेर अंसारी को उसके एक साथी के साथ दस लाख रुपये के नकली नोट खपाते हुए महाराष्ट्र में गिरफ्तार किया था। जुबेर मूल रूप से बुरहानपुर जिले के हरिपुरा का निवासी है और पिछले कुछ महीनों से पैठिया में एक मदरसे के ऊपर किराए के मकान में रह रहा था। मालेगांव में जब पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी की, तो पूछताछ में खंडवा कनेक्शन सामने आया और यहीं से स्थानीय पुलिस को बड़ी सफलता मिली।

मालेगांव पुलिस से सूचना मिलते ही खंडवा के जावर थाने की पुलिस ने पैठिया गांव के मदरसा परिसर में छापा मारा। मौके से नकली नोटों के कई बंडल, छपाई से जुड़ी सामग्री और कुछ संदिग्ध दस्तावेज बरामद किए गए। पुलिस अधिकारियों की मानें तो यह गिरोह अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय था और अलग-अलग राज्यों में नकली करेंसी की सप्लाई कर रहा था। छापे के दौरान मदरसे के आसपास भीड़ जमा हो गई और पुलिस ने किसी प्रकार की अफवाह फैलने से रोकने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया। अधिकारियों और फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम ने मौके पर सारी सामग्री को सील कर जांच के लिए भेज दिया है।

■ महाराष्ट्र के मालेगांव से शुरु हुई कार्यवाही के दौरान इस नेटवर्क का तार खंडवा से जुड़ा हुआ मिला।

हरियाणा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चोरी और वोट चोरी के जिम्मेदार लोगों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने अपने पत्र में लिखा कि हरियाणा की जनता अब राज्य और राष्ट्रीय नेतृत्व दोनों से निराश है। पार्टी का संगठन जर्जर हो चुका है। 2005 में भजनलाल जी के नेतृत्व में कांग्रेस ने 67 सीटें जीती थीं, लेकिन तब से पराजय का सिलसिला थमा नहीं है।

राम मंदिर ध्वजारोहण समारोह 25 नवम्बर को

अयोध्या, 02 नवम्बर। रामनगरी अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण कार्य ने रफ्तार पकड़ ली है। 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में मंदिर परिसर में भव्य ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर न केवल राम मंदिर, बल्कि परकोटे के सभी छह मंदिरों में भी ध्वजारोहण किया जाएगा।

■ प्रधानमंत्री भी भाग लेने अयोध्या जाएंगे।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने बताया कि मंदिर निर्माण की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। उन्होंने कहा कि राम मंदिर का ध्वज देश के सभी मंदिरों में सबसे ऊंचा होगा, जो धरती से 191 फीट ऊपर फहराया जाएगा।

ट्रस्ट के अनुसार, 10 एकड़ क्षेत्र में पंचवटी का निर्माण किया जा रहा है, जहाँ श्रद्धालुओं के लिए धार्मिक स्थलों और उद्यानों का निर्माण होगा। गर्भगृह में भगवान श्रीरामलला की प्रतिमा स्थापित है और प्रथम तल पर राम दरबार के दर्शन भी शुरू हो चुके हैं। परकोटे के सभी मंदिरों में प्रतिमाएं, कलश और ध्वजदंड स्थापित किए जा चुके हैं।

'केजरीवाल ने मोहल्ला क्लीनिक के माध्यम से दस साल घोटाले किये'

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष सचदेवा ने केजरीवाल सरकार पर मोहल्ला क्लीनिक के संदर्भ में गंभीर आरोप लगाये

नयी दिल्ली, 02 नवम्बर। दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने केजरीवाल सरकार पर आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक की आड़ में 10 साल तक घोटाला करने का आरोप लगाया है।

सचदेवा ने रविवार को संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि दिल्ली वासियों ने अरविंद केजरीवाल सरकार को दस साल आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक की आड़ में बड़े घोटाले करते देखा है। पूर्ववर्ती सरकार द्वारा सड़कों पर पोर्टा केबीन बना कर या "आप" वॉलेंटियर्स से अनाप -शनाप किराये पर कमरे लेकर खोले गये मोहल्ला क्लीनिक मात्र आधे दिन खुलने वाले ओपीडी केन्द्र थे जिन्हें केजरीवाल सरकार ने घोटालों का माध्यम बनाया। उन्होंने कहा कि इन मोहल्ला क्लीनिकों में से अधिकांश में डॉक्टर तक नहीं होते थे। कंपाउंडर क्लीनिक चलाते थे और इनमें किसी भी रोग की जांच की सुविधा तक नहीं थी।

उन्होंने कहा कि दिल्ली वासियों ने समय- समय पर देखा कि कैसे यह मोहल्ला क्लीनिक केवल एक ही फोन नम्बर से पंजीकृत मरीज देखने का और उनकी नकली जांच का शुल्क वसूलते थे। उन्होंने कहा कि इन मोहल्ला क्लीनिक में नियुक्त अधिकांश कर्मी हेल्थ सेवा के लिए प्रशिक्षित भी नहीं थे। इनकी नियुक्ति किसी प्रशासनिक व्यवस्था के अनुसार नहीं हुई थी और लगभग सभी आम आदमी पार्टी से जुड़े हुए थे।

■ सचदेवा ने कहा कि अधिकांश मोहल्ला क्लीनिक में डॉक्टर नहीं होते थे। कंपाउंडर क्लीनिक चलाते थे और किसी भी रोग की जाँच सुविधा नहीं थी।

उन्होंने कहा कि कोविड काल में जब दिल्लीवासियों को मोहल्ला स्तर पर इलाज की सबसे ज्यादा जरूरत थी उस वक्त केजरीवाल ने इन मोहल्ला क्लीनिकों को बंद कर दिया था।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घुसते और फर्नीचर को तोड़ते नजर आए। झड़प के दौरान कुछ लोगों के घायल होने की खबरें हैं, हालांकि पुलिस ने अभी तक किसी के घायल होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की।

सूचना मिलने के बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। सुरक्षा बलों की बड़ी तादाद भी तैनात की गई। प्रशासन ने कहा कि स्थिति अब नियंत्रण में है और दोनों पक्षों को शांत रहने के लिए कहा गया है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का दावा है कि बीआरएस शासन के दौरान उनके कार्यालय पर जबरन कब्जा किया गया था। कांग्रेस का कहना है कि वह अपना कार्यालय फिर से लौटाने के लिए प्रदर्शन कर रही है। कार्यकर्ताओं ने नारे लगाए, हमें हमारा ऑफिस वापस दो।

बीआरएस ने कांग्रेस पर हमला कर जनता और कानून व्यवस्था को चुनौती देने का आरोप लगाया। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) ने इसे कांग्रेस सरकार के तहत कानून व्यवस्था की विफलता और गुंडाराज का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा, बीआरएस के 60 लाख कार्यकर्ता मनुगुरु के साथ खड़े हैं। कांग्रेस के गुंडों से डरने की जरूरत नहीं है। उनका अहंकार ज्यादा दिन नहीं चलेगा। बीआरएस ने इसे राजनीतिक दबाव और दमन की कोशिश करार दिया और कहा कि जनता ऐसे हिंसक प्रयासों का जवाब देगी। पार्टी ने यह भी चेतावनी दी कि कानून का पालन किया जाएगा और किसी भी तरह की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मोदी ने पटना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। रोड शो के पूरे रास्ते में 10 स्वागत पॉइंट बनाए गए थे। इन स्थानों पर प्रधानमंत्री का स्वागत फूलों की वर्षा, ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ किया गया। इसके बाद उन्होंने गुरुद्वारे में मत्था टेका और आशीर्वाद लेकर दिन के प्रचार का समापन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस साल राज्य में दूसरा रोड शो था। लोकसभा चुनाव के दौरान हुए रोड शो में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल हुए थे, लेकिन इस बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मौजूद नहीं थे। प्रधानमंत्री के साथ जनता दल यूनाइटेड से केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, बांकीपुर के प्रत्याशी नितिन नवीन, दीघा के प्रत्याशी संजीव चौरसिया, दानापुर के प्रत्याशी राम कृपाल यादव रथ पर सवार थे। इधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो में सीएम नीतीश कुमार के शामिल नहीं होने पर कांग्रेस ने एनडीए पर जमकर हमला बोला है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर रोड शो की तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि अब साफ हो गया कि नीतीश कुमार बिहार का मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। पहले चरण के चुनाव से पहले ही नीतीश कुमार हुए खेल से बाहर हो गए। कांग्रेस ने कहा कि पटनावासी पूछ रहे हैं कि मुख्यमंत्री कहां पर हैं?

लालू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनवाया और अब मां सीता का भव्य राम मंदिर बनाने जा रहे हैं। सीतामढ़ी से सीधे अयोध्या के लिए सीधे ट्रेन चलाने जा रहे हैं। राजद और कांग्रेस वालों ने कभी राम और सीता का सम्मान नहीं किया।

'दिल्ली के गंभीर वायु प्रदूषण पर केन्द्र सरकार तत्काल कार्यवाही करे'

नयी दिल्ली, 2 नवंबर। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने दिल्ली में गंभीर वायु प्रदूषण पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुये केंद्र एवं राज्य सरकारों से समन्वित कार्रवाई की तत्काल अपील की है।

वाड्रा ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में दमघोंटू वायु प्रदूषण को देखते हुये इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने और उसे कम करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इसका असर बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और सांस के रोगों से पीड़ित मरीजों पड़ता है।

■ कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने इस कार्य में अपनी पार्टी के समर्थन की पेशकश की।

उन्होंने कहा, "इस शहर पर प्रदूषण का जबदस्त आवरण है। अब समय आ गया है कि हम सभी एकजुट होकर इस बारे में कुछ करें।"

वाड्रा ने सरकारों से तुरंत कार्रवाई करने का आग्रह किया और अपनी पार्टी की ओर से समर्थन की पेशकश करते हुये कहा "केंद्र और राज्य सरकारों को तुरंत कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

इस भयावह स्थिति को कम करने के लिए वे जो भी कदम उठाएँगे, हम उनका समर्थन और सहयोग करेंगे।"

महाराष्ट्र के तटीय क्षेत्र के मछुआरे आर्थिक संकट में फंसे

रायगढ़ , 02 नवंबर। महाराष्ट्र में मोन्था चक्रवात ने रायगढ़ और पालघर तटीय क्षेत्र के मछुआरा समुदायों के लिए गंभीर आर्थिक संकट पैदा कर दिया है। लगातार प्रतिकूल समुद्री परिस्थितियों के कारण नावों को किनारे पर ही रहना पड़ रहा है और हज़ारों मछुआरा परिवार रोज़ी-रोटी के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

मछुआरों ने बताया है कि बार-बार चक्रवात की चेतावनी और समुद्र में उथल-पुथल के कारण कामकाज बंद रहने से उन्हें लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। इस संकट को देखते हुए, रायगढ़ जिला मछुआरा केंद्रीय सहकारी समिति लिमिटेड ने मत्स्य पालन मंत्री नितेश राणे को एक ज्ञापन देकर तत्काल राहत की मांग की है।

■ बार-बार चक्रवात चेतावनियों के कारण मछुआरे कई माह से समुद्र में नहीं जा पा रहे हैं।

एसोसिएशन ने कहा कि तूफानी मौसम, भारी बारिश और तट पर चक्रवात की चेतावनी के कारण मछुआरे कई महीनों से समुद्र में नहीं जा पा रहे हैं। उन्होंने सूखे मछली स्टॉक के भी काफ़ी खराब होने की सूचना दी, क्योंकि लगातार बारिश के कारण बड़ी मात्रा में मछलियां खराब हो गईं, जिससे अतिरिक्त नुकसान हुआ।

दरअसल, 7 मई से चक्रवाती परिस्थितियां बनी हुई हैं, जिससे लगभग छह महीने तक बड़े पैमाने पर मछली पकड़ने की गतिविधियां बाधित रहीं। सभी नावें विभिन्न तटीय बंदरगाहों पर खड़ी हैं।

हालांकि मछुआरों ने मत्स्य पालन को कृषि का दर्जा देने के लिए सरकार का धन्यवाद किया, जो मछुआरों को ऋण, सब्सिडी, बीमा और कृषि योजनाओं तक पहुँचने में मदद करने वाला एक कदम है। लेकिन मछुआरों ने वर्तमान संकट से निपटने के लिए तत्काल आर्थिक सहायता की मांग की है।

कैंची धाम से लौट रहा पर्यटक वाहन खाई में गिरा, 2 की मौत

नैनीताल, 02 नवंबर। दिल्ली से उत्तराखंड के कैंची धाम घूमने आए पर्यटकों का वाहन शनिवार देर रात को खाई में गिरने से दो पर्यटकों की मौत हो गई जबकि 15 अन्य पर्यटक घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एक टेंपों ट्रैवलर दिल्ली के बदरपुर से पर्यटकों को लेकर नैनीताल के कैंची धाम दर्शन के लिए आया था। देर रात को वापस लौटते वक्त वाहन नैनीताल-हल्द्वानी मार्ग पर आम पड़ाव के पास 50 फीट गहरी खाई में जा गिरा। बताया जा रहा है कि टेंपो में चार बच्चों सहित 17 लोग सवार थे।

प्रत्यक्षदर्शियों ने डायल 112 पर पुलिस को दुर्घटना की सूचना दी। सभी घायलों को बाहर निकाला गया और 108 की सहायता से सभी को हल्द्वानी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

टूरिस्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लोगों की मौत की खबर अत्यंत दु:खद और हृदय विदारक है। कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल ने फलोदी हादसे में 15 लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टूरिस्ट बस तेज रफ्तार में थी और अचानक चालक का संतुलन बिगड़ने से बस खड़े ट्रेलर में जा घुसी। हादसे के बाद बस में फंसे यात्रियों को निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।

तेलंगाना : पत्नी, बेटी, रिश्तेदार की हत्या कर आत्महत्या की

विकाराबाद, 02 नवंबर। तेलंगाना के विकाराबाद जिले के कुलाचेरला में शनिवार आधी रात एक व्यक्ति ने कथित रूप से अपनी पत्नी, बेटी और एक करीबी रिश्तेदार की हत्या करके खुद भी आत्महत्या कर ली।

पुलिस के अनुसार, यादैया अपनी पत्नी और दो बेटियों श्रावणी और अपर्णा (13) के साथ रहता था और कथित रूप से घरेलू मुद्दों को लेकर अपनी पत्नी के साथ अक्सर झगड़ा करता था। विवाद सुलझाने के लिए, दंपति ने शनिवार रात अपने रिश्तेदार हनम्मा से मुलाकात की। बातचीत के दौरान इस बात पर सहमति बनी कि अलीवेलु और उनकी बेटियां अगली सुबह से हनम्मा के साथ रहेंगी।

■ यादैया का अपनी पत्नी से अक्सर झगड़ा रहता था।

हालांकि, उसी रात बाद में, यादैया ने कथित रूप से अपनी पत्नी, बेटी श्रावणी और हनम्मा पर सोते समय दरांती से हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद उसने छत से लटककर आत्महत्या कर ली।

प्रधानमंत्री मोदी 7-8 नवम्बर को वाराणसी आयेंगे

वाराणसी, 02 नवंबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने रविवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने दो दिवसीय दौरे पर 7 नवंबर को सायंकाल बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री हवाई अड्डे पहुंचेंगे। वहां उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। वहां से प्रधानमंत्री सड़क मार्ग से सीधे बरेका गेस्ट हाउस जाएंगे। तत्पश्चात् प्रधानमंत्री इसी दिन वरिष्ठ भाजपा नेताओं एवं प्रमुख लोगों के साथ बैठक करेंगे।

पटेल ने बताया कि 8 नवंबर को पूर्वाह्न प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बनारस रेलवे स्टेशन (मंडुआडीह) पर वाराणसी से खजुराहो तक चलने वाली वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। उसके बाद वे चुनावी सभा को संबोधित करने के लिए बिहार रवाना हो जाएंगे। पटेल ने बताया कि भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भव्य स्वागत की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

रीको को भीलवाड़ा, डीडवाना-कुचामन व फलौदी में भूमि आवंटित

जयपुर, 2 नवम्बर। प्रदेश की औद्योगिक क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भीलवाड़ा, डीडवाना-कुचामन और फलौदी जिलों में औद्योगिक परियोजनाओं के लिए विभिन्न भूमि आवंटनों को मंजूरी दी है।

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तीनों जिलों में नये औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना को स्वीकृति दी।

मुख्यमंत्री ने भीलवाड़ा जिले की तहसील कोटडी के ग्राम कोदिया में 20.80 हैक्टेयर भूमि राजस्थान औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम लिमिटेड (रीको) को नवीन औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना हेतु स्वीकृत की है। वहीं, डीडवाना-कुचामन की तहसील परबतसर में स्थित मौजा भकरी मौलास में 71.59 हैक्टेयर भूमि रीको को औद्योगिक परियोजना हेतु आंवटित की है। इसी प्रकार, फलौदी जिले की तहसील आऊ के ग्राम हाजीसागर एवं ग्राम टेणानाडी में कुल 49.82 हैक्टेयर भूमि की स्वीकृति प्रदान की गई है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600